THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 197 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.7 2082 सोमवार, 13 अक्टूबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

लड़की आधी रात में कॉलेज से बाहर कैसे आई?

पुलिस कर रही जांच : दुर्गापुर केस पर सीएम ममता का बयान

कोलकाता, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में मेडिकल छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात पर सीएम ममता बनर्जी ने पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा ये वारदात चौंकाने वाला है, हमारी सरकार ऐसी घटनाओं को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करती। सीएम ममता बनर्जी ने आगे कहा कि, वारदात में शामिल तीन आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं, पुलिस अन्य की तलाश कर रही है, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। इस दौरान सीएम ममता ने ये भी कहा कि, निजी कॉलेजों को परिसर के भीतर और आसपास सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

हमने पाकिस्तान को अछूत बना दिया था

26/11 के बाद सरकार के ऐक्शन पर पवन खेड़ा की सफाई

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की तरफ से पार्टी नेता पी. चिदंबरम के बयान पर लगातार सफाई आ रही है। ऑपरेशन ब्लू स्टार को इंदिरा गांधी की गलती वाले बयान से पहले चिदंबरम ने 26/11 अटैक को लेकर भी बयान दिया था। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मुंबई आतंकी हमले वाले बयान पर कहा कि 26/11 के बाद सरकार ने जो भी कदम उठाए, उसने पाकिस्तान को पूरी दुनिया से अलग कर दिया।

उन्होंने कहा कि हमने पाकिस्तान को एफएटीएफ (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स) की ब्लैक लिस्ट में डलवाया... हमने न्याय दिलाया... पहलगाम के बाद उन्हें क्या हासिल हुआ? आसिफ मुनीर ने अमेरिका के साथ लंच किया... हमने उस समय पाकिस्तान को अछूत बना दिया था।

58 पाकिस्तानी सैनिक मार गिराए

तालिबान ने 25 चौकियों पर कब्जा भी किया, कहा- आईएसआईएस के आतंकियों को पनाह दे रहा पाकिस्तान

काबुल, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान ने दावा किया कि उसकी सेना ने शनिवार रात को पाकिस्तान सीमा पर हुई झड़प में 58 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया है। यह कार्रवाई पाकिस्तान की ओर से किए गए हवाई उल्लंघन के जवाब में की गई।

तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि अफगान सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान की 25 सैन्य चौकियां कब्जे में ले ली हैं। इस कार्रवाई में 58 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए, जबकि 30 अन्य घायल हुए हैं। अफगान रक्षा मंत्रालय ने कहा- हमारा ऑपरेशन आधी रात को खत्म हो गया। अगर पाकिस्तान ने फिर से अफगानिस्तान सीमा का उल्लंघन किया, तो हमारी सेना देश की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। अफगान अधिकारियों ने पाकिस्तान पर राजधानी काबुल और देश के पूर्वी इलाके के एक बाजार पर बमबारी करने का आरोप लगाया था। हालांकि

पाकिस्तान ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली थी।

पाकिस्तान पर आईएसआईएस के आतंकियों को पनाह देने का आरोप

तालिबान ने पाकिस्तान पर आरोप लगाया है कि वह अपनी जमीन पर आईएसआईएस के आतंकियों को शरण दे रहा है। मुजाहिद ने इन आतंकियों को अफगानिस्तान समेत पूरी दुनिया के लिए खतरा बताते हुए उन्हें पाकिस्तान से निकालने या अफगानिस्तान के हवाले करने के लिए कहा।

तालिबान प्रवक्ता ने बताया कि अफगानिस्तान ने अस्थिरता फैलाने वाले सभी तत्वों को खत्म कर दिया था, लेकिन अब उनके नए ठिकाने पाकिस्तान के पख्तूनख्वा इलाके में बना दिए गए हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि इन ठिकानों पर कराची और इस्लामाबाद एयरपोर्ट के जरिए नए लड़ाकों को लाया जा रहा है और यहीं पर उन्हें ट्रेनिंग दी जा रही है। मुजाहिद ने यह भी दावा किया कि ईरान और रूस में हुए हमलों की योजना भी इन्हीं पाकिस्तानी ठिकानों से बनाई गई थी।

पाक बोला- भारत की तरह मुंहतोड़ जवाब देंगे :

पाकिस्तानी गृह मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि अफगानिस्तान को भी भारत की तरह मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा, ताकि वह पाकिस्तान की ओर बुरी नजर से देखने की हिम्मत न कर सके। गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने कहा है कि हालिया हमलों के बाद पाकिस्तान चुप नहीं बैठेगा, ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा। वहीं, पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, पाक सेना ने अफगानिस्तान की 19 सीमा चौकियों पर कब्जा कर लिया।

दावा- अफगानिस्तान ने 6 अलग-अलग जगह से हमले किए

रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, अफगान हमले सीमा के करीब छह इलाकों में हुए। पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के एक अधिकारी ने मीडिया को बताया कि पाकिस्तानी सेना ने भी जवाब में भारी गोलीबारी की। लड़ाई के दौरान पाकिस्तानी सेना ने 3 अफगान ड्रोन मार गिराए, आशंका जताई गई है कि ये ड्रोन बम ले जा रहे थे। सऊदी अरब ने इस लड़ाई पर चिंता जताई है। सऊदी सरकार ने दोनों देशों से शांति और बातचीत के जरिए मामला सुलझाने की अपील की है और तनाव बढ़ाने से बचने को कहा है।

तीन दिन पहले काबुल में एयरस्ट्राइक हुई थी :

दरअसल 9 अक्टूबर को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के ठिकानों पर हवाई हमले हुए थे।

भारत मजबूत और एकजुट रहे, ये संविधान ने सुनिश्चित किया

पड़ोसी देशों में हिंसा को लेकर भी बोले सीजेआई

मुंबई, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई ने रविवार को कहा कि हमारे संविधान ने सुनिश्चित किया है कि देश मजबूत और एकजुट रहे, जबकि पड़ोसी देश अशांति और उथल-पुथल का सामना कर रहे हैं। महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के मंदनगढ़ तालुका में एक न्यायालय भवन का उद्घाटन करने के बाद मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यह भवन ऐसे क्षेत्र में बना है जहां संविधान के मुख्य निर्माता और महान समाज सुधारक बाबासाहेब आंबेडकर का पैतृक गांव अंबावडे भी स्थित है।

पड़ोसी देशों में हुए हिंसक सत्ता परिवर्तन को लेकर कही ये बात :

जस्टिस गवई ने कहा, देश युद्ध और शांति दोनों ही स्थितियों में एकजुट और विकास के पथ पर अग्रसर रहा है। हमने आंतरिक आपातकाल भी देखा है, लेकिन हम मजबूत और एकजुट रहे हैं। यह डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के संविधान की वजह से है, जो हमें उन पड़ोसी देशों से अलग करता है जो उथल-पुथल का सामना कर रहे हैं। उनकी और हमारी स्थिति में अंतर भारतीय संविधान की मजबूती के कारण है। जैसा कि बाबासाहेब आंबेडकर ने ठीक ही कहा था, जब तक इस देश में सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र स्थापित नहीं हो जाता, तब तक राजनीतिक लोकतंत्र का कोई मतलब नहीं है।

श्रीलंका, बांग्लादेश और हाल ही में नेपाल में हिंसक नागरिक आंदोलन हुए, जिनके चलते सरकारें बदलीं और बड़े पैमाने पर हिंसा और आगजनी हुई। जस्टिस बीआर गवई ने कहा, पिछले 22 वर्षों में एक न्यायाधीश के रूप में, मैंने न्याय के विकेंद्रीकरण का समर्थन किया है और कई न्यायिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को पूरा किया है। मुझे सबसे ज्यादा संतुष्टि कोल्हापुर सर्किट बेंच (बॉम्बे उच्च न्यायालय की) और यह मंडनगढ़ न्यायालय भवन से मिलती है, जो दो वर्षों में बनकर तैयार हुआ है।

जस्टिस बीआर गवई ने एक सपने के साकार होने जैसा बताते हुए, मुख्य न्यायाधीश ने मंडनगढ़ न्यायालय भवन परियोजना में तेजी लाने के लिए महाराष्ट्र सरकार को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, वैसे तो कार्यपालिका और न्यायपालिका की शक्तियों को अलग-अलग कर लोगों को न्याय मिलने की उम्मीद की जाती है, लेकिन न्याय सभी तक पहुंचे, इसके लिए न्यायपालिका को कार्यपालिका से धन के मामले में सहयोग की जरूरत है। हाल ही में नासिक, नागपुर, कोल्हापुर और दरियापुर में न्यायालय भवनों का उद्घाटन किया गया है, मुझे उनके निर्माण की गुणवत्ता पर गर्व है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि ये अदालतें अंतिम नागरिक तक जल्द न्याय पहुचाने के बाबासाहेब आंबेडकर के सपने को भी पूरा करेंगी।

'कल को ताजमहल और लाल किले पर भी कर देंगे वक्फ संपत्ति का दावा'

कोच्चि, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक ऐतिहासिक फैसले में केरल हाई कोर्ट ने कहा है कि मुनंबम को वक्फ संपत्ति के रूप में अधिसूचित करना केरल वक्फ बोर्ड का जमीन हड़पने का हथकंडा था। इसी के साथ कोर्ट ने विवादित भूमि के स्वामित्व का पता लगाने के लिए जांच आयोग नियुक्त करने के सरकारी आदेश को बरकरार रखा।

जस्टिस सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी और श्याम कुमार वीएम की पीठ ने कहा कि अनिवार्य प्रक्रिया और वक्फ अधिनियम 1954 और 1955 के अनुपालन के अभाव में संबंधित संपत्ति को कभी वक्फ संपत्ति के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता। पीठ ने कहा कि विवादित भूमि को वक्फ के रूप में अधिसूचित करना वक्फ अधिनियम 1954 और 1995 के प्रविधानों के विपरीत है। इस कदम से सैकड़ों परिवारों की रोजी-रोटी प्रभावित हुई है, जिन्होंने वक्फ संपत्ति की अधिसूचना से दशकों पहले जमीन खरीदी थी।

>14

चिदंबरम के खिलाफ ऐक्शन लेगी पार्टी?

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेतृत्व 'ऑपरेशन ब्लूस्टार' के बारे में पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम द्वारा दिये गए बयान से बेहद नाराज है। पार्टी आलाकमान का मानना है कि वरिष्ठ नेताओं को पार्टी के लिए शर्मिंदगी पैदा कर सकने वाले सार्वजनिक बयान देने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। ऐसे में लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि क्या पार्टी अपने वरिष्ठ नेता के खिलाफ कोई ऐक्शन लेगी? चिदंबरम ने शनिवार को हिमाचल प्रदेश के कसौली में एक साहित्यिक कार्यक्रम में कहा कि ऑपरेशन ब्लूस्टार 'गलती' थी और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इस गलती की कीमत अपनी जान देकर चुकाई।

पार्टी सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि कांग्रेस से सब कुछ पाने वाले वरिष्ठ नेताओं को पार्टी के लिए शर्मिंदगी पैदा कर सकने वाले बयान देने में अधिक सावधानी बरतनी चाहिए। यह आदत नहीं बननी चाहिए। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेताओं को सार्वजनिक बयान देते समय सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि उनके बार-बार के बयान पार्टी के लिए समस्याएं पैदा करते हैं, जो सही नहीं है।

>14

बिहार में एनडीए का सीट शेयरिंग फाइनल

बीजेपी 101.. जदयू 101.. एलजेपी 29.. आरएलएम 6 और हम को 6

पटना , 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनावों को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में चल रहा सीटों के बंटवारे का सस्पेंस अब समाप्त हो गया है। एक लंबी चर्चा के बाद, गठबंधन के प्रमुख दलों ने अपने-अपने हिस्से की सीटों को अंतिम रूप दे दिया है। इस बंटवारे में सबसे बड़ी हिस्सेदारी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के पास गई है, जबकि छोटे सहयोगियों को भी सम्मानजनक सीटें मिली हैं। इस घोषणा के साथ ही, अब सभी दलों का ध्यान उम्मीदवारों के चयन और जमीनी स्तर पर प्रचार की रणनीति पर केंद्रित हो गया है।

एनडीए में सीटों के बंटवारे में बीजेपी और जेडीयू ने बराबर सीटों पर लड़ने का फैसला किया है। दोनों दल 101-101 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेंगे। ये फैसला गठबंधन में संतुलन बनाए रखने और आपसी सहमति को दिखाता है। पिछले चुनावों के प्रदर्शन और गठबंधन की मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह बंटवारा दोनों बड़ी पार्टियों के लिए अहम माना जा रहा है।

छोटे सहयोगी दलों को भी मिली हिस्सेदारी :

गठबंधन में चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 29 सीटें दी गई हैं, जो उनके बढ़ते राजनीतिक प्रभाव को दिखाता है। वहीं, उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा और जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा को 6-6 सीटों पर चुनाव लड़ने का मौका मिला है। इस तरह, एनडीए ने अपने सभी सहयोगियों को समायोजित करते हुए एक व्यापक चुनावी गठबंधन तैयार किया है।

सीट बंटवारे के फाइनल होते ही, एनडीए ने अपने चुनावी अभियान की रणनीति को भी अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अक्टूबर से बिहार में चुनाव प्रचार अभियान की शुरूआत करेंगे। पीएम मोदी की रैलियां एनडीए के अभियान को गति देंगी और गठबंधन के पक्ष में माहौल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

'सांसद पर हमला लोकतंत्र के खिलाफ सीधी कार्रवाई'

कांग्रेस नेता पर पुलिस एक्शन पर भड़के थरूर

तिरुवनंतपुरम, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने केरल के वडाकरा से कांग्रेस सांसद शफी परमबिल पर एक विरोध प्रदर्शन के दौरान हुए कथित हमले की कड़ी निंदा की है, उन्होंने कांग्रेस सांसद पर हमले को अस्वीकार्य बताया और कहा कि सांसद पर हमला लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला है। थरूर ने कहा कि लोकतंत्र में विपक्षी सांसदों को बिना किसी डर और बिना किसी कानूनी कार्यवाही की चिंता के विरोध प्रदर्शन करने की इजाजत होनी चाहिए।

सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में शशि थरूर ने लिखा कि, सांसद शफी परमबिल पर एक विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस का हमला पूरी तरह से अस्वीकार्य है। एक लोकतंत्र में सांसदों को खासकर जो विपक्ष में हैं, बिना किसी डर के विरोध प्रदर्शन करने की इजाजत होनी चाहिए। ऐसी कार्रवाई लोकतांत्रिक मूल्यों और कानूनी सुरक्षा का उल्लंघन करती हैं।

'आरएसएस को स्कूल-कॉलेज और पार्क में कार्यक्रम की न दी जाए अनुमति' : प्रियांक खड़गे का सरकार को पत्र

बेंगलूरू, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्हने आग्रह किया है कि सरकारी स्कूलों और कॉलेजों के मैदानों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यक्रम आयोजित की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने यह भी अपील की है कि सार्वजनिक पार्कों और मुजराई (धार्मिक ट्रस्ट द्वारा संचालित) मंदिरों में भी आरएसएस के कार्यक्रमों को अनुमति न दी जाए। चार अक्टूबर को लिखे इस पत्र में प्रियांक खड़गे ने आरोप लगाया कि आरएसएस सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के साथ-स्था सार्वजनिक पार्कों में अपनी शाखाएं चला रहा है, जहां नारे लगाए जाते हैं और बच्चों व युवाओं के मन में नकारात्मक विचार भरे जाते हैं।

नरम पड़े तेवर! अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मुत्ताकी की एक और प्रेस कॉन्फ्रेंस, महिला पत्रकारों को भी बुलाया

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की दिल्ली में शुक्रवार को हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों की एंट्री पर रोक लगाने पर भारी विवाद हो गया था। इसके बाद अब, तालिबानी मंत्री ने रविवार को एक और प्रेस मीट बुलाई है। इसमें इस बार महिला पत्रकारों को भी बुलाया गया है।

एक हफ्ते की भारत यात्रा पर पहुंचने के एक दिन बाद शुक्रवार शाम को मीडिया से बातचीत के दौरान तालिबानी नेता पर महिला पत्रकारों को इजाजत नहीं देने के लिए भेदभावपूर्ण व्यवहार करने का आरोप लगाया गया था। एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया और इंडियन वूमेन प्रेस कॉर्प्स ने वियना कन्वेंशन के तहत राजनयिक विशेषाधिकार का हवाला देते हुए इस कृत्य को भेदभावपूर्ण बताया। इसे सही नहीं ठहराया जा सकता।

गिल्ड ने एक बयान में कहा,

हालांकि राजनयिक परिसर वियना कन्वेंशन के तहत सुरक्षा का दावा कर सकते हैं, लेकिन इससे भारतीय धरती पर प्रेस की पहुंच में स्पष्ट लैंगिक भेदभाव को सही नहीं ठहराया जा सकता। भारत ने शनिवार को कहा कि मुत्ताकी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में उसकी कोई भूमिका नहीं थी। अधिकारियों ने शनिवार को कहा, विदेश मंत्रालय (एमईए) की कल दिल्ली में अफगानिस्तान के विदेश मंत्री द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में कोई भूमिका नहीं थी।

गिल्ड ने कहा, विदेश मंत्रालय ने इस कार्यक्रम का कोऑर्डिनेट किया हो या नहीं, यह बेहद परेशान करने वाली बात है कि इस तरह के भेदभावपूर्ण बहिष्कार को बिना किसी आपत्ति के जारी रहने दिया गया।

आईडब्ल्यूपीसी ने भारत सरकार से आग्रह किया कि वह इस मामले को अफगान दूतावास के सामने उठाए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भविष्य में मीडिया ब्रीफिंग में इस तरह की घटना ना घटे।

भगदड़ मामले पर सुप्रीम कोर्ट आज सुनाएगा फैसला

41 लोगों की हुई थी मौत

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट 13 अक्टूबर को करूर भगदड़ की घटना की स्वतंत्र जांच की मांग वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाएगा। इस घटना में 41 लोगों की जान चली गई थी। न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ इन याचिकाओं पर फैसला सुनाएगी। शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को आदेश सुरक्षित रखते हुए भगदड़ की जांच के लिए मद्रास हाई कोर्ट द्वारा एसआइटी गठित करने पर सवाल उठाया था और आश्चर्य जताया था कि उसने इस मामले में कैसे आगे कार्यवाही की।

हम यह समझ नहीं पा रहे हैं कि यह आदेश कैसे पारित किया गया। जब मदुरै की खंडपीठ इस मामले पर विचार कर रही थी, तो चेन्नई की एकल पीठ ने इस मामले को कैसे आगे बढ़ाया। तमिल अभिनेता विजय की राजनीतिक पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल सुब्रमण्यम ने दलील दी थी कि हाई कोर्ट में याचिका केवल राजनीतिक रैलियों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने के लिए दायर की गई थी। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट ने पहले ही दिन एसआइटी का गठन कर दिया था और न्यायालय ने उनका पक्ष सुने बिना ही पार्टी और विजय के खिलाफ प्रतिकूल टिप्पणी कर दी।

बंबीहा गैंग के दो गुर्गे गिरफ्तार
हथियारों की खेप बरामद

चडीगढ़, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस के हाथ बड़ी कामयाबी लगी है। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) और बरनाला पुलिस के ज्वाइंट ऑपरेशन के दौरान बंबीहा गैंग के दो गुर्गे गिरफ्तार किए गए हैं। इन बदमाशों से पुलिस को भारी मात्रा में हथियार भी मिले हैं। आरोपियों की पहचान संदीप सिंह और शेखर के तौर पर हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 6 पिस्तौलें (एक पीएक्स5, चार .32 बोर और एक .30 बोर पिस्तौल) और 19 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस की शुरुआती जांच में खुलासा हुआ है कि दोनों बदमाश विदेशी हैंडलर्स के इशारे पर बंबीहा गैंग के फुट सोल्जर्स को ये हथियार सप्लाई करने की योजना बना रहे थे, ताकि प्रदेश में सनसनीखेज वारदातों को अंजाम दिया जा सके।

पुलिस ने आईपीएस पूरन कुमार मामले में परिवार की मानी मांग

अब आजीवन जेल में सड़ेगा दोषी व्यक्ति

चंडीगढ़ हरियाणा के सीनियर आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की गोली मारकर आत्महत्या मामले में पीड़ित परिजनों की एक मांग को मान लिया गया है। चंडीगढ़ पुलिस ने देर रात आईपीएस वाई पूरन कुमार के परिवार की एक मांग को मानते हुए एफआईआर में लगाए गए एससी/एसटी एक्ट में धारा 3(2)(वी) को जोड़ दिया है। परिवार लगातार ये धारा जोड़ने की मांग कर रहा था। परिवार का कहना था कि एफआईआर में एससी/एसटी एक्ट तो लगाया गया है लेकिन उसके सख्त सेक्शन नहीं लगाए गए हैं।

एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(2)(वी) के प्रावधान को तब लागू किया जाता है, जब किसी अनुसूचित जाति या जनजाति के व्यक्ति को उसकी जाति के आधार पर गंभीर चोट या मृत्यु का सामना करना पड़ता है। एफआईआर में जोड़ी गई इस नई धारा में प्रावधान ये है कि अगर किसी अनुसूचित जाति या जनजाति के व्यक्ति के साथ उसकी जाति के कारण ऐसा अपराध किया जाए, जिससे उसकी गंभीर चोट या मृत्यु हो जाए तो दोषी को आजीवन कारावास और जुर्माने की सजा हो सकती है। पहले दर्ज की गई धाराओं में अधिकतम सजा 5 साल तक थी, जबकि इस नई धारा में आजीवन कारावास का प्रावधान है।

गोली मारकर की आत्महत्या

बता दें कि हरियाणा कैडर के 2001 बैच के आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार (52) ने 7 अक्टूबर को चंडीगढ़ के सेक्टर-11 स्थित अपने आवास के बेसमेंट में अपनी सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली थी। घटना के बाद पुलिस ने उनके पास से 9 पेज का सुसाइड नोट बरामद किया था, इसमें उन्होंने 12 सीनियर आईएएस व आईपीएस अधिकारियों पर जातिगत भेदभाव, मानसिक उत्पीड़न, सार्वजनिक अपमान और प्रशासनिक उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगाया था।

एसआईटी कर रही इस मामले की जांच

पूरन कुमार की पत्नी, आईएएस अधिकारी अमनीत पी. कुमार ने पोस्टमॉर्टम से इनकार करते हुए न्याय की मांग की थी। चंडीगढ़ पुलिस ने एससी/एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की है। मामला संवेदनशील होने के कारण एसआईटी का गठन कर दिया गया है।

सपा नेता आजम खान को वापस मिली वाई श्रेणी की सुरक्षा

पूर्व मंत्री के लिए भेजे गए गार्ड और गनर

रामपुर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) नेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान की सुरक्षा को फिर से बहाल कर दिया गया है। उन्हें वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। 23 महीने जेल में बिताने के बाद, आजम खान जमानत पर बाहर आए हैं।

अब उन्हें एक बार फिर वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की जा रही है। उनकी सुरक्षा में तैनात गार्ड और गनर उनके पास भेज दिए गए हैं। सपा नेता आजम खान को वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई थी लेकिन, कोर्ट में दोषी पाए जाने के बाद उनकी विधानसभा की सदस्यता भी खत्म हो गई थी। इसके चलते उनकी सुरक्षा को वापस ले लिया गया था। मगर, बाद में उनकी सुरक्षा को बहाल कर दिया था। इस बीच वह सीतापुर जेल गए। उनके जेल जाने के बाद सुरक्षा को वापस बुलाया गया था। अब पुनः उन्हें वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान कर दी गयी है।

'डीजीपी की गिरफ्तारी से पहले'

पंजाब के राज्यपाल कटारिया बोले यह गंभीर मामला

चडीगढ़, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के आईपीएस वाई पूरण कुमार आत्महत्या मामले में पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए इस घटना को गंभीर मामला बताया है। राज्यपाल कटारिया ने कहा कि मामले में चंडीगढ़ पुलिस ने गंभीरता को देखते हुए आरोपी अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। राज्यपाल ने बताया कि पुलिस प्रशासन ने घटना के बाद जन आक्रोश को शांत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। निश्चित रूप से एक आईपीएस अधिकारी का आत्महत्या करना बहुत गंभीर मामला है।

इसकी गंभीरता को देखते हुए एफआईआर दर्ज की गई है। इस मामले में 14-15 अधिकारियों के खिलाफ आरोप लगे हैं। हरियाणा सरकार ने एसपी का तबादला कर दिया है और

डीजीपी की गिरफ्तारी की मांग की जा रही है। लेकिन डीजीपी स्तर के अधिकारी को गिरफ्तार करने से पहले सभी तथ्यों की जांच जरूरी है। कटारिया ने कहा कि आईपीएस अधिकारी की आत्महत्या मामले की जांच के लिए चंडीगढ़ पुलिस ने 6 सदस्यीय स्पेशल इनवेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाई गई है, जो इस मामले की निष्पक्ष और विस्तृत जांच करेगी। बता दें कि हरियाणा पुलिस के आईपीएस अधिकारी एडीजीपी वाई पूरण कुमार ने 7 अक्तूबर को चंडीगढ़ स्थित अपने आवास पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। उन्होंने अपने सुसाइड नोट में 8 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, जिनमें हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर और रोहतक एसपी नरेंद्र बिजारणिया का नाम भी शामिल हैं, पर जातिगत भेदभाव, मानसिक उत्पीड़न, सार्वजनिक अपमान और अत्याचार जैसे कई गंभीर आरोप लगाए हैं। मृतक एडीजीपी वाई पूरण कुमार की आईएएस पत्नी अमनीत पी। कुमार ने भी डीजीपी और एसपी के खिलाफ उत्पीड़न और भेदभाव के आरोपों के आधार पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। इस घटना के बाद दबाव में आकर हरियाणा सरकार ने एसपी नरेंद्र बिजारनिया का तबादला कर दिया है।

कमलनाथ ने 'कोल्ड्रिफ' कांड के लिए सरकार को ठहराया जिम्मेदार

छिंदवाड़ा, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। छिंदवाड़ा में कोल्ड्रिफ कफ सिरप से मासूम बच्चों की मौत पर बोलते हुए पूर्व सीएम और वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने दवा की गड़बड़ी का ठीकरा सरकार पर फोड़ते हुए कहा कि सरकार ने दवाओं की ठीक से जांच नहीं की। वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ ने कहा, यह बहुत दुखद है।

मैं इसके लिए राज्य सरकार जिम्मेदार मानता हूं, क्योंकि इन दवाओं की जो जांच होती है वो कभी की ही नहीं गई। अभी भी पता नहीं कितनी दवाएं हैं जिनकी जांच नहीं हो रही है। मैंने मुख्यमंत्री से बात की है। मुख्यमंत्री और सरकार को मिलकर कुछ करना चाहिए, और मुझे जो भी करना होगा, मैं करूंगा। बता दें कोल्ड्रिफ कफ सिरप से बच्चों की मौत के मामले में डॉक्टर की गिरफ्तारी का विरोध चल रहा है। मामले में अब तक कई लोगों पर कार्रवाई की गई है। दवा निर्माता कंपनी श्रीसन फार्मा के मालिक एस रंगनाथन को गिरफ्तार किया गया है।

'तालिबान की मानसिकता किस तरह की है'

मुत्ताकी की प्रेस कॉन्फ्रेंस विवाद पर बोलीं प्रियंका चतुर्वेदी

मुंबई, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों को शामिल नहीं करने का बवाल बढ़ता जा रहा है। बता दें कि प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान करीब 16 पुरुष पत्रकारों को ही अफगान एम्बेसी में होने वाले फोरम में शामिल होने की अनुमति दी गई। महिला और विदेशी पत्रकारों को प्रवेश से वंचित करना भारतीय पत्रकारों और राजनेताओं के लिए चिंता का विषय बन गया है। इस मामले में सरकार की चुप्पी की भी आलोचना हो रही है।

सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा, सब जानते हैं कि तालिबान की मानसिकता किस तरह की है। अफगानिस्तान में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार हो रहे हैं। 11 अक्टूबर को जो भी अफगान एम्बेसी

में हुआ और यह हमारे विदेश मंत्रालय के नियंत्रण में नहीं हो सकता, लेकिन उम्मीद है कि एमईए इसे नोटिस में ले और तालिबान को पत्र लिखे। हमारे देश में प्रेस की स्वतंत्रता और समानता है। महिलाओं को बराबरी का दर्जा दिया गया है। उन्हें इस तरह बाहर रखना शर्मनाक है।

अफगान अधिकारियों और एमईए की भूमिका पर सवाल

प्रियंका चतुर्वेदी ने एएनआई को दिए बयान में आगे कहा कि एक समाचार पत्र में यह भी आया कि वहां के अफगान अधिकारी आपत्ति जता रहे थे, लेकिन हमारे विदेश मंत्रालय की ओर से दबाव डाला गया कि प्रेस कॉन्फ्रेंस वहीं होगी। उन्होंने कहा, अगर पाबंदियां थी, तो इसे किसी होटल में क्यों नहीं रखा गया। उन्हें हमारे देश के नियमों के अनुसार काम करना चाहिए, न कि उनकी महिला विरोधी सोच के आधार पर। इस घटना ने महिला पत्रकारों के लिए समान अवसरों और प्रेस स्वतंत्रता की रक्षा को लेकर बहस को और तेज कर दिया है। भारतीय पत्रकारों ने इस मामले में स्पष्ट रूप से कहा है कि विदेशी आदर्शों के नाम पर हमारे संविधान और स्वतंत्र प्रेस के सिद्धांतों का उल्लंघन स्वीकार्य नहीं है।

जम्मू-कटरा एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा, कांग्रेस नेता के बेटे समेत चार की मौत

सोनीपत, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। गोहाना में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। जहां एक कार में चार युवकों की मौत हो गई है। देर रात रोहतक जिले रहने वाले चार युवक किया गाड़ी में सवार होकर जम्मू-कटरा एक्सप्रेस पर से रोहतक अपने गांव आ रहे थे। गांव रूखी के पास बने एक्सप्रेस पर टोल के नजदीक वहां रोड बना रहे एक रोड रोलर से जबरदस्त टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त हुई कि एक युवक की मौके मौत हो गई और तीन की इलाज के दौरान हॉस्पिटल में मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार अंकित, लोकेश, दीपाकर, सोमबीर रोहतक जिले गांव घिलोड़ के रहने वाले है और सभी किसी काम से जींद से वापिस आ रहे थे। उसी दौरान जम्मू कटरा एक्सप्रेस पर गांव रूखी के पास बने एक्सप्रेस पर टोल के नजदीक वहां रोड बना रहे एक रोड रोलर से जबरदस्त टक्कर हो गई। जिसके बाद एक युवक की मौके पर मौत हो गई और अन्य तीन युवकों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां पर उन्हें मृत घोषित कर दिया।

अगले पांच दिनों तक देश के कई हिस्से में होगी मूसलाधार बारिश

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। मौसम विभाग के अनुमानों के मुताबिक देश भर में जहां 15 अक्टूबर से तापमान में गिरावट आने की संभावना है वहीं अगले अगले पांच दिनों तक दक्षिण भारत के हिस्सों में ऐसे में यहां रहने वाले लोगों को अलर्ट रहने की जरूरत है। मौसम विभाग के अनुमानों के मुताबिक अगले दो से तीन दिनों के दौरान मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार के बचे हुए भागों, झारखंड, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल, सिक्किम, ओडिशा और तेलंगाना के कुछ हिस्सों से दक्षिण पश्चिम मॉनसून के वापस लौटने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। वहीं, अगले पांच दिनों तक दक्षिण भारत के हिस्सों में मूसलाधार भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। ऐसे में इन इलाकों में वाले लोगों को सावधान रहने की जरूरत है। मौसम विभाग के अनुमानों के मुताबिक 17 अक्टूबर के दौरान तमिलनाडु, केरल, 15 के दौरान दक्षिण आंतरिक कर्नाटक,14 अक्टूबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम व रायलसीमा में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ जगहों पर भारी बारिश होने के आसार हैं।

इसके अलावा तटीय आंध्र प्रदेश और यनम व रायलसीमा में तेज सतही हवाएं चलेंगी। 13 अक्टूबर को ओडिशा में बिजली व तेज हवा के साथ गरज के साथ छींटे पड़ने का अलर्ट जारी किया गया।

वहीं राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों समेत देश भर में तापमान गिरने लगा है। सुबह और शाम को ठंडी हवाएं चल रही हैं, मौसम में ठंडक बढ़ गई है। बीते दो दिनों से दिन में भी तापमान में कमी आ रही है। मौसम विभाग के अनुसार, 17 अक्टूबर तक दिल्ली एनसीआर में अधिकतम तापमान 30 से 31 डिग्री सेल्सियस ही रहेगा।

दिल्ली एनसीआर में 12 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। नोएडा, गाजियाबाद, गुड़गांव, फरीदाबाद में रात का तापमान 18 से 19 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली एनसीआर में दीपावली तक फिलहाल बारिश के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। मौसम साफ रहेगा और हवाएं चलती रहेंगी। वहीं इन इलाकों में हल्की धूप के साथ तापमान गिरने का सिलसिला जारी रहेगा। वहीं अनुमानों के मुताबिक दीपावली के बाद सर्दी तेजी से बढ़ने लगेगी।

दिल्ली के जैन मंदिर में चोरी

शिखर पर जड़ा 30 किलो का कलश रातोंरात गायब

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के ज्योति नगर में जैन मंदिर से चोरी की वारदात सामने आई है। जहां करीब 40 लाख रुपये कीमत का सोने मढ़ा कलश चोरी हो गया है। जब लोग करवा चौथ का त्यौहार बना रहे थे। मंदिर से कलश चोरी की घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के ज्योति नगर स्थित जिस जैन मंदिर से कलश चोरी हुई। उस कलश का वजन लगभग 25 से 30 किलोग्राम था। पुलिस ने बताया कि जैन मंदिर के शिखर से करीब 40 लाख रुपये मूल्य का सोने का कलश कथित तौर पर चोरी हो गया। पुलिस के अनुसार, यह घटना लाल किले के निकट एक जैन धार्मिक आयोजन से लगभग एक करोड़ रुपये मूल्य की चोरी की घटना के कुछ दिन बाद हुई है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, जैन मंदिर से चोरी हुए कलश का वजन लगभग 25 से 30 किलोग्राम है और यह तांबे और सोने से बना है। चोरी की यह पूरी घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। चोरी की यह घटना देर रात को हुई, जब इलाके के अधिकांश लोग करवा चौथ के त्यौहार में व्यस्त थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी बिजली के तारों का उपयोग करके मंदिर की छत पर चढ़े, शिखर तक पहुंचे और सोने की परत चढ़े 'कलश' को हटाकर भाग गए। सुबह जब स्थानीय लोगों ने मंदिर के ऊपर से कलश गायब देखा तो इसकी सूचना मंदिर प्रबंधन को दी।

पुलिस के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज में एक युवक रात करीब 11.45 बजे बाहर घूमता हुआ दिखाई दे रहा है, फिर वह ऊपर चढ़कर कथित तौर पर कलश ले गया। फिलहाल मामला दर्ज कर लिया गया है और और आस-पास के इलाकों से सीसीटीवी फुटेज का उपयोग करके संदिग्ध की पहचान करने और उसका पता लगाने की कोशिश जारी है।

पटना, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के लिए कल, यानी सोमवार 13 अक्टूबर एक बेहद महत्वपूर्ण दिन होने जा रहा है, क्योंकि 'जमीन के बदले नौकरी' (लैंड फॉर जॉब) घोटाले से जुड़े एक मामले में सीबीआई की विशेष अदालत फैसला सुना सकती है। नई दिल्ली स्थित राउज एवेन्यू स्थित सीबीआई की विशेष अदालत में जमीन के बदले नौकरी मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद 25 अगस्त को जज विशाल गोगने की अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। यह मामला रेलवे में नौकरी देने के बदले जमीन लेने से संबंधित है, और इसमें लालू प्रसाद यादव के साथ उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बेटे तेजस्वी यादव सहित कई अन्य आरोपी शामिल हैं। यह मामला लालू परिवार की राजनीतिक और कानूनी स्थिति के लिए अत्यधिक संवेदनशील माना जाता है। फैसला सुनाने के लिए सीबीआई की विशेष अदालत ने सभी संबंधित आरोपियों को कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहने का सख्त आदेश दिया है। इस आदेश के कारण लालू परिवार और उनके समर्थकों में तनाव बढ़ गया है। कोर्ट में सभी आरोपियों की उपस्थिति अनिवार्य होने से यह संकेत मिलता है कि अदालत इस मामले को कितनी गंभीरता से ले रही है। लालू प्रसाद यादव पहले से ही चारा घोटाला के कई मामलों में सजा काट चुके हैं। ऐसे में इस नए मामले में आने वाला फैसला लालू परिवार के राजनीतिक भविष्य को काफी हद तक प्रभावित कर सकता है, खासकर बिहार विधानसभा चुनाव के माहौल के बीच। खास ऑफर्स यदि फैसला परिवार के खिलाफ जाता है, तो इससे न केवल लालू परिवार की कानूनी मुश्किलें बढ़ेंगी, बल्कि यह विपक्षी महागठबंधन की चुनावी संभावनाओं को भी झटका दे सकता है। इसलिए, सबकी निगाहें कल सीबीआई कोर्ट के निर्णय पर टिकी होंगी। इस हाई-प्रोफाइल मामले में अदालत का रुख क्या होगा, यह जानने के लिए राजनीतिक गलियारों में उत्सुकता बनी हुई है। तेजस्वी यादव के लिए यह मामला एक राजनीतिक परीक्षा जैसा है। अगर अदालत का फैसला लालू परिवार के पक्ष में आता है, तो यह आरजेडी और महागठबंधन के लिए बड़ी राहत होगी। खासकर ऐसे वक्त में जब बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। वहीं, अगर फैसला प्रतिकूल रहा, तो विपक्ष खासकर बीजेपी इसे चुनावी मुद्दा बनाने में देर नहीं लगाएगा।

बिहार चुनाव के पहले लालू-राबड़ी और तेजस्वी यादव की बढ़ेगी मुश्किल या मिलेगी राहत? लैंड फॉर जॉब केस में फैसला आज संभव

साइबर पुलिस की बड़ी सफलता, 25 लाख की ठगी में 19 लाख दिलाए वापस

जम्मू, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। साइबर पुलिस जम्मू ने 25.82 लाख रुपये की साइबर धोखाधड़ी मामले में पीड़ित को 19.18 लाख रुपये वापस दिलाए हैं। पुलिस ने अदालत के आदेश पर यह कार्रवाई की है। शिकायतकर्ता ने एनसीआरपी पोर्टल पर दो अलग-अलग शिकायतें साइबर पुलिस स्टेशन जम्मू में दर्ज करवाईं। इनमें कुल 25.82 लाख रुपये की साइबर ठगी का आरोप लगाया गया था। साइबर पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू की।

हर मामले में गहनता से जांच की। किस बैंक खाते से पैसा कहां गया इस नेटवर्क का पता लगाया। पीएसआई मोहम्मद शब्बीर ने इस मामले में जांच की। वित्तीय संस्थानों के साथ संचार और व्यवस्थित सत्यापन किया। जांच के बाद ही पुलिस पीड़ित के पैसा का एक बड़ा हिस्सा उसे सफलतापूर्वक वापस दिलाना सुनिश्चित किया। अक्तूबर को साइबर जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। इस दौरान साइबर पुलिस स्कूल व कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर रहे है। लोगों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक कर रही है।

'दिवाली पर हिंदू के दुकान से खरीदें सामान'

एनसीपी विधायक की खास अपील से नाराज हुए अजित पवार, मांगी सफाई

सोलापुर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में हिंदू आक्रोश मोर्चा का आयोजन किया गया। इस सभा में भाषण देते वक्त राष्ट्रवादी कांग्रेस अजीत पवार गुट के विधायक संग्राम जगताप ने सभा को संबोधित करते हुए हिंदुओं से खास अपील की है। उन्होंने कहा, 'मैं आप सभी से विनती करता हूं कि आप सिर्फ दिवाली के वक्त हिंदू व्यक्ति की दुकान से ही वस्तु खरीदें ताकि सारा नफा सिर्फ हिंदू व्यक्ति को ही हो।'

संग्राम जगताप के इस बयान पर राष्ट्रवादी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजित पवार ने नाराजगी जाहिर की है। संग्राम जगताप से उनके इस बयान पर अजित पवार ने सफाई मांगी है। संग्राम जगताप एनसीपी से तीन टर्म के विधायक हैं। अहिल्यानगर शहर चुनाव क्षेत्र से वे लगातार चुनाव जीतते आ रहे हैं। मगर हाल के दिनों में पार्टी की सेक्युलर छवि और फुले, शाहु, आंबेडकर की विचारधारा से हटकर संग्राम जगताप बयान दे रहे हैं। इसके चलते पार्टी के प्रमुख अजित पवार ने नाराजगी व्यक्त की है। संग्राम जगताप को शो कॉज नोटिस भेजा है। अजित पवार ने एनडीए गठबंधन में शामिल होते वक्क्त स्पष्ट किया था कि यह राजनतिक गठबंधन है वैचारिक गठबंधन नही है। महायुति सरकार में बतौर उप मुख्यमंत्री पद पर काम करते हुए भी अजित पवार ने पार्टि की सेक्युलर विचारधारा को रेखांकित किया है। संग्राम जगताप द्वारा पार्टी विचार धारा से हटकर बयान देना पार्टी के वोट बैंक को प्रभावित करता है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

प्रेम तो प्रकृति है, ये कोई व्यवार थोड़ी है कि तुम करो तो ही मैं करूं।

तेलंगाना में निर्माण क्षेत्र में 11.97 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई : श्रीधर बाबू

मंत्री ने एनएआरईडीसीओ तेलंगाना प्रॉपर्टी में भाग लिया

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी एवं उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू के अनुसार, तेलंगाना के निर्माण क्षेत्र ने 11.97 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की है, जो वित्त वर्ष 2024-25 में राज्य की अर्थव्यवस्था में 80,000 करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देगा। रविवार को हाईटेक्स में राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद (एनएआरईडीसीओ) द्वारा आयोजित 15वें एनएआरईडीसीओ तेलंगाना प्रॉपर्टी शो में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि रियल एस्टेट और पेशेवर सेवा क्षेत्र ने 15.4 प्रतिशत की संयुक्त वृद्धि दर दर्ज की है, जो इस क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन और तेलंगाना के सेवा सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में इसके योगदान को दर्शाता है।

श्रीधर बाबू ने कहा, रियल एस्टेट और निर्माण क्षेत्र मिलकर राज्य के सेवा सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में 24.9 प्रतिशत का योगदान देते हैं। अकेले निर्माण उद्योग ने राज्य की अर्थव्यवस्था में 80,000 करोड़ रुपये से अधिक का योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि हैदराबाद, रंगारेड्डी और मेडचल-मलकाजगिरी जिलों में सितंबर 2024 में आवास पंजीकरण में तीव्र वृद्धि देखी गई। इस महीने के दौरान 4,804 करोड़ मूल्य की कुल 6,612 आवास इकाइयां पंजीकृत की गईं, जबकि सितंबर 2023 में 2,820 करोड़ मूल्य की 4,903 इकाइयां पंजीकृत की गईं, जिससे संख्या में 35 प्रतिशत और लेनदेन मूल्य में 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मंत्री ने कहा, ये आंकड़े केवल संख्याएं नहीं हैं- ये इस गलत सूचना के स्पष्ट प्रमाण हैं कि तेलंगाना का रियल एस्टेट क्षेत्र धीमा पड़ रहा है। नउन्होंने बताया कि 1 करोड़ से अधिक मूल्य की संपत्तियों के पंजीकरण में 151 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो सितंबर में कुल लेनदेन मूल्य का 53 प्रतिशत है।

उन्होंने कहा, कृषि के बाद, रियल एस्टेट भारत का दूसरा सबसे बड़ा रोज़गार सृजन क्षेत्र बना हुआ है। विकसित देशों में इस क्षेत्र की जीडीपी में हिस्सेदारी लगभग 10-15 प्रतिशत और चीन में 23-25 प्रतिशत है, जबकि भारत में यह वर्तमान में 6-8 प्रतिशत है, जिसे और बढ़ाना होगा। राज्य की आगामी बुनियादी ढांचा पहलों का उल्लेख करते हुए, श्रीधर बाबू ने कहा कि एलिवेटेड कॉरिडोर, मेट्रो रेल चरण-II, भारत फ्यूचर सिटी, मूसी रिवरफ्रंट सौंदर्यीकरण और क्षेत्रीय रिंग रोड जैसी परियोजनाएं तेलंगाना के आर्थिक और शहरी परिदृश्य को नया रूप देंगी। उन्होंने आगे कहा कि दिसंबर तक, सरकार का लक्ष्य भारत फ्यूचर सिटी की क्षेत्रीय योजना पूरी करना है और दो से तीन महीनों के भीतर, 200 एकड़ में फैले एआई सिटी का भूमिपूजन समारोह आयोजित करना है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार विकसित किया जाएगा। मंत्री ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार रियल एस्टेट और निर्माण क्षेत्रों को हर संभव सहायता प्रदान करती रहेगी, जो तेलंगाना के आर्थिक विकास के महत्वपूर्ण स्तंभ बने हुए हैं। इस कार्यक्रम में नारेडको तेलंगाना के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें विजयसाई मेक, काली प्रसाद दामेरला, डॉ. लायन किरण, के. श्रीधर रेड्डी और आर. वेंकटेश्वर राव आदि शामिल थे।

राज्य मंत्रिमंडल की बैठक 16 अक्टूबर को, मुख्यमंत्री करेंगे अध्यक्षता

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य मंत्रिमंडल की अगली बैठक 16 अक्टूबर को होने वाली है, जिसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी करेंगे। इस सत्र में चल रही सिंचाई परियोजनाओं और पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए आरक्षण सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। सूत्रों के अनुसार, कैबिनेट राज्य में प्रमुख सिंचाई पहलों के साथ-साथ बीसी आरक्षण नीतियों पर भी व्यापक विचार-विमर्श करेगी। इसके अलावा, मतदाता सूचियों के संशोधन और आगामी चुनाव कराने के लिए प्रशासनिक तैयारियों से जुड़े मामलों पर भी मंत्रिमंडल चर्चा करेगा। 2023 के अंत में सत्ता संभालने के बाद से ये विषय कांग्रेस सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल रहे हैं।

प्रधानमंत्री के श्रीशैलम दौरे के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

श्रीशैलम, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 अक्टूबर को प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंगों में से एक श्रीशैलम जागे और श्री भ्रामराम्बा मल्लिकार्जुन स्वामी के दर्शन करेंगे। नंद्याल जिले के पुलिस अधीक्षक सुनील शेरन ने कहा कि प्रधानमंत्री के दौरे के लिए व्यापक व्यवस्था की गई है। प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए ग्रेहाउंड से लैस सुरक्षा बल श्रीशैलम और नल्लमला वन क्षेत्रों के आसपास के इलाकों में व्यापक जांच कर रहे हैं। पुलिस अधीक्षक ने हेलीपैड क्षेत्र, सड़क मार्ग, भ्रामराम्बा गेस्ट हाउस, मंदिर परिसर और सुरक्षित स्थान का निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा की और अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए।

कांग्रेस नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग

आईबी चौक पर धरना और राज्य सरकार का पुतला फूंककर जताया विरोध

मंचेरियल, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वेमनपल्ली भाजपा मंडल अध्यक्ष एटा मधुकर की आत्महत्या को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने शनिवार को मंचेरियल में धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने कस्बे के आईबी चौक पर राज्य सरकार का पुतला फूंककर अपना विरोध जताया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि मधुकर के खिलाफ कांग्रेस नेताओं के इशारे पर झूठे मामले दर्ज किए गए, जिससे उन्हें आत्महत्या करने के लिए मजबूर होना पड़ा। 45 वर्षीय मधुकर ने शुक्रवार को वेमनपल्ली मंडल के नीलवई ग्राम पंचायत के कोत्तागुडेम बस्ती के बाहरी इलाके में फांसी लगाकर जान दे दी।

भाजपा नेता मुकेश गौड़ ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेने और मधुकर के परिवार को न्याय दिलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। भाजपा जिला अध्यक्ष वेंकटेश्वर गौड़ ने इस मामले को राज्य के पुलिस महानिदेशक के संज्ञान में भी लाया है।

बुलडोजर या कार? जुबली हिल्स कांग्रेस का भाग्य तय करेगा : केटीआर

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री के.टी. रामाराव (केटीआर) ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आगामी जुबली हिल्स उपचुनाव कांग्रेस के अहंकार, भ्रष्टाचार और छल-कपट का निर्णायक फैसला होगा। रविवार को तेलंगाना भवन में सभा को संबोधित करते हुए, जहां शेखपेट संभाग के वरिष्ठ भाजपा नेता चेरका महेश बीआरएस में शामिल हुए, केटीआर ने कहा कि जुबली हिल्स के लोगों के सामने अब एक ऐतिहासिक चुनाव है- निर्माण करने वाली कार और विध्वंस करने वाले बुलडोजर के बीच। केटीआर ने कहा, जुबली हिल्स के मतदाताओं को फैसला करना होगा- क्या उन्हें विकास की प्रतीक कार चाहिए, या गरीबों के घरों को ध्वस्त करने वाला बुलडोजर? उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर सरकार को लालच और विनाश का प्रतीक बनाने का आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस चुनावों के दौरान की गई एक भी गारंटी पूरी करने में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया, दो साल से कांग्रेस सरकार ने न तो एक भी घर बनाया है और न ही एक भी ईंट रखी है। फिर भी, उसने 2.3 लाख करोड़ रुपये उधार लिए हैं और जुबली हिल्स में वोट खरीदने के लिए लूटे गए पैसे खर्च कर रही है। केटीआर ने कहा कि लोग पेंशन, आवास और शुल्क प्रतिपूर्ति जैसे वादों के साथ विश्वासघात से नाराज हैं। केटीआर ने कहा, अगर कांग्रेस जुबली हिल्स हार जाती है, तो उसे आखिरकार सबक मिलेगा। तभी 4,000 रुपये की पेंशन और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का वादा लोगों तक पहुंच पाएगा। उन्होंने भाजपा पर भी हमला बोला और उसे "तेलंगाना में अप्रासंगिक पार्टी" कहा और मतदाताओं को चेतावनी दी कि कांग्रेस या भाजपा को वोट देना अपने वोट को नाले में फेंकने जैसा है। पिछड़ी जातियों के आरक्षण के मुद्दे पर, केटीआर ने रेवंत रेड्डी पर जानबूझकर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, उन्हें पता था कि आरक्षण कानून विधानसभा में नहीं, संसद में पारित होना चाहिए। फिर भी, उन्होंने लोगों को बेवकूफ बनाने के लिए यह नाटक किया। केटीआर ने आगे आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन को एमएलसी के वादे पर धोखा दिया और कब्रिस्तान के मुद्दे पर भी मुसलमानों को धोखा दिया। केटीआर ने कहा, धोखा देना रेवंत रेड्डी का स्वभाव बन गया है। उन्होंने खुद एक बार कहा था कि लोग उन लोगों पर विश्वास करते हैं जो उन्हें धोखा देते हैं। यही उनकी राजनीति की नींव है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने लोगों से जुबली हिल्स को हैदराबाद के पुनरुद्धार का प्रारंभिक बिंदु बनाने का आग्रह किया। उन्होंने अपील की, यह उपचुनाव केवल एक सीट के बारे में नहीं है- यह तेलंगाना की दिशा के बारे में है।

बुद्धिमानी से चुनें- वह कार जो निर्माण करती है या वह बुलडोजर जो विनाश करता है।

विवादित समारोह हॉल, विधायक के समर्थन से उद्घाटन की तैयारी

नगर निगम और स्थानीय लोग हॉल के व्यावसायिक उपयोग और नियम उल्लंघन को लेकर असंतुष्ट

मंचेरियल, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल के ग्रीन सिटी कॉलोनी में रल्लावागु नदी के किनारे स्थित एक बहुमंजिला समारोह हॉल, जिसे पहले भवन मानदंडों का उल्लंघन करने के कारण नगर निगम ने सील कर दिया था, अब कथित तौर पर स्थानीय विधायक प्रेमसागर राव के समर्थन से उद्घाटन के लिए तैयार है। नगर निगम ने यह हॉल आवासीय भवन के लिए दी गई अनुमति के तहत निर्माण के कारण सील किया था और तेलंगाना नगरपालिका अधिनियम, 2019 की धारा 181 के तहत नोटिस चिपकाया था। इसके बाद मालिकों ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और अदालत ने सील हटाने का आदेश दिया, साथ ही व्यावसायिक संरचना के लिए नई मंजूरी लेने का निर्देश दिया। मालिकों ने छह महीने का संपत्ति कर चुकाया और हॉल को पट्टे पर दे दिया।

हालांकि, नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि हॉल अभी भी व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल हो रहा है और वे सबूतों के साथ उच्च न्यायालय जाने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने उद्घाटन रोकने में कथित रूप से विधायक के प्रभाव का हवाला दिया। इस बीच, किरायेदारों ने 12 अक्टूबर को हॉल का उद्घाटन करने की तैयारी कर ली है। प्रवेश द्वार पर विधायक प्रेमसागर राव और उनकी पत्नी सुरेखा की तस्वीरों वाला फ्लेक्स बैनर लगाया गया, जिसे लेकर सार्वजनिक आलोचना भी हुई। स्थानीय लोग हॉल के रल्लावागु बफर जोन में होने और नियम उल्लंघन के बावजूद उद्घाटन की तैयारी पर नाराज हैं। उनका कहना है कि कानून प्रभावशाली लोगों पर लागू नहीं होता, केवल गरीबों पर लागू होता है। अभी यह देखना बाकी है कि उद्घाटन समारोह में विधायक और उनकी पत्नी शामिल होंगे या नहीं।

पल्स पोलियो कार्यक्रम का शुभारंभ

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पल्स पोलियो कार्यक्रम का शुभारंभ आयुक्त, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, तेलंगाना, हैदराबाद डॉ. संगीता सत्यनारायण द्वारा राजकीय बालिका उच्च विद्यालय, पश्चिम मारेडपल्ली में किया गया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि पल्स पोलियो कार्यक्रम राज्य के छह जिलों में चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में 0-5 वर्ष की आयु के 17,32,171 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जा रही है और 6897 बूथ बनाए गए हैं। इस मौके पर डॉ. संगीता सत्यनारायण ने कहा कि रविवार को, पोलियो बूथों पर 0-5 वर्ष की आयु के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि 13 और 14 अक्टूबर को, हमारे स्वास्थ्य कर्मचारी घर-घर जाकर उन सभी बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगे जो उन्हें पोलियो बूथ पर ले जाएंगे। उन्होंने बताया कि 15 तारीख को हैदराबाद जिले में घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। छह जिलों में 259 मोबाइल टीमें, 138 ट्रांजिट प्वाइंट और 576 रूट सुपरवाइजर पर्यवेक्षण के लिए लगाए गए हैं। इस कार्यक्रम में 9110 महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता (एमपीएचए (एफ)), 6705 आशा कार्यकर्ता और 6574 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता भाग ले रही हैं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में जिलों को पोलियो वैक्सीन की 19,10,400 खुराकें वितरित की गई हैं। पल्स पोलियो कार्यक्रम के लिए लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए छह जिलों में बैनर, ऑडियो और वीडियो क्लिप भेजे गए हैं। कार्यक्रम में हैदराबाद के डीएम और एचओ डॉ. वेंकट, सीएचआई कार्यक्रम की संयुक्त निदेशक डॉ. सुधीरा, वरिष्ठ जन स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. साईं बाबा, डॉ. श्रीकांत, डॉ. जयश्री, प्रभारी डीआईओ डॉ. श्रीकला, एनसीडी पीओ डॉ. आश्रिता रेड्डी, जिला मीडिया अधिकारी जक्कुला रामुलु, डॉ. विशाल, सांख्यिकी अधिकारी पीटरसन, अन्य कार्यक्रम अधिकारी, स्वास्थ्य कर्मचारी, आशा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

करीमनगर में मोटरसाइकिल पर 79,845 रुपये के 277 चालान लंबित

करीमनगर, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर में एक मोटरसाइकिल (होंडा यूनिकॉर्न, पंजीकरण टीएस 02 ईएक्स 1395) पर 8 जून 2019 से 25 दिसंबर 2024 तक यातायात उल्लंघन के 277 चालान लंबित पाए गए, जिनकी कुल राशि 79,845 रुपये है। इनमें से 264 चालान करीमनगर ट्रैफिक पुलिस स्टेशन की सीमा में और बाकी अन्य पुलिस थानों में दर्ज किए गए। जांच में सामने आया कि 254 चालान बिना हेलमेट गाड़ी चलाने के लिए, 10 चालान मास्क न पहनने पर, सात चालान तीन लोगों की सवारी करने पर, दो-दो चालान मोबाइल फोन इस्तेमाल करने और बिना लाइसेंस गाड़ी चलाने पर, जबकि एक-एक चालान जिगजैग ड्राइविंग और गलत नंबर प्लेट के लिए जारी किए गए थे।

शुक्रवार को यातायात प्रवर्तन और गश्त के दौरान पुलिस ने सिखवाड़ी में यह मोटरसाइकिल पकड़ी और उसे ट्रैफिक पुलिस थाने में स्थानांतरित किया। वाहन का मालिक अब्दुल कय्यूम है, जो करीमनगर शहर के गोदामगड्डा क्षेत्र का निवासी और पंजीकृत चिकित्सक (आरएमपी) है।

आबकारी पुलिस पर आदिवासी किसानों ने किया हमला

कपास के खेत में उगाए जा रहे गांजे के पौधों को हटाने के दौरान झड़प

संगारेड्डी, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नारायणखेड़ मंडल के आदिवासी किसानों ने शनिवार को चल्लागिड्डा थांडा में आबकारी पुलिस पर हमला किया, जब अधिकारी खेत में उगाए जा रहे गांजे के पौधों को हटाने पहुंचे।

गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए आबकारी पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन किसान जानकीराम और उनके रिश्तेदारों ने कथित तौर पर अधिकारियों का रास्ता रोका, उनके मोबाइल फोन छीन लिए और उनके साथ मारपीट की। इस झड़प में एक आबकारी कांस्टेबल को मामूली चोट आई। बाद में आबकारी अधिकारियों ने स्थानीय पुलिस से मदद मांगी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गांजे के पौधे हटाए और जानकीराम को हिरासत में लिया। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

सार्वजनिक सूचना

हैदराबाद के प्रसिद्ध व्यवसायी एवं बास्क एनर्जी सिस्टम (इंडिया) प्रा. लि. के संस्थापक श्री चंद्रेश जैन की संदिग्ध मृत्यु के मामले में नए तथ्य सामने आए हैं।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार :

1. गले की हड्डी टूटी हुई पाई गई।
2. शरीर पर कई चोटें पाई गईं।
3. मृत्यु का समय वास्तविक तथ्यों से मेल नहीं खाता।
4. घटना स्थल का सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध नहीं है।
5. प्रारंभिक जाँच के तरीके पर गंभीर संदेह है।
6. अन्य तथ्य एवं चिंताएँ :

श्री चंद्रेश जैन एक सफल व्यवसायी थे और उद्योग जगत में उनके कई प्रतिद्वंदी और विरोधी थे।

कुछ स्वार्थी तत्वों ने उनके नाम को बदनाम करने और उनकी कंपनी की साख को नुकसान पहुँचाने का प्रयास किया।

संदिग्ध परिस्थितियाँ संकेत करती है कि उनकी मृत्यु स्वाभाविक नहीं हो सकती और गहन जाँच की आवश्यकता है।

श्री चंद्रेश जैन के परिवार ने पुलिस अधिकारियों को ठोस सबूत और दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं।

परिवार का दृढ़ विश्वास है कि इस घटना में प्रभावशाली लोग भी शामिल हो सकते हैं और केवल निष्पक्ष जाँच ही सच्चाई सामने ला सकती है।

लोगों ने जानबूझकर कंपनी का सोशल मीडिया में भी नाम खराब किया है। कंपनी के अकाउंट की जाँच करने पर पता चला कि उन पर कुछ ज्यादा कर्जा नहीं था। कंपनी को काफी लोगों से पेमेंट आनी थी, जो घरवालों ने पुलिस का बताया।

पुलिस अधिकारियों ने परिवार को आश्वासन दिया है कि दिए हुए सबूतों की जाँच करके केस को वापस जाँच कि जाएगी। असली दोषियों कि पहचान करके कानून के अनुसार दंडित किया जाएगा।

जारीकर्ता
मीनाक्षी

K. Suneel Kumar
Advocate
H. No. 3-3-92, 1st Floor, Qutbiguda,
kachiguda, Hyderabad - 500027

ADVT

मंचेरियल में 13 लोगों पर भाजपा नेता को आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज

मधुकर के बेटे ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई, तेज संगीत को लेकर विवाद बना कारण

मंचेरियल, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय कांग्रेस नेताओं और अन्य 13 लोगों के खिलाफ भाजपा वेमनपल्ली मंडल अध्यक्ष एटा मधुकर को कथित रूप से आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है। मामला मधुकर के बेटे एटा रवि कुमार की शिकायत पर दर्ज किया गया।

रवि कुमार ने आरोप लगाया कि उनके पिता को अपनी जान लेने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि हाल ही में एक कॉलोनी में आयोजित बतुकम्मा उत्सव समारोह के दौरान रुद्रभटला संतोष कुमार, गली मधु, चिंताकिंडी कमला और चेन्नुरी सम्मैया द्वारा बजाए गए तेज संगीत पर आपत्ति जताने के लिए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई थी।

इसके बाद मधुकर के खिलाफ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने रुद्रभटला संतोष कुमार, गली मधु, चिंताकिंडी कमला, चेन्नुरी सम्मैया, सबीर अली, मंथरी रमेश, जदागल्ला शारदा, अडेरापल्ली राजेश्वरी, मनेपल्ली प्रमीला, जम्पम मरक्का, कोंडापल्ली लक्ष्मी, मनेपल्ली मल्लेश, नयिनी शैलजा और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ऑनलाइन निवेश ऐप में पिता-बेटी से ठगी

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा साइबर क्राइम पुलिस ने एक ऑनलाइन निवेश घोटाले में पिता और बेटी के साथ हुई ठगी के दो मामले दर्ज किए हैं। टीजीएसआरटीसी में काम करने वाले एक व्यक्ति ने एलएफ वर्क नाम के एक ऐप में 1.3 लाख रुपये लगाए थे।

शुरुआत में उसे कुछ मुनाफा दिखा, लेकिन बाद में पैसे निकालने पर रोक लगा दी गई। उसकी बेटी ने भी उसी ऐप में 86,220 रुपये लगाए और उसे भी नुकसान हुआ। बाद में दोनों को पता चला कि ऐप फर्जी है और उन्होंने पुलिस में शिकायत की। पुलिस ने कहा है कि जांच जारी है और लोगों को ऐसे ऑनलाइन निवेश ऐप से सावधान रहने की सलाह दी है।

जांच में 35 से ज्यादा वाहन पकड़े गए

हैदराबाद और रंगा रेड्डी में कर चोरी व ओवरलोडिंग पर कार्रवाई

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रामचंद्रपुरम इकाई के सतर्कता और प्रवर्तन अधिकारियों ने खान, राज्य कर और आरटीए विभागों के साथ मिलकर 9 और 10 अक्टूबर की मध्यरात्रि को मुथांगी और पटनचेरु इलाके में औचक जांच की। जांच के दौरान 16 वाहनों को रोका गया और मोटर वाहन अधिनियम, खनन अधिनियम तथा जीएसटी अधिनियम के तहत कर न चुकाने, ओवरलोडिंग, बिना ट्रांजिट फॉर्म के परिवहन और रॉयल्टी व जीएसटी चोरी के मामले दर्ज किए गए। इसमें कुल 6.70 लाख रुपये का कर वसूला गया। इसी तरह 10 और 11 अक्टूबर की मध्यरात्रि को हैदराबाद ग्रामीण इकाई ने रंगा रेड्डी जिले के कोकापेट में औचक जांच की, जिसमें 19 वाहन मोटर वाहन अधिनियम और 15 वाहन खान एवं खनिज अधिनियम के तहत पकड़े गए। इस दौरान लगभग 6.16 लाख रुपये का कर वसूला गया।

मुंबई से लखनऊ आने वाली उड़ानें छह गुना महंगी

लखनऊ, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। दीपावली पर दिल्ली व मुंबई से आने वाले विमानों का किराया आसमान छू रहा है। मुंबई से आने वाली उड़ानें सामान्य से छह गुना व दिल्ली की चार गुना तक महंगी हो गई हैं। 20 अक्तूबर को दीपावली है। ट्रेनों में टिकट न मिलने पर अब लोगों को घर वापसी के लिए एयर टिकट बुक कराने पड़ रहे हैं। इससे टिकट के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

19 अक्तूबर को दिल्ली से लखनऊ की एअर इंडिया की सुबह सवा सात बजे की सीधी उड़ान 12678 रुपये में, इंडिगो की सुबह 5:35 बजे की सीधी उड़ान 13776 रुपये में, इंडिगो की ही सुबह साढ़े बजे की उड़ान 16558 रुपये में मिल रही है, हालांकि शाम की उड़ानें सस्ती हैं। 19 अक्तूबर को नई दिल्ली से लखनऊ आने वाली इंडिगो की सीधी उड़ान का टिकट 9418 रुपये में मिल रहा है। जबकि दीपावली के दिन यह उड़ान सिर्फ 4099 रुपये में मिल रही है। एअर इंडिया की सीधी उड़ान का किराया 9445 रुपये पहुंच गया है जो आम दिनों में चार हजार रुपये रहता है।

29466 में मुंबई लखनऊ उड़ान

मुंबई से लखनऊ की इंडिगो की सुबह 5:20 बजे की उड़ान का टिकट 12361 रुपये पहुंच गया है। अकासा एयर की सुबह 8:50 बजे की उड़ान 14091 रुपये, इंडिगो की सुबह पौने दस बजे की उड़ान का टिकट 16036 रुपये, एअर इंडिया की सुबह 11:05 बजे की सीधी उड़ान 29466 रुपये पहुंच गई है। आम दिनों में मुंबई से लखनऊ आने वाली उड़ानों के टिकट पांच हजार रुपये तक मिल जाते हैं।

आज जनशक्ति जनता दल उम्मीदवारों की करेगा घोषणा

महुआ से चुनाव लड़ेंगे तेज प्रताप

पटना, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) 13 अक्तूबर (सोमवार) को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा करेगी। पार्टी के संस्थापक और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के पूर्व नेता तेज प्रताप यादव ने शनिवार को यह जानकारी दी। तेज प्रताप यादव खुद महुआ विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। ये वही सीट जिससे उन्होंने 2015 के चुनाव में राजद के टिकट पर जीत दर्ज की थी। इस मौके पर तेज प्रताप ने कहा कि मैं परसों अपने उम्मीदवारों की घोषणा करूंगा। परसों जोरदार एलान होग। मैं महुआ से चुनाव लड़ूंगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे अन्य पार्टियों से बातचीत कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि सब लोग मुझसे मिलने आ रहे हैं। बता दें कि राजद से निष्कासन के बाद तेज प्रताप यादव ने जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) की स्थापना की। वर्तमान में महुआ विधानसभा सीट राजद के नेता मुकेश कुमार रौशन के पास है, और इसी सीट से तेज प्रताप यादव चुनाव मैदान में उतरने वाले हैं।

विवादों में रहे तेज प्रताप

तेज प्रताप यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री दारोगा राय की पोती ऐश्वर्या से शादी की थी। हालांकि कुछ ही महीनों में ऐश्वर्या ने घर छोड़ दिया और आरोप लगाया कि उन्हें पति और ससुरालवालों ने घर से निकाल दिया। इस मामले में दंपति का तलाक मामला पारिवारिक न्यायालय में लंबित है। इतना ही नहीं, उन्हें एक फेसबुक पोस्ट को लेकर विवाद के बाद गंभीर नैतिक और सामाजिक मूल्यों के उल्लंघन के चलते पार्टी और यादव परिवार से निष्कासित कर दिया गया था।

कब है चुनाव?

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान 6 नवंबर को और दूसरे चरण का मतदान 11 नवंबर को होगा। वोटों की गिनती 14 नवंबर को की जाएगी। इस चुनाव में एक तरफ भाजपा के नेतृत्व में एनडीए है, जबकि दूसरी ओर तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाला महागठबंधन मैदान में उतरेगा, जो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सत्ता से हटाने की कोशिश में है। हालांकि, बिहार की सियासी लड़ाई में चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने भी राज्य की सभी 243 सीटों पर दावा ठोका है।

अफगान विदेश मंत्री का आगरा दौरा रद्द

आगरा, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफगान विदेश मंत्री मौलवी आमिर खान मुत्ताकी का आगरा दौरा रद्द हो गया है। डीसीपी सिटी सोनम कुमार ने बताया कि उनके आने का कार्यक्रम रद्द कर दिया गया है। इसके बाद फिर से किसी कार्यक्रम की अभी जानकारी नहीं आई है। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मौलवी आमिर खान मुत्ताकी रविवार सुबह आगरा आने वाले थे। अफगान के विदेश मंत्री मौलवी आमिर खान मुत्ताकी की आगरा यात्रा पर पुलिस और प्रशासन फूंक-फूंक कर कदम रख रहा था। सहारनपुर हिंसा के बाद पुलिस और प्रशासन ने अफगानी नेता के ताजमहल भ्रमण के दौरान कड़े सुरक्षा इंतजाम किए थे। भारी पुलिस फोर्स की तैनाती की गई थी।

शहर मुफ्ती मजीद रूमी की अगुवाई में मुस्लिमों का प्रतिनिधिमंडल अफगानिस्तान के विदेशी मंत्री से मिलना चाहता था, लेकिन प्रशासन ने किसी भी व्यक्ति को मिलने की इजाजत नहीं दी थी। जिला प्रशासन के अनुसार रविवार सुबह 9 बजे अफगान के विदेश मंत्री मौलवी आमिर खान मुत्ताकी देवबंद से शिल्पग्राम पहुंचने वाले थे। सुबह 11 से 12 बजे तक ताजमहल भ्रमण करना था। आखिरी समय में रविवार को अफगान विदेश मंत्री का दौरा रद्द हो गया।

हाथ बांध कर खड़ी नहीं रहेगी हेमंत सोरेन की झामुमो

सीटों को लेकर तेजस्वी यादव को दिया अल्टीमेटम

पटना, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में मुकेश सहनी की वीआईपी के बाद अब एक और घटक दल झामुमो ने तेजस्वी यादव को कड़ा संदेश भेज दिया है। झारखंड विधानसभा की याद दिलाते हुए झामुमो ने महागठबंधन में अपनी हिस्सेदारी मांगी है। झामुमो नेता ने यह भी कहा कि हमने झारखंड चुनाव में राजद को 5% सीटें दी थीं। ऐसे में झामुमो को भी 243 का 5% यानी 12 सीटें मिलनी चाहिए। झामुमो नेता ने स्पष्ट कर दिया है कि वो महागठबंध में हाथ बांध कर खड़े नहीं रहेंगे। 15 तारीख तक अगर झामुमो को उचित हिस्सेदारी नहीं दी जाती है तो पार्टी अपने दूसरे विकल्प पर विचार करेगी। झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि 15 अक्तूबर को झामुमो केंद्रीय समिति की बैठक प्रस्तावित है।

तब तक राजद को बिहार के महागठबंधन में घटक दलों की हिस्सेदारी साफ कर देनी चाहिए। चुनाव में पार्टी को सम्मानजनक समझौते के तहत जो भी सीटें मिलेंगी, उस पर झामुमो के उम्मीदवार लड़ेंगे। झामुमो नेता ने कहा कि बिहार की कई सीटें ऐसी हैं, जहां हम अगर उन्हें मदद नहीं करेंगे या हमारे नेता और कार्यकर्ता कैम्पेन नहीं करेंगे तो उसका सीधा नुकसान महागठबंधन को होगा। इसलिए यह समझना होगा कि स्वतंत्र राजनीतिक दल होने के नाते झामुमो हाथ बांध कर खड़ा नहीं है। 2019 के चुनाव में झामुमो ने झारखंड में राजद को सात सीटें दी थीं।

राजद ने एक (चतरा) सीट जीती। झामुमो ने गठबंधन धर्म निभाते हुए राजद को मंत्रिमंडल में जगह दी। 2024 के चुनाव में भी झारखंड के 05 प्रतिशत सीटों में छह सीट राजद को दी। राजद को चार में जीत मिली। उसके एक विधायक वर्तमान में मंत्री हैं। झामुमो भी बिहार में अपनी हिस्सेदारी चाहती है। राजद भी झामुझो को बिहार में उतना ही दे जितना झामुमो उसे झारखंड में देता आ रहा है। हमारा गठबंधन बराबरी का होना चाहिए।

11वीं की छात्रा के साथ गैंगरेप, एक आरोपी का एनकाउंटर

लखनऊ, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ के बंथरा इलाके में 11वीं की दलित छात्रा से गैंगरेप का मामला सामने आया है। यहां 5 युवकों ने उसके साथ दिनदहाड़े आम के बाग में गैंगरेप किया। जैसे ही पुलिस को इसकी खबर लगी तो आरोपियों पर शिकंजा कसने में जुट गई। महज कुछ घंटों बाद ही गैंगरेप में शामिल 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें से 1 आरोपी की पुलिस से मुठभेड़ हो गई। जवाबी फायरिंग में उसके दाहिने पैर में गोली, जिससे वह भाग नहीं सका। वहीं, उसके साथ बाइक पर जा रहा दूसरा व्यक्ति फरार हो गया। इसके अलावा, पुलिस टीम ने इसी वारदात के दूसरे आरोपी को शाम को गिरफ्तार कर लिया था।

दलित छात्रा से गैंगरेप मामले पर मायावती की सख्त टिपण्णी, महिला सुरक्षा पर उठाए सवाल

लखनऊ, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के थाना बंथरा क्षेत्र में एक दलित नाबालिग किशोरी के साथ गैंगरेप की घटना ने महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने इस अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए घटना को दुखद और शर्मनाक बताते हुए सख्त कदम उठाने की बात कही है। इस मामले में लखनऊ पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है,

जिसमें एक आरोपी के पैर में गोली भी लगी है।जबकि अभी एक फरार है। मायावती की प्रतिक्रिया ने सूबे में महिला सुरक्षा को लेकर योगी सरकार और कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े दिए हैं। बाकी विपक्षी पार्टियों ने भी प्रदेश में महिलाओं और दलितों पर अत्याचार को लेकर योगी सरकार पर निशाना साधा है।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि राजधानी लखनऊ के बंथरा क्षेत्र में किशोरी के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना अति-दुखद व शर्मनाक। यूपी सहित देश के विभिन्न राज्यों में महिला उत्पीड़न के साथ-साथ दुष्कर्म व हत्या आदि की घटनायें रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। सरकार द्वारा इसकी रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने की सख़्त जरूरत। महिला सम्मान तो दूर महिलाओं की सुरक्षा पहले व अत्यन्त ज़रूरी। मायावती के इस बयान के बाद योगी सरकार की कानून व्यवस्था और प्रदेश में महिला सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

हनीट्रैप में फंसाकर लाखों रुपये की वसूली करती थी महिला, अब पुलिस ने किया गिरफ्तार

बस्ती, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां पुलिस ने एक शातिर महिला को गिरफ्तार किया है, जो भोले भाले लोगों को अपने प्यार के जाल में फंसाकर उनसे ब्लैकमेलिंग कर लाखों रुपये वसूलती थी। सनसनीखेज मामले में खुलासा करते हुए बस्ती पुलिस ने बताया कि पहले महिला किसी मर्द को अपने प्यार के जाल में फंसाकर उनके साथ शारीरिक संबंध बनाती थी, फिर उसका वीडियो और फोटो को हथियार बनाकर भोले भाले लोगों को ब्लैकमेल कर उनसे लाखों रुपये ऐंठती थी। उसके इस काले कारोबार में वह अकेली नहीं बल्कि उसका पूरा गैंग काम करता था। तहरीर के आधार पर ब्लैकमेलिंग करने वाली मुख्य सरगना को गिरफ्तार कर लिया गया है, और इसके गैंग के और लोगों की तलाश जारी है। पुलिस जानकारी के मुताबिक कोतवाली थाना क्षेत्र के रहने वाले पीड़ित की पत्नी बीना त्रिपाठी ने पुलिस से शिकायत दर्ज कराई कि उसके पति को किसी महिला ने अपने जाल में फंसा लिया है और उन से लगातार धन उगाही कर रही है। महिला की शिकायत के बाद पुलिस एक्टिव हुई और मामले की जांच में जुट गई, पुलिस की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ। जांच में पता चला कि संतकबीरनगर जिले के कटाई गांव की रहने वाली लवी सिंह जो अभी बस्ती जिले के मुंडेरवा थाना क्षेत्र में मुंडेरवा बाजार में रहकर लोगों को अपने प्रेम जाल में फंसाती है और जब दोनों के बीच नजदीकी बढ़ जाती है, तो वह प्राइवेट वीडियो और फोटोज बना लेती है। उस के बाद उस का हनी ट्रैप का खेल शुरू होता है। फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पैसों के लिए ब्लैक मेल करती है।

पहले डिमोशन, अब कानपुर के करोड़पति लेखपाल आलोक दूबे की और बढ़ी मुश्किलें, हुआ ये एक्शन

कानपुर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। कानपुर में करोड़पति कानूनगो मामले में पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए कानूनगो समेत 7 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। इसमें एक महिला लेखपाल भी शामिल है।

आरोपी कानूनगो आलोक दुबे को डीएम ने पहले ही डिमोशन करके लेखपाल बना दिया है। अब सभी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल होने के बाद राजस्व विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। जिले में जमीन विवाद से जुड़ा एक बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर हुआ था, जिसमें कानूनगो से डिमोट करके लेखपाल बने आलोक दुबे समेत सात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में चार्जशीट दाखिल की गई है। मामला करोड़ों रुपये की भूमि की फर्जी रजिस्ट्री और दानपत्र से जुड़े षड्यंत्र का है, जिसमें बिल्डर और राजस्व कर्मियों की सांठगांठ सामने आई है। पुलिस जांच के बाद आरोप पत्र संख्या 158/2025 न्यायालय में दाखिल किया गया। आरोपितों में राजपति देवी, राजकुमारी देवी, रघुवीर सिंह, अरुण सेंगर उर्फ अमन सेंगर, आरएनजी इंफ्रा के भागीदार अमित गर्ग, तत्कालीन लेखपाल अरुणा द्विवेदी और तत्कालीन कानूनगो आलोक दुबे शामिल हैं।

यह विवाद सचेंडी थाना क्षेत्र के कला का पुरवा से जुड़ा है। निवासी संदीप सिंह ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि स्व। गंगा सिंह के हिस्से की भूमि पर फर्जी रजिस्ट्री कराई गई। वादी की मां मोहनलाल उर्फ लाल साहिबा ने पहले ही अपने पति के हिस्से की जमीन का कुछ भाग वसीयत और कुछ भाग दानपत्र के माध्यम से हस्तांतरित कर दिया था। इसके बावजूद राजपति देवी और राजकुमारी देवी ने संपूर्ण भूमि पर दावा करते हुए रजिस्ट्री करा ली।

शेष भूमि आरएनजी इंफ्रा के भागीदार अमित गर्ग के नाम रजिस्टर्ड अनुबंध से हस्तांतरित की गई। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि रजिस्ट्री में जिन चेक नंबरों का उल्लेख किया गया, उनका भुगतान कभी हुआ ही नहीं। विवेचना से स्पष्ट हुआ कि तत्कालीन कानूनगो आलोक दुबे और तत्कालीन लेखपाल अरुणा द्विवेदी ने यह जानते हुए भी कि विवादित भूमि खतौनी में राजपति और राजकुमारी के नाम दर्ज नहीं है, फर्जी दस्तावेज तैयार कराए। उन्होंने न्यायालय को धोखे में रखकर नाम चढ़ाने का आदेश कराया और उसी दिन रजिस्ट्री भी कराई। अपर जिलाधिकारी (वि/रा) की त्रिस्तरीय जांच रिपोर्ट में दोनों पर अनुचित लाभ पहुंचाने का आरोप सिद्ध हुआ। विवेचक ने अपनी रिपोर्ट में लिखा कि यह अपराध लोक सेवकों द्वारा पदीय कर्तव्यों के निर्वहन में नहीं बल्कि निजी स्वार्थ के लिए किया गया, इसलिए अभियोजन स्वीकृति की आवश्यकता नहीं है।

इसके अलावा, विजिलेंस विभाग आलोक दुबे की अलग से जांच कर रहा है, जिसमें उनकी करोड़ों रुपये की अवैध संपत्ति के संकेत मिले हैं। यह तथ्य मामले को और गंभीर बना देता है। सभी आरोपितों को भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 318(4), 338, 336(3), 340(2), 61(2), 352 और 351(3) के तहत अभियोग पाया गया है। पुलिस ने इन धाराओं के तहत गंभीर अपराध के साक्ष्य अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए हैं।

पराली जलाई तो माना जाएगा बड़ा गुनाह

लखनऊ, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में लगातार सीएम योगी आदित्यनाथ पराली जलाने को लेकर सख्त कदम उठा रहे हैं। अब एक बार फिर उन्होंने साफ कर दिया कि धान के फसल की कटाई के बाद पराली जलाने पर किसानों को भारी जुर्माना सहना पड़ सकता है। फसलों को काटने के बाद बचे अवशेषों को जलाने पर पूरी तरीके से पाबंदी लगाई गई है। ऐसे में यदि किसान धान की फसलों को काटने के बाद पराली को जलाते हैं तो उन्हें 2,5000 से लेकर 15,000 तक का जुर्माना भरना पड़ सकता है। इसके अलावा उन्हें सरकार द्वारा मिलने वाली सुविधाओं, योजनाओं और निधियों से भी वंचित होना पड़ सकता है। सीएम योगी द्वारा जारी निर्देश में स्पष्ट कहा गया है कि फसल अवशेष जलाने पर पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति लगाई जाएगी।

दो एकड़ से कम क्षेत्र पर 2,500, दो से पांच एकड़ तक 5,000 और पांच एकड़ से अधिक पर 15,000 का जुर्माना निर्धारित किया गया है। प्रत्येक 50 से 100 किसानों पर एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी, जो पराली जलाने की घटनाओं की रोकथाम सुनिश्चित करेंगे।

मौलाना ने पीटा तो छात्रों ने पत्नी-बेटियों को मार डाला

बागपत, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। बागपत के मस्जिद परिसर में हुए ट्रिपल मर्डर का पुलिस ने महज 6 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस हत्या के आरोपी दो किशोर छात्रों को गिरफ्तारी की है। दोनों मस्जिद में ही तालीम ले रहे थे। एक की उम्र 14 साल और दूसरे की महज 15 साल है। पूछताछ में छात्रों ने बताया- मौलवी ने सुबह 9 बजे पढ़ाई को लेकर दोनों को पीटा था। इसी बात का बदला लेने के लिए उन्होंने दोपहर 1 बजे मौलवी की पत्नी और दो बेटियों की मस्जिद के बने कमरे में हत्या कर दी। तीनों पर सोते समय पहले हथौड़े से सिर पर हमला कर बेहोश किया। इसके बाद चाकू से गला रेत दिया। दोनों इतने शातिर थे कि हत्या करने के बाद खुद ही भीड़ में शामिल होकर पुलिस के सामने प्रदर्शन करने लगे।

पर जांच के दौरान दोनों को दोपहर के समय मस्जिद के मेन गेट पर लगे सीसीटीवी कैमरे में देखा गया। पुलिस ने शक के बिना पर दोनों को पकड़कर कड़ाई से पूछताछ की तो दोनों अपना जुर्म कबूल कर लिया। घटना जिला मुख्यालय से करीब 45 किलोमीटर दूर दोघट थाना क्षेत्र की है।

पहले पुलिस ने मौलवी को लिया हिरासत में छोड़ा

इस हत्याकांड के दौरान मौलवी इब्राहिम मस्जिद में मौजूद नहीं थे। वे अफगानिस्तान के विदेश मंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए देवबंद के लिए रवाना हो गए थे। शुरुआत में पुलिस ने मौलवी को ही शक के आधार पर हिरासत में ले लिया था, क्योंकि वे बार-बार बयान बदल रहे थे। हालांकि, बाद में सीसीटीवी फुटेज में जब दोनों नाबालिग छात्रों को मस्जिद में दोपहर के वक्त दाखिल होते देखा गया तो पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया और मौलवी इब्राहिम को छोड़ दिया।

दोनों मस्जिद से 100 मीटर की दूरी पर रहते हैं

पुलिस ने बताया- दोनों हत्यारोपी छात्र मस्जिद से महज 100 मीटर की दूरी पर रहते हैं। दोनों पुराने दोस्त हैं। एक की उम्र 14 साल और दूसरे की 15 साल है। दोनों का कहना है- मौलवी इब्राहिम उन्हें अक्सर पढ़ाई के नाम पर पीटते थे। सबके सामने बेइज्जत करते थे। एसपी सूरज राय ने बताया- घटना के 6 घंटे में खुलासा करते हुए दोनों हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों मस्जिद में संचालित मदरसे में पढ़ाई करते थे। मौलवी उनकी पिटाई करते थे, इसीलिए दोनों किशोर छात्रों ने मौलवी की पत्नी और बेटियों की हत्या कर दी। आरोपियों से अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

इकरा हसन ने ऐसा क्या बोल दिया? कैराना में राजनीतिक तनाव चरम पर

शामली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हालिया 'डेंटिंग-पेंटिंग' वाले बयान पर सपा सांसद इकरा हसन की तीखी प्रतिक्रिया ने कैराना में राजनीतिक तनाव को चरम पर पहुंचा दिया है। हिंदू रक्षा दल जैसे संगठनों ने उनके बयान को भड़काऊ बताते हुए विरोध-प्रदर्शन की चेतावनी दी है। इसके बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिस ने सांसद के आवास सहित प्रमुख स्थानों पर भारी फोर्स तैनात कर दी है।

संगठन के कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए बैरिकेडिंग की गई है। एक हफ्ते पहले योगी आदित्यनाथ के बयान पर पलटवार करते हुए इकरा हसन ने कहा था, 'जैसे दूसरे देशों में जनता ने सरकारों को उखाड़ फेंका है, वैसे ही भारत के लोग भी तैयार बैठे हैं।' इस बयान को हिंदू संगठनों ने सीएम और देश के खिलाफ अपमानजनक माना। हिंदू रक्षा दल ने इसे राजनीतिक उकसावे का रूप देते हुए कैराना में बड़े स्तर पर प्रदर्शन की घोषणा कर दी, जिससे इलाके का माहौल गर्म हो गया।

मुख्य चौराहों पर सघन चेकिंग

प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए कैराना कस्बे में जगह-जगह बैरिकेडिंग लगा दी। मुख्य चौराहों पर वाहनों की सघन चेकिंग शुरू हो गई है। सांसद इकरा हसन के आवास के बाहर पुलिस और पीएसी के जवान तैनात हैं। जिला प्रशासन का स्पष्ट संदेश है कि कानून-व्यवस्था बिगड़ने नहीं दी जाएगी, और हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है।

हिंदू रक्षा दल का प्रदर्शन, नारेबाजी और ज्ञापन

हिंदू रक्षा दल के प्रदेश अध्यक्ष अमित प्रजापति अपने कार्यकर्ताओं के साथ शामली पहुंचे और कैराना की ओर कूच करने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें घेराबंदी कर रोक लिया और कैराना जाने से मना कर दिया। कार्यकर्ताओं को शामली के एसपी कार्यालय ले जाया गया, जहां उन्होंने जय श्री राम और इकरा हसन मुर्दाबाद के जोरदार नारे लगाए। अमित प्रजापति ने कहा, यह राजनीति है और राजनीतिक बयान कुछ भी हो सकते हैं, लेकिन देश और योगी जी के प्रति ऐसी बेअदबी हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। संगठन ने एसपी शामली को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें इकरा हसन के खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज करने की मांग की गई। ज्ञापन में चेतावनी दी गई कि यदि केस दर्ज नहीं हुआ, तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

संगम तट पर फिर उमड़ेगा आस्था का सैलाब

माघ मेले की तारीख का हुआ ऐलान

प्रयागराज, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रयागराज के संगम तट पर आस्था, श्रद्धा और अध्यात्म का सबसे बड़ा पर्व माघ मेला 2026 इस बार 3 जनवरी से शुरू होगा। पौष पूर्णिमा के पवित्र स्नान के साथ मेला औपचारिक रूप से आरंभ होगा। इस दौरान दूर-दराज़ से लाखों श्रद्धालु संगम नगरी पहुंचेंगे और पवित्र त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाएंगे। माघ मेला 2026 कुल 44 दिनों तक यानी 3 जनवरी से 15 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। इस अवधि में छह प्रमुख स्नान पर्व होंगे। पहला स्नान पौष पूर्णिमा पर, जबकि दूसरा बड़ा पर्व मकर संक्रांति 15 जनवरी को मनाया जाएगा। सबसे महत्वपूर्ण और भीड़भाड़ वाला स्नान मौनी अमावस्या का महापर्व 18 जनवरी को होगा, जब लाखों की संख्या में श्रद्धालु संगम में डुबकी लगाएंगे।

आने वाले पर्व और विशेष स्नान दिवस

इसके बाद 23 जनवरी को बसंत पंचमी, 1 फरवरी को माघी पूर्णिमा और अंत में 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के पर्व के साथ माघ मेला का समापन होगा। हर पर्व के दौरान संगम की रेती पर भक्ति, साधना और आध्यात्मिक आयोजनों का संगम देखने को मिलेगा।

मेले की तैयारियों में जुटा मेला प्राधिकरण

प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने माघ मेला 2026 की तैयारियों की रूपरेखा बनानी शुरू कर दी है। प्रशासन ने सुरक्षा, स्वच्छता, आवास और यातायात प्रबंधन को लेकर योजनाओं पर काम तेज किया है। दीपावली के बाद से मेले की तैयारियां जमीन पर दिखने लगेंगी। संगम क्षेत्र में टेंट सिटी बसाने और घाटों के निर्माण का कार्य तेजी से शुरू होगा, ताकि श्रद्धालुओं को सुगमता और सुरक्षित माहौल मिल सके।

'तेजस्वी यादव बनेंगे बिहार के अगले सीएम'

संजय राउत ने प्रशांत किशोर को भी दी नसीहत

मुंबई, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार चुनाव को लेकर शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने जनसुराज पार्टी (जेएसपी) चीफ प्रशांत किशोर का नाम लेकर आज रविवार (12 अक्टूबर 2025) को बड़ा बयान दिया है। संजय राउत ने कहा कि, प्रशांत किशोर ने एक पार्टी निकाली है, वो किसी एक व्यक्ति का नाम लेकर राजनीति करते हैं, वह राजनीतिक रणनीति है। संजय राउत ने आगे कहा कि, तेजस्वी यादव बिहार के गैर विवादित नेता है और राहुल गांधी देश के गैर विवादित नेता है। प्रशांत किशोर को अपनी जो ताकत है, वह बिहार में अभी दिखानी है, उनकी पार्टी नई-नई है। उनकी (प्रशांत किशोर) की दौलत नई-नई है, लेकिन बातें नई-नई करते हैं। शिवसेना नेता यूबीटी ने कहा, जब चुनाव के नतीजे आ जाएंगे, तब इस बारे में बात करेंगे। उन्होंने दावा किया है कि, तेजस्वी बिहार के अगले मुख्यमंत्री होंगे उन्हें कोई नहीं रोक सकता है।

पीके की पार्टी ने 51 सीटों पर कैंडिडेट्स के नाम का ऐलान

आपको बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव के लिए प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज ने 51 कैंडिडेट की लिस्ट जारी कर दी है। पार्टी ने 7 अनुसूचित जाति, 17 अतिपिछड़ों, 11 पिछड़े, 8 अल्पसंख्यक और 8 सामान्य वर्ग के प्रत्याशियों को पार्टी का उम्मीदवार बनाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जन सुराज ने बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। जन सुराज के अध्यक्ष उदय सिंह ने प्रेस वार्ता में उम्मीदवारों की सूची जारी की। इस सूची में 51 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम हैं। हालांकि, कैंडिडेट्स की इस लिस्ट में जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर का नाम नहीं है। ऐसे में माना जा रहा है कि वे इस चुनाव में पार्टी के लिए चुनावी रणनीति बनाएंगे।

बिहार में दो फेज में होगा विधानसभा चुनाव

राज्य निर्वाचन आयोग की तरफ से जारी अधिसूचना के मुताबिक, राज्य की 243 सीटों के लिए दो चरण में चुनाव होने हैं। पहले चरण के लिए 6 नवंबर को 121 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। वहीं, दूसरे चरण की वोटिंग 11 नवंबर को होगी और इस दौर में 122 सीटों पर वोट पड़ेंगे। जनसुराज नेता प्रशांत किशोर पिछले दो साल से राज्य में लगातार एक्टिव हैं।

'अंधभक्ति का बोलबाला, पाखंड ही उनका हिंदुत्व बन गया', संजय राउत ने किस पर साधा निशाना?

मुंबई, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र सामना में संजय राउत ने 12 अक्टूबर को तीखे अंदाज में संपादकीय लिखा है। इस संपादकिय में उन्होंने कहा कि मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई पर जूता फेंकनेवाले और प्रबोधनकार ठाकरे की पुस्तक 'देवळांचा धर्म आणि धर्माची देवळे' की निंदा करने वाले "अव्वल दर्जे के अंधभक्त" हैं। राउत ने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन में "बाबागीरी और पाखंड" का बोलबाला है, जो असली हिंदुत्व की जगह झूठी आस्था को बढ़ावा दे रहा है।

उन्होंने सवाल उठाया कि हिंदू बहुल सरकार के बावजूद बार-बार "हिंदू खतरे में" का शोर क्यों मचाया जा रहा है। राउत ने कहा कि आज जो लोग सनातन धर्म की रक्षा की बात करते हैं, वही सबसे ज्यादा उसकी बदनामी कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में जूता फेंकने की घटना और मुंबई के कस्तूरबा अस्पताल में प्रबोधनकार की किताब पर विवाद- दोनों को उन्होंने "कट्टर अंधभक्ति का नमूना" बताया। राउत ने लिखा कि "सीजेआई भूषण गवई पर हमला करने वाले और प्रबोधनकार ठाकरे की किताब फेंकने वाले दोनों ही मानसिक रूप से अंधे हैं।

वे नहीं समझते कि असली खतरा धर्म से नहीं, पाखंड से है।" उन्होंने कहा कि बीजेपी के शासन में धर्म के नाम पर झूठ फैलाने वाले बाबाओं को संरक्षण मिला, जबकि प्रबोधनकार जैसे सुधारकों को अपमानित किया गया। राउत ने अपने लेख में कहा कि "आसाराम, राम रहीम, नित्यानंद, निर्मल बाबा" जैसे कथित धर्मगुरुओं ने सनातन धर्म को कलंकित किया, लेकिन उन पर जूते फेंकने की हिम्मत किसी ने नहीं दिखाई। उन्होंने सवाल उठाया कि "दिल्ली के स्वामी चैतन्यानंद" पर महिलाओं के शोषण के आरोप साबित होने के बाद भी भक्तों ने चुप्पी क्यों साधी। राउत ने लिखा, "बागेश्वर बाबा भाजपा का प्रचारक है और प्रधानमंत्री स्वयं उनके आश्रम में जाते हैं। यह विज्ञान के माथे पर कील ठोकने जैसा है।" उन्होंने कहा कि "प्रधानमंत्री स्वयं को ईश्वर का अवतार मानते हैं, जबकि प्रबोधनकार ठाकरे जैसे विचारक ऐसे पाखंड पर प्रहार करते थे।"

हॉस्टल में मासूमों के साथ दरिंदगी

छोटे बच्चों को बेल्ट और बैट से पीटा; केस दर्ज

कोल्हापुर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां तलसांडे में स्थित शामराव पाटील कॉलेज के हॉस्टल में मासूम बच्चों के साथ मारपीट का वीडियो सामने आया है। वीडियो में कुछ सीनियर छात्र जूनियर छात्रों को बेल्ट, बैट और लात-घूंसों से बेरहमी से पीटते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह दृश्य इतना दर्दनाक है कि इसे देखकर कोई भी सिहर उठे।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं वीडियो वायरल होने के बाद लोगों में इस क्रूर व्यवहार के खिलाफ काफी आक्रोश देखा जा रहा है। इस मामले में पुलिस व प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की जा रही है। वायरल वीडियो में एक बच्चा बेल्ट लगने के बाद दर्द से चीखता हुआ नजर आता है। बताया जा रहा है कि यह पूरी घटना हॉस्टल के अंदर हुई, जहां सीनियर छात्रों ने जूनियर छात्रों को बुरी तरह पीटा। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह अमानवीय व्यवहार कई दिनों से जारी था, लेकिन किसी ने डर के कारण आवाज नहीं उठाई। वीडियो वायरल होने के बाद वडगांव पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा है कि वीडियो की सत्यता की जांच की जा रही है और आरोपियों की पहचान के लिए सीसीटीवी व मोबाइल फुटेज की मदद ली जा रही है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद अभिभावक और सामाजिक कार्यकर्ता हॉस्टल प्रशासन की लापरवाही पर सवाल उठा रहे हैं।

कई लोगों ने आरोप लगाया कि कॉलेज प्रबंधन ने समय रहते कोई कदम नहीं उठाया। इससे नाराज अभिभावकों ने हॉस्टल जाकर बच्चों की सुरक्षा की जानकारी ली और पुलिस से दोषियों को तुरंत हिरासत में लेने की मांग की है। इस घटना पर स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं ने शिक्षा उपनिदेशक कार्यालय में ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के जरिए इस अमानवीय घटना की उच्चस्तरीय जांच और स्कूल प्रशासन पर कार्रवाई की मांग की गई है।

दुर्गापुर में छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म मामले में तीन गिरफ्तार

दो आरोपियों को तलाश रही पुलिस

दुर्गापुर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले में एक निजी मेडिकल कॉलेज की छात्रा से 'सामूहिक दुष्कर्म' के मामले में रविवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। फिलहाल पुलिस ने अभी तक तीनों गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उजागर नहीं की है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, 'हमने इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। यह एक बेहद संवेदनशील मामला है और हम आगे की जानकारी बाद में देंगे।' पुलिस ने शनिवार को बताया कि ओडिशा के जलेश्वर की रहने वाली एक मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ दुर्गापुर में कुछ लोगों ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया। छात्रा की हालत अब स्थिर बताई जा रही है, उसका अस्पताल में ही इलाज चल रहा है और उसने पुलिस को अपना बयान दे दिया है। यह घटना शोभापुर के पास स्थित मेडिकल कॉलेज परिसर में हुई। छात्रा रात करीब 8:30 बजे अपने एक पुरुष मित्र के साथ कॉलेज कैंपस के बाहर खाना खाने गई थी। इस दौरान कैंपस गेट के पास ही एक आरोपी ने उसे जबरन पीछे के सुनसान इलाके में खींच लिया और दुष्कर्म की वारदात को किया। इसके बाद बाकी आरोपियों ने भी घिनौने कृत्य को अंजाम दिया।मामले में पुलिस ने अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और बाकी दो की तलाश में जारी है। कॉलेज स्टाफ और छात्रा के साथ आए दोस्त से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस परिसर के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि अपराधियों की पहचान और पुख्ता की जा सके। इस घटना ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी दलों के बीच राजनीतिक बयानबाजी शुरू कर दी है। इस घटना पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने चिंता व्यक्त की और पश्चिम बंगाल की अपनी समकक्ष ममता बनर्जी से अपराधियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह किया।

इस घटना ने पिछले साल के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुई जघन्य वारदात की याद ताजा कर दी है, जब एक जूनियर डॉक्टर के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी गई थी। उस समय राज्यभर में बड़े पैमाने पर विरोध हुआ था। पश्चिम बंगाल डॉक्टर्स फ्रंट (डब्ल्यूबीडीएफ) ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। संगठन ने कहा कि यह एक और डरावनी याद है कि महिलाएं अब भी शैक्षणिक संस्थानों में सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई से इस मामले में स्वतः संज्ञान लेकर न्यायिक जांच की मांग की है।

चुनाव से पहले आरजेडी को झटका

2 विधायकों का इस्तीफा, प्रकाश वीर ने बताया क्यों पहुंची ठेस

पटना, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार चुनाव में मतदान से पहले ही आरजेडी को बड़ा झटका लगा है, आरजेडी के दो विधायकों ने चुनाव से ठीक पहले पार्टी से नाता तोड़ लिया है। रजौली से विधायक प्रकाश वीर और नवादा की विभा देवी ने आरजेडी पार्टी और बिहार विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने स्वीकार कर लिया है। सूत्रों से मिली जानकारी मुताबिक दोनों नेता भाजपा का दामन थामने की तैयारी में है। इन दोनों विधायकों का अचानक इस्तीफे से आरजेडी को बड़ा नुकसान पहुंच सकता है। इस्तीफे के बाद से ही एक बार फिर बिहार में इस बात पर चर्चा तेज हो गई है कि आरजेडी के अंदर सब ठीक नहीं है और टिकटों के बंटवारे से पहले गहगेमी जारी है। वहीं गठबंधन में भी टिकटों को लेकर विवाद की चर्चाएं पहले चल रही हैं। इस्तीफा देने वाली विधायक विभा देवी पूर्व आरजेडी विधायक राजबल्लभ यादव की पत्नी हैं। उन्होंने 2020 के चुनाव में आरजेडी के टिकट पर नवादा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी। राजबल्लभ यादव खुद 3 बार विधायक और श्रम राज्य मंत्री रह चुके हैं। विभा देवी ने पति की अनुपस्थिति में नवादा की राजनीति संभाली और पिछले 5 सालों तक विधायक के रूप में सक्रिय रहीं हैं।

क्या अब कबूतर तय करेंगे सत्ता की कुर्सी पर कौन बैठेगा?

मुंबई में कबूतरखाना विवाद से जन्मी नई राजनीतिक पार्टी

मुंबई, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई की सियासत में आज एक अनोखा मोड़ देखा गया जब पशु कल्याण को लेकर शुरू हुआ विवाद ने अब एक राजनीतिक पार्टी को जन्म दे दिया है। पारंपरिक कबूतरख़ाने बंद होने के विरोध में शुरू हुआ आंदोलन अब राजनीतिक रूप ले चुका है और शहरभर की चर्चा का केंद्र बन गया है। शांति दूत कबूतर जीवदया समिति के प्रमुख निलेश चंद्र ने दादर ईस्ट स्थित स्वामीनारायण मंदिर के बाहर उपस्थित भीड़ को संबोधित करते हुए घोषणा की कि अब उनकी समिति राजनीति में उतर रही है। बोले, "हमारी पार्टी का नाम होगा शांति दूत जनकल्याण पार्टी। अब

सांसद भी हमारे होंगे, विधायक भी हमारे होंगे। हमें कम मत समझना, संत समाज चाहे तो सरकारें हिला सकता है।" आयोजकों का कहना है कि यह आंदोलन सिर्फ़ कबूतरों या जीवदया तक सीमित नहीं है, बल्कि यह धर्म, नीति और परंपरा की रक्षा का मामला है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह आने वाले बीएमसी चुनावों से पहले नया "धार्मिक वोट बैंक" बनाने की कोशिश है। मंच पर मौजूद कई हिंदू धर्मगुरुओं ने सत्ता में बैठे लोगों को चेतावनी दी, हिंदू धर्मगुरुओं में कहा, "धर्म सत्ता से ऊपर है। जब धर्मगुरु साथ आए, तब देवेंद्र फड़णवीस मुख्यमंत्री बने। सत्ता में बैठे लोगों से कहना चाहता हूँ हम कम नहीं हैं। जब भी जीव हत्या का सवाल उठेगा, पूरा संत समाज एकजुट होगा। नागा साधुओं से लेकर संत समाज तक, हर जीवन के लिए लड़ाई लड़ी जाएगी।" अब यह सभा सिर्फ़ कबूतरों को श्रद्धांजलि देने तक सीमित नहीं रही बल्कि राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन बन गई। निलेश चंद्र ने कहा, "अब ये कबूतर तय करेंगे कि गद्दी पर कौन बैठेगा। पहले भाषा के अधिकार की लड़ाई होती थी, अब जीवों के अधिकार की होगी। शराब और सिगरेट पर रोक नहीं लगती, तो इन निर्दोष जीवों पर क्यों लगाई जाए?" उन्होंने बालासाहेब ठाकरे का उदाहरण देते हुए कहा, "एक ही नेता ऐसा था बालासाहेब ठाकरे। अगर वो होते तो कोई विवादित बयान नहीं दे पाता। अब लड़ाई आर-पार की होगी।" यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। विपक्षी दलों ने इसे "धार्मिक भावनाओं को भड़काने की कोशिश" बताया। विशेषज्ञों के अनुसार, शांति दूत जनकल्याण पार्टी महाराष्ट्र में उभरते धार्मिक-राजनीतिक समीकरणों का संकेत देती है। मुंबई में जहां पारंपरिक धर्मस्थल और शहरी विकास का संघर्ष लंबे समय से है, यह नया मोर्चा प्रशासन के लिए चुनौती हो सकता है। कबूतरख़ाना विवाद अब सिर्फ़ जीवदया तक सीमित नहीं रहा। यह धार्मिक पहचान, परंपरा और राजनीतिक प्रभाव की जंग बन गया है।

पति पर गर्म तेल डालकर मिर्च छिड़कने वाली आरोपित पत्नी का नहीं लगा सुराग

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। मदनगीर इलाके में पति पर गर्म तेल डालकर लाल मिर्च छिड़कने की आरोपित पत्नी साधना का सुराग नहीं लग रहा है। पुलिस ने महिला के स्वजन से रायबरेली में भी संपर्क किया है, मगर वह वहां नहीं है। घटना के बाद से उसका मोबाइल फोन भी बंद है। साधना अपने पति दिनेश का मोबाइल फोन व एटीएम कार्ड भी साथ ले गई है, दिनेश का मोबाइल फोन भी तब से स्विच आफ है।

ऐसे में उसका कुछ पता नहीं चल पा रहा है। बता दें कि मूलरूप से रायबरेली निवासी दिनेश कुमार यहां मदनगीर इलाके में पत्नी साधना और सात साल की बेटी के साथ रहता था। दिनेश ने बताया कि उसका अपनी पत्नी के साथ तलाक का मामला चल रहा है। गत दो अक्टूबर की रात करीब तीन बजे सोते हुए उस पर गर्म तेल डाल दिया था। वह जैसे ही चिल्लाते हुए उठा तो साधना ने हाथ में लिया हुआ लाल मिर्च पाउडर भी उसकी आंखों और घावों पर छिड़क दिया। उसे गंभीर हालत में पहले मदनमोहन मालवीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां से उन्हें सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया। अभी उनकी हालत में सुधार है।

दिनेश ने बताया कि हादसे के नौ दिन बाद भी पुलिस साधना का सुराग नहीं लगा पाई है। दिनेश का आरोप है कि पुलिस उसकी पत्नी को ढूंढने का प्रयास ही नहीं कर रही है। उन्हें ही कह दिया गया है कि अपनी रिश्तेदारी में पता करके बता दो। अब वह अपना इलाज करवाएं या पत्नी को ढूंढें।

नकली दवाइयां सप्लाई करने के धंधे का भंडाफोड़

लुधियाना, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब समेत देश के कई राज्यों के शहरों में नकली दवाइयां सप्लाई करने का गोरखधंधा उत्तरप्रदेश के कानपुर से चल रहा है। कानपुर के बिरहाना रोड स्थित श्रीलक्ष्मी फार्मा के मालिक राहुल अग्रवाल की बेटी वर्तिका अग्रवाल इस पूरे धंधे को ऑपरेट करती थी। कानपुर से गिरफ्तार कर लुधियाना लाई गई वर्तिका अग्रवाल को अदालत में पेश किया गया। जहां से उसे तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। पूछताछ में सामने आया कि वह अपने दोस्त मोहम्मद हसन के जरिये कई जगहों पर नकली दवाइयां सप्लाई करती थी। नकली दवाइयां बनाने की फैक्टरी कहीं और नहीं बल्कि उनके मेडिकल स्टोर के पीछे बनी तीन मंजिला बिल्डिंग में ही लगाई गई थी।

दवाइयां पैक करने के बाद यहीं स्टीकर आदि लगाए जाते थे। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की टीम ने इस पूरे धंधे का पर्दाफाश कर वर्तिका को गिरफ्तार किया था। जांच अधिकारी नरेश कुमार ने बताया कि अगस्त में एसटीएफ की टीम ने नकली दवाइयां सप्लाई करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया था। जब इस मामले की तह तक जाने की कोशिश की गई तो पुलिस हैरान रह गई। इस पूरे धंधे के तार देश के कई शहरों से जुड़े थे। पुलिस टीम को मिले सुराग में गुजरात के अहमदाबाद का भी पता चला। जहां पुलिस टीम छापे मारने गई और वहां कई मेडिकल स्टोर पर रेड की। जांच के दौरान कानपुर कनेक्शन सामने आया।

बॉयफ्रेंड ने गर्लफ्रेंड को चाकू से गोदकर मौत के घाट उतारा

पुणे, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक बॉयफ्रेंड ने अपनी गर्लफ्रेंड की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। बॉयफ्रेंड को शक था कि उसकी गर्लफ्रेंड का किसी और से नाजायज संबंध है। हैरानी की बात ये है कि घटना को अंजाम देने के बाद बॉयफ्रेंड फरार नहीं हुआ बल्कि उसने पुलिस के सामने जाकर थाने में सरेंडर कर दिया। प्रेमी ने नाजायज संबंध के चलते प्रेमिका की हत्या की वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद प्रेमी ने खुद ही पुलिस थाने में जाकर प्रेमिका की हत्या का जुर्म भी कबूला। इसके बाद पुलिस ने हत्यारे प्रेमी को हिरासत में लेकर वारदात की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि प्रेमी का नाम दिलावर सिंह है, जो पुणे के पिसौली इलाके का रहने वाला है। वहीं मृतक प्रेमिका की पहचान मेरी मल्लेश तेलुगू के रूप में हुई है। उसकी उम्र 26 साल थी। वह शीतला नगर देहुरोड की निवासी थी। वाकड़ इलाके के पुलिस अधिकारी डीसीपी विशाल गायकवाड के द्वारा मिली जानकारी के अनुसार, दिलावर को यह शक था कि उसकी गर्लफ्रेंड मेरी के किसी से नाजायज संबंध चल रहे हैं। आज दोपहर वह मेरी को वाकड़ इलाके के एक लॉज में अपने साथ ले गया।

यहां उसने मेरी का मोबाइल फोन खंगाला। इसके बाद दिलावर का शक हकीकत में बदल गया और उसने चाकू से लगातार हमला करते हुए मेरी को मौत के घाट उतार दिया। इस वारदात को अंजाम देने के बाद दिलावर अपनी गाड़ी से पुणे के कोंडवा इलाके में स्थित पुलिस थाने पहुंच गया और वहां उपस्थित अधिकारियों को उसने हत्या की इस वारदात के बारे में जानकारी दी। इसके बाद कोंडवा पुलिस ने वाकड़ पुलिस को उस घटनास्थल की जानकारी दी। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो मेरी की लाश खून में लथपथ पड़ी हुई थी। मेरी के परिजनों ने दिलावर के खिलाफ वाकड़ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर दिलावर को गिरफ्तार कर लिया। अब पुलिस इस मामले में यह जांच कर रही है कि हत्या के दौरान दिलावर के साथ क्या और भी कोई मौजूद था।

मां का दूध पीते ही बिगड़ी हालत, 4 महीने के मासूम की मौत

मोहाली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब के मोहाली में 4 महीने के बच्ची की मां का दूध पीने के बाद मौत हो गई है। दरअसल, मां ने बच्चे को दूध पिलाने के सुला दिया था। इस बीच अचानक से बच्चे की हालत बिगड़ गई। उसे आनन-फानन में अस्पताल ले गया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मासूम को मृत घोषित कर दिया है। इस घटना ने समाज में बच्चों को लेकर एक नई चिंता पैदा कर दी है। घटना के बाद से ही मृतक के परिवार पर दुखों का पहाड़ दुख पड़ा है। मोहाली के सेक्टर-82 की रहने वाली पूजा नाम की महिला ने अपने 4 महीने के बेटे गोपाल को दूध पिलाकर सुलाया। कुछ देर बाद उसने दूध की उल्टी कर दी, जो कि श्वास नली में फंस गया। इसके बाद सांस रुकने के कारण बच्चों बेहोश हो गया।

ये सब देखकर परिजन काफी घबरा गए। वह तत्काल गोपाल को फेज-6 स्थित सिविल अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस पूरी घटना को लेकर परिवार ने बताया कि बेटे ने हमेशा की तरह आराम से दूध पिया था, लेकिन उल्टी होने से उसकी सांस रुक गई। मृतक बच्चे के पिता ने बताया कि उनकी पहले से बेटियां हैं, बहुत ही मन्नतों के बाद गोपाल का जन्म हुआ था। घटना के बाद से ही बच्चे के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

मानसबल झील में डूबा 9वीं सदी का प्राचीन मंदिर अब आएगा दुनिया के सामने, एएसआई ने की डिजिटल मैपिंग

श्रीनगर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की एक टीम ने उन्नत वैज्ञानिक उपकरणों का उपयोग करते हुए शनिवार को जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले के मानसबल में पानी में डूबे प्राचीन मंदिर का विस्तृत दस्तावेजीकरण किया। बता दें कि केंद्रीय सांस्कृतिक मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने हाल ही में इस मंदिर दौरा किया था। उन्होंने पानी में डूबे इस मंदिर का दस्तावेजीकरण करने के निर्देश दिए थे। शनिवार को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की एक टीम ने प्राचीन मंदिर का दस्तावेजीकरण किया। 9वीं शताब्दी का यह मंदिर जिसकी दो पिरामिड नुमा छतें हैं। स्थानीय पत्थरों से निर्मित है और वर्ष

के अधिकांश समय आंशिक रूप से जलमग्न रहता है। ये कश्मीर में झील के किनारे स्थित एक दुर्लभ स्मारक है। दूर से संचालित वाहनों और उच्च-रिजॉल्यूशन वाले पानी के नीचे के कैमरों जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग करते हुए संरचना का एक सटीक डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया गया। इसके जलमग्न होने के कारणों का अध्ययन करने के लिए झील के तल का मानचित्रण किया है। यह उत्तर भारत के उच्च-ऊंचाई वाले क्षेत्र में पहली अंतर्जलीय पुरातात्विक पहल है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अतिरिक्त महानिदेशक प्रो। आलोक त्रिपाठी के निर्देशन में अंतर्जलीय पुरातत्व विंग की एक समर्पित टीम ने इस रिकॉर्ड को तैयार किया है। इस टीम में डॉ। अपराजिता शर्मा और डॉ। राजकुमारी बारबीना शामिल थीं। यह जांच भविष्य में स्मारक के संरक्षण और इसे पर्यटकों के अनुकूल बनाने के लिए किए जा सकने वाले संरक्षण और आभासी पुनर्निर्माण प्रयासों में सहायक होगी ताकि आगंतुकों के अनुभव को बेहतर बनाया जा सके।

पत्नी की बेवफाई से पति बना हैवान

पहले खिलाई मिठाई और फिर रेत दिया तीन बच्चों का गला

तंजावुर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तंजावुर जिले से हत्या की एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पिता ने अपनी तीन मासूम बच्चों की गला रेतकर हत्या कर दी। इसके बाद थाने पहुंचकर हत्या की बात कबूलते हुए उसने सरेंडर कर दिया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने बच्चों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही आरोपी पिता से पूछताछ शुरू कर दी है। जांच में सामने आया है कि आरोपी नशे का आदी था और उसकी पत्नी ने उसे छोड़ दिया था। तीन बच्चों के हत्याकांड का ये मामला तंजावुर जिले के पट्टुकोट्टई तालुका के गोपालसमुद्रम गांव का है। गांव के रहने वाले आरोपी एस विनोद कुमार मदुक्कुर के पास एक होटल में वेटर का काम करता है। उसकी पत्नी नित्या (35) और दंपति की बेटियां वी ओविया (12), वी कीर्ति (8) और बेटा वी ईश्वरन (5) हैं। ओविया क्लास की स्टूडेंट थी। कीर्ति तीसरी क्लास में पढ़ती है, जबकि बेटा किंडरगार्टन में है। विनोद की पत्नी नित्या को सोशल मीडिया के जरिए मन्नारगुडी इलाके के रहने वाले एक व्यक्ति से प्यार हो गया। पुलिस ने बताया कि छह महीने पहले, जब उसका पति काम पर बाहर गया था, तो वह अपने पति और बच्चों को छोड़कर उस आदमी के साथ भाग गई, जिससे विनोद कुमार सदमे में आ गया। हालांकि, वह उसे भूल नहीं पाया। कुछ दिन पहले वह अपनी पत्नी से मिला और उसे अपने साथ वापस आने के लिए कहा। लेकिन उसने मना कर दिया।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 13 अक्टूबर- 2025

ट्रंप ने माना भारत की ताकत को

अमेरिका के मनोनीत राजदूत सर्जियो गोर के पद संभालने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को उनसे मुलाकात की। इस मुलाकात से दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मुलाकात के दौरान, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी को एक खास तोहफा भेजा - उनके व्हाइट हाउस प्रेस कॉन्फ्रेंस की एक फ्रेम की हुई तस्वीर, जिस पर ट्रंप ने लिखा था, 'मिस्टर प्राइम मिनिस्टर, आप महान हैं!' फिर भी अमेरिका ने रूस से तेल खरीद पर भारत पर लगाए गए अतिरिक्त 25% टैरिफ को हटाने का अब तक कोई संकेत नहीं दिया है। लेकिन इस मुलाकात से भारत और अमेरिका के रिश्तों को सुधारने की कोशिशों को बल मिला है। पीएम मोदी आश्वस्त हैं कि गोर के कार्यकाल में भारत-अमेरिका की व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी। गोर ने खुशी जाहिर की कि वे पीएम मोदी से मिले, जिन्हें ट्रंप अपना 'महान और व्यक्तिगत' दोस्त मानते हैं। गोर ने बताया कि उनकी मुलाकात में रक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। अमेरिका और चीन के बीच दुर्लभ पृथ्वी तत्वों और महत्वपूर्ण खनिजों को लेकर चल रहे विवाद के बीच गोर ने बताया कि ये दोनों देशों के लिए कितने जरूरी हैं। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता जल्द ही पूरी हो सकती है और एक शिखर बैठक भी हो सकती है। इसके सकारात्मक नतीजे आने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री का किसी राजदूत से उनके पदभार ग्रहण करने से पहले मिलना यह दर्शाता है कि भारत और अमेरिका एक व्यापार समझौते के करीब हो सकते हैं। जो मई से रिश्तों में आई गिरावट को दूर करने में मददगार साबित हो सकता है। इससे पहले, पीएम मोदी ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को गाजा शांति योजना की सफलता पर बधाई दी थी। देखना है कि क्या यह बातचीत इस महीने मलेशिया में होने वाले आसियान और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलनों के मौके पर दोनों नेताओं की मुलाकात का रूप ले पाती है। दोनों नेताओं का इन सम्मेलनों में भाग लेने की उम्मीद है। दोनों पक्ष एक द्विपक्षीय बैठक के इच्छुक दिख रहे हैं। अगले कुछ महीनों में क्वाड शिखर सम्मेलन की संभावना को भी नकारा नहीं जा सकता। बता दें कि राजदूत सर्जियो गोर की नियुक्ति को सीनेट ने मंजूरी दे दी है, लेकिन वे फिलहाल केवल 6 दिन की भारत यात्रा पर हैं। यह यात्रा उन्हें अपनी नई जिम्मेदारियों से परिचित कराने के लिए है। वे बाद में अपना पदभार ग्रहण करेंगे। इसी तरह, भारत और कनाडा के रिश्तों में भी सुधार की कोशिशों को बढ़ावा मिला है। खालिस्तान समर्थक अलगाववादी की हत्या के बाद दोनों देशों के रिश्तों में आई खटास को दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद जल्द ही अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मिलेंगी। दोनों देश व्यापार विविधीकरण, ऊर्जा परिवर्तन और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर रणनीतिक सहयोग के लिए एक ढांचा स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधिक मामले

अशोक भाटिया

पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले के दुर्गापुर में एक मेडिकल कॉलेज की द्वितीय वर्ष की छात्रा के साथ गैंगरेप की सनसनीखेज वारदात हुई है। पीड़िता ओडिशा के जलेश्वर की रहने वाली है। शुक्रवार रात कॉलेज परिसर के बाहर आरोपियों ने उसे अगवा कर लिया। उसे जंगल में ले जाकर अपनी हवस का शिकार बनाया। पुलिस ने हमेशा की तरह आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करके इस मामले की जांच शुरू कर दी है।बताया जाता है कि ये घटना उस समय हुई जब छात्रा अपनी एक सहेली के साथ रात का खाना खाने के लिए कॉलेज परिसर से बाहर गई थी। शुक्रवार रात करीब 8 से 8:30 बजे के बीच तीन युवक उनके पास पहुंचे। उन्हें देखकर छात्रा की सहेली घबरा गई और मौके से भाग निकली। इसके बाद आरोपियों ने पीड़िता का मोबाइल फोन छीन लिया और उसे जबरन पास के जंगल में ले गए।वहां तीनों ने छात्रा को अपनी हवस का शिकार बना डाला। दरिंदगी के बाद उन तीनों ने उसे धमकाया गया कि यदि उसने किसी को कुछ बताया तो अंजाम गंभीर होंगे। आरोपी जाते-जाते यह भी कह गए कि मोबाइल वापस चाहिए तो पैसे देने होंगे। इस वारदात के बाद पीड़िता की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। उसे दुर्गापुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। हाल ही में जब आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर के साथ हुए दुष्कर्म और हत्याकांड की पहली बरसी पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और पश्चिम बंगाल के केंद्रीय पर्यवेक्षक अमित मालवीय ने ममता बनर्जी सरकार पर महिलाओं की सुरक्षा में विफल रहने का गंभीर आरोप लगाया था । उन्होंने कहा था कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं और सरकार इस दिशा में ठोस कदम उठाने में नाकाम रही है। श्री मालवीय ने सोशल मीडिया पर एक्स पर शनिवार को आंकड़ों के साथ एक बयान जारी कर कहा कि पश्चिम बंगाल महिलाओं के लिए देश के सबसे असुरक्षित राज्यों में से एक बन गया है। उन्होंने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि वर्ष 2022 में राज्य में महिलाओं के खिलाफ 34 हजार 738 अपराध दर्ज हुए, जिससे यह देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल है। उनके अनुसार, राज्य की अपराध दर 71.8 प्रति एक लाख आबादी है, जो राष्ट्रीय औसत 65.4 से अधिक है। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि अगस्त 2024 तक पश्चिम बंगाल में बलात्कार और पॉक्सो से जुड़े 48 हजार 600 मामले लंबित हैं, जबकि फास्ट-ट्रैक विशेष अदालतें मौजूद हैं। मालवीय के अनुसार, यह ममता बनर्जी सरकार की प्रशासनिक विफलता को दर्शाता है। श्री मालवीय ने कहा, "ममता बनर्जी के नेतृत्व में बंगाल की महिलाएं असुरक्षित, अनसुनी और उपेक्षित हैं। राज्य को केवल जवाब नहीं, जवाबदेही चाहिए। 2026 में उन्हें सत्ता से बाहर करना ही एकमात्र रास्ता है।" उन्होंने कहा कि आरजी कर घटना के एक वर्ष बाद भी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है।

गौरतलब है कि बंगाल एकमात्र ऐसा स्थान है जोकि आदिशक्ति मां दुर्गा की आराधना करने के लिए प्रसिद्ध है। वहां का दुर्गा पूजा विश्व प्रसिद्ध है। ऐसे में वहां से यह ख़बर आना कि एक महिला चिकित्सक के साथ वीभत्स कार्य हुआ है। यह काफ़ी झकझोर देने वाला है। महिलाएं इस सृष्टि के सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनके साथ ऐसा जघन्य पाप किसी भी सभ्य समाज के लिए कलंक है। बंगाल में यह पहली घटना नहीं है। कुछ महीनों पहले संदेशखाली की घटना ने भी राज्य के मुख पर कालिख पोता था। फ़िर सोशल मीडिया पर तमाम वीडियो डाले गए जहां जानवरों से भी ज्यादा बेकार महिलाओं के पीटा जा रहा था। उसके बाद महिला चिकित्सक से हुई यह घटना काफ़ी निंदनीय है। यह देखकर काफ़ी खुशी होती है कि इसके विरोध में महिलाएं सड़कों पर उतर आयीं है। हालांकि यह संघर्ष केवल महिलाओं का ही नहीं है इसके साथ पुरूषों को भी यह समझने की जरूरत है कि स्त्रियां कोई वस्तु नहीं है। जिनका की वह उपभोग करके के छोड़ दें। उन्हें यह भी समझने की जरूरत है कि यदि रक्तबीज रूपी पिशाच उनके आवरूह को गंदा करने की कोशिश करेगा। तो वही स्त्री चंडिका का रूप धर के उनका संहार करने में सक्षम है। ममता बनर्जी खुद महिला हैं। उनको महिलाओं की वेदना समझना चाहिए। क्योंकि महिला ही यदि महिला के साथ नहीं खड़ा होगी। तो गिद्ध दृष्टि वाले उनको अपने हवस का शिकार करने के लिए तो बैठे ही हैं। इसके वाला छद्म नारीवाद का चोला पहनने वाली स्त्रियां ही विरोध प्रदर्शन को हवा नहीं देंगी। तो यह दुष्कृत्य ऐसे ही होते रहेंगे।अगर आप सभ्यता का चोला पहनने हैं। अपने देश में महिलाओं के साथ हो रहे अन्याय पर नहीं बोलते हैं तो आप भी बराबर के अपराधी हैं। पार्टी ,राजनीति, विचारधारा से ऊपर उठकर मणिपुर, संदेशखाली, हाथरस और ऐसे तमाम कृत्यों की निंदा करें। इसलिए नहीं की वह आपका व्यक्तिगत मामला नहीं है। बल्कि इसलिए, की आपके अंदर मानवीय संवेदना जीवित है। आपके घर परिवार में स्त्रियां हैं। जो यह गर्व से कह सकें कि आप उस श्रेणी का हिस्सा नहीं हैं। जोकि महिलाओं को जीव कम पशु ज्यादा समझते हैं। एनसीआरबी के रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं के खिलाफ अपराधों के संदर्भ में 2022 में पश्चिम बंगाल में प्रति एक लाख की दर के हिसाब से अपराध दर 71.8 थी। एनसीआरबी अपराध दर की गणना प्रति एक लाख जनसंख्या के आधार पर दर्ज करता है। यानी पश्चिम बंगाल में प्रति एक लाख महिलाओं ने 71.8 अपराध के मामले दर्ज करवाए। ये आंकड़ा उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों से अधिक था। उत्तर प्रदेश में यह दर 58.6 और बिहार में यह दर 33.5 थी। देखा जाय तो भारत में महिलाओं के ख़िलाफ़ अपराध दर हरियाणा (118) में सबसे ज्यादा है। इसके बाद तेलंगाना (117) और पंजाब (115) का नंबर आता है।दिल्ली में महिलाओं के ख़िलाफ़ अपराध दर 144 है जो हरियाणा के आंकड़े से भी अधिक है।एनसीआरबी के वर्ष 2022 के आंकड़ों के मुताबिक नागालैंड में महिलाओं के खिलाफ अपराध दर सबसे कम 4.6 है।मणिपुर में यह अपराध दर 15.6 दर्ज की गई और तमिलनाडु में यह दर 24 दर्ज की गई जो भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराध की सबसे कम दरों में से हैं। प्रसिद्ध वकील वृंदा ग्रोवर कहती हैं कि भारत में महिलाओं के ख़िलाफ़ हिंसा शायद सबसे कम रिपोर्ट की जाती है।महिलाओं और ट्रांस समुदाय के अधिकारों के लिए समर्थन करने वाली महिला निधि साउथ एशिया वूमेन्स फ़ाउंडेशन की को-फ़ाउंडर सुनीता धर कहती हैं, "अपराध दर और दर्ज कराए आपराधिक मामले ज़रूरी नहीं कि सभी हो रहे अपराधों की वास्तविकता बयां करें।"सुनीता कहती हैं, "इस बात पर गौर करने की जरूरत है कि डर के कारण कई राज्यों में अपराधों की रिपोर्टिंग में कमी हो सकती है।"वह कहती हैं, "अधिक अच्छे समाज और लिंग आधारित हिंसा के प्रति अधिक जागरूकता रखने वाले समाज में यह मामले सामान्य बात है। महिलाएं ऐसी बातें बोलने के लिए सुरक्षित जगह खोजती हैं। भारत में समाज में अपमानित होने के डर से ऐसे अपराधों की रिपोर्ट करना मुश्किल है।" सुनीता कहती हैं, इनमें से कई कारण दिल्ली जैसे शहरों में बड़ी संख्या में रिपोर्टों में योगदान करते हैं, जहां हिंसा से बचे लोगों के लिए अधिक मजबूत समर्थन नेटवर्क और सेवाएं हैं। आधिकारिक आंकड़े अक्सर वास्तविक हालात को नहीं दिखाते हैं, खासकर जब अपराधी परिवार का सदस्य हो, 2022 के एनसीआरबी के आकड़ों के मुताबिक महिलाओं के खिलाफ अपराध का डेटा देखने पर यह मालूम चलता है कि तमिलनाडु के कोयंबटूर और चेन्नई में आपराधिक दर पश्चिम बंगाल के कोलकाता की आपराधिक दर से कम थी।

लद्दाख राजनीति नहीं राष्ट्रनीति का विषय है

राज कुमार सिंह

विज्ञान, शिक्षा और पर्यावरण के क्षेत्र में नवाचार के लिए दुनिया में सम्मानित सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) में गिरफ्तारी पर तो सर्वोच्च न्यायालय 14 अक्तूबर को सुनवाई करेगा, लेकिन प्राकृतिक सौंदर्य के लिए चर्चित और रणनीतिक रूप से संवेदनशील लद्दाख की अशांति गंभीर चिंता का विषय है। वांगचुक अपने ही देश में नायक से खलनायक बन गये हैं। 2009 की लोकप्रिय फिल्म 'थ्री ईडियट्स' उन्हीं से प्रेरित थी। लद्दाख को राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को ले कर पांच साल से जारी आंदोलन में 24 सितंबर को भड़की हिंसा के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए दो दिन बाद गिरफ्तार कर वांगचुक को जोधपुर जेल भेज दिया गया। एक-के-बाद-एक हमारे सीमावर्ती क्षेत्र अशांति के शिकार हो रहे हैं। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरनाक है।

असंतोष देर-सवेर अलगाव की भावना का कारण बनता है या निहितस्वार्थी तत्वों द्वारा बना दिया जाता है। 1947 में विभाजन के साथ मिली आजादी के बाद पाकिस्तानी कबाइलियों ने घुसपैठ की साजिश लद्दाख की ओर से ही रची थी। भारतीय सेना ने पाक घुसपैठियों को खदेड़ कर द्रास, कारगिल और लद्दाख को मुक्त कराया था। चीन ने भी 1949 में नुब्रा घाटी और शिंजियांग के पुराने व्यापारिक मार्ग को बंद कर 1955 में शिंजियांग और तिब्बत को जोड़ने के लिए सड़क निर्माण शुरू किया। बाद में चीन ने पाकिस्तान के लिए कराकोरम हाईवे भी बनाया। दरअसल जम्मू-कश्मीर (लद्दाख भी जिसका 2019 तक अंग था) लंबे समय से पाकिस्तान और चीन के साथ भारत के विवाद का केंद्र बना हुआ है। 1947,1965,1971 और 1999 में हुए युद्धों का केंद्र भी वही रहा। हम हर साल 26 जुलाई को जो 'कारगिल विजय दिवस' मनाते हैं, पाक सेना की उस घुसपैठ की सूचना हमारी सेना को वहां के गड़रियों ने ही दी थी। इसलिए जलवायु संरक्षण के लिए अपरिहार्य लेह-लद्दाख भारत की सुरक्षा के लिए भी संवेदनशील और महत्वपूर्ण है। टैरिफ वॉर पर अमेरिका से तनातनी के बीच चीन से फिर पींगें बढ़ाने की कूटनीतिक में उसके विश्वासघाती चरित्र को भुला देना आत्मघाती हो सकता है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भी चीन पूरी तरह पाकिस्तान के साथ यानि भारत के विरुद्ध खड़ा था। इस भू-राजनीतिक वास्तविकता के बावजूद, कुछ स्वाभाविक मांगों को ले कर वहां के स्थानीय लोगों द्वारा पांच साल से चलाये जा रहे शांतिपूर्ण आंदोलन में अचानक हिंसा से उठे सवाल जवाब मांगते हैं। पर्यटन पर निर्भर आजीविकावाले लद्दाखी मेहमाननवाजी से ले कर राष्ट्रभक्ति तक तमाम सकारात्मक चीजों के लिए जाने जाते हैं। वे पर्यावरण के संरक्षण के लिए समर्पित और निरंतर प्रयासरत भी हैं। हाल के दशकों में लद्दाख में विज्ञान, शिक्षा और पर्यावरण के क्षेत्र में तमाम नवाचार के नायक सोनम वांगचुक रहे हैं। उन्होंने सेना के लिए माइनस डिग्री तापमान में आराम से रहने-सोने के लिए विशेष टेंट बनाये तो जल संरक्षण के लिए कृत्रिम ग्लेशियर का प्रयोग भी किया। इधर विदेशी पुरस्कारों- सम्मानों को भारत विरोधी साजिशों से जोड़ कर देखने-दिखाने की प्रवृत्ति बढ़ी है, लेकिन अगर खुलासे किसी आंदोलन-अनशन के बाद किये जायें तो उनकी विश्वसनीयता पर सवालिया निशान लगते हैं। वांगचुक की छवि राजनीति से इतर वैज्ञानिक, शिक्षाविद् और पर्यावरणविद् की रही है। 2019 में जब नरेंद्र मोदी सरकार ने विशेष दर्जा देनेवाली धारा-370 हटाते हुए जम्मू-कश्मीर को दो केंद्रशासित क्षेत्रों: जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख में विभाजित किया, तब वहां से समर्थन में उठनेवाली (भाजपा के अलावा) सबसे मुखर आवाज सोनम वांगचुक की ही थी। शायद इसलिए भी कि जम्मू-कश्मीर की सत्ता-राजनीति में लद्दाख की आवाज अकसर अनुसुनी ही रही। भाजपा भी लद्दाख को जम्मू-कश्मीर से अलग करने की मुखर समर्थक रही।

जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित क्षेत्रों में विभाजित करते समय जल्द ही दोनों को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का वायदा किया गया था।

डोनाल्ड ट्रम्पः एक सुन्दर सपना टूट गया

ऋतुपर्ण दवे

बड़बोले डोनाल्ड ट्रम्प को नोबेल पुरुस्कार नहीं मिला। अपने मुंह मिया मिट्ठू बनने वाले ट्रम्प को भी नोबेल पुरुस्कार नहीं मिला। अपने लिए नोबेल पुरुस्कार मांगने वाले और इसके लिए दावे दावे करने वाले वाले ट्रम्प को भी नोबेल पुरुस्कार नहीं मिला। शांति के नोबेल पुरुस्कार के लिए चंद देशों से खुद को नामित कराने वाले अड़ीबाज ट्रम्प के मुकाबले बेहद कम चर्चित और दुनिया में अलग पहचान रखने वाली एक महिला को मिलना शायद ट्रम्प को उनकी असलियत या औकात बताने को काफी है। दरअसल ट्रम्प की दावेदारी और पुरुस्कार न मिलने पर बजाए खुलकर बोलने के लोग, उनके घमण्ड, धौंस, धमक और दादागीरी को वजह बताते हैं जो नोबेल शांति के रूप में नहीं मिला। वैसे भी हर पुरुस्कार के लिए नियम होते हैं, लंबी फेहरिस्त होती है और कारण होते हैं। ट्रम्प कहीं से भी इसमें फिट नहीं बैठते थे। लेकिन उन्हें अमरीका का राष्ट्रपति होने का गुमान था इसीलिए वो यह जानते हुए भी कि पुरुस्कार के लिए नामित होने और औपचारिकताओं के पूरा करने की प्रक्रिया को भी शायद अपनी धौंस से धता बताने की जुगाड़ में थे, जो हो न सका। यह भी सच है कि शायद यह पहला मौका होगा जब पुरुस्कार मिलने वाले के नाम की चर्चा के बजाए न मिलने वाले का नाम और उसका रंज सुर्खियों में है। अब ट्रंप भले ही लगातार अपना दावा जता रहे हों और कहते फिर रहे हों कि कि अमेरिका में जिन भी लोगों को नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया, वो ज्यादातर विवादित ही रहे। ट्रम्प भला क्या कम विवादित हैं? अमेरिका के राष्ट्रपति बनाम वहां के बड़े बिजनेसमैन डोनाल्ड ट्रंप इस बार सत्ता में आने के साथ ही खुद को शांति का स्वयंभू मसीहा बताते नहीं अघाते हैं। वो भारत-पाकिस्तान, रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमास जंग समेत आठ युद्धविराम या समझौते कराने का दावा करते हैं। जबकि दुनिया हकीकत जानती है कि इन सभी जगहों पर अभी कितनी शांति है? इस बार का नोबेल शांति पुरुस्कार नॉर्वेनियन नोबेल कमेटी ने वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को देना तय किया। यह वेनेजुएला के लोगों के लिए लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने और तानाशाही को लोकतंत्र की ओर शांतिपूर्ण और न्यायपूर्ण बदलाव के लिए किए गए अथक संघर्ष का सम्मान है। नोबेल समिति के अध्यक्ष यॉर्गन वाटने फ्रिडनेस ने मारिया कोरिना मचाडो को एक ऐसी प्रमुख और एकजुट करने वाली शख्सियत बताया जिन्होंने पहले गहरे विभाजित विपक्ष को एकजुट किया फिर स्वतंत्र चुनावों और प्रतिनिधि सरकार की मांग में समान आधार स्थापित करने का कठिन काम किया। अपने प्रयासों की कामियाबी के लिए मारिया कोरिना मचाडो को छिपकर रहने पर भी मजबूर होना पड़ा। लेकिन जान को गंभीर खतरों के बावजूद उन्होंने अपना देश नहीं छोड़ा और दुनिया भर में शांति के पक्षधर लाखों लोगों का प्रेरित किया। मारिया का मानना है कि जब सत्तावादी लोग सत्ता हथिया लेते हैं, तो स्वतंत्रता के ऐसे साहसी रक्षकों को पहचानना जरूरी है जो उठ खड़े हों और विरोध करें। लोकतंत्र उन्हीं लोगों पर निर्भर करता है जो चुप रहने के बजाए गंभीर जोखिमों के बावजूद आगे बढ़ते रहने का दुस्साहस करते हैं। यह याद दिलाता है कि स्वतंत्रता को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए, बल्कि हमेशा उसकी रक्षा करनी चाहिए। इसके लिए दृढ़ इच्छा शक्ति और शब्दों के सामर्थ्य का इस्तेमाल जरूरी है। ट्रम्प भले ही दुनिया का दारोगा कहलाएं लेकिन उन्हें मारिया के सिध्दांतों और धारणाओं से काफी कुछ सीखने की जरूरत है। यह सही है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में तो शुरुआत से ही शांति के नोबेल पुरुस्कार का सपना संजोए बैठे थे। उनका हर मंच पर दावा कि उन्होंने ही आठ युद्ध रुकवाए हैं यही बताता है।

पूर्व राष्ट्रपति ओबामा की आलोचना करना और कहना कि बिना किसी कारण के उन्हें नोबेल मिला मैंने तो 8-8 युद्ध रुकवाए अहंकार नहीं तो क्या है? लेकिन वो भूल गए कि उनके दावे नोबेल शांति पुरस्कार के नामांकन की समय-सीमा के बाद के हैं। ऐसे में संभव है कि यह उनकी चालाकी हो और अगले साल के अपने दावे को पुख्ता करने की रणनीति हो! दुनिया जानती है कि ट्रम्प कहते कुछ हैं, करते कुछ हैं। कहा तो यह तक जाने लगा है कि ट्रम्प को यह भी नहीं पता अगले पल वो क्या कर बैठें, बहरहाल यह उनका अपना मामला है वो जाने। हां, नोबेल कमेटी की निना ग्रेगर ने यह जरूर कहा कि नोबेल के फैसले पर गाजा सीजफायर का असर नहीं होगा, लेकिन अगर यह शांति स्थायी रही, तो अगले साल ट्रंप की दावेदारी मजबूत हो सकती है। वहीं, नोबेल कमेटी के अध्यक्ष जोएर्गन वाटने फ्राइडनेस ने कहा कि पुरस्कार पर फैसला काम के आधार पर किया जाता है। अब ऐसा भी नहीं है कि अमरीका जैसे देश सशक्त देश के राष्ट्रपति को इतना भी भान न हो? अब एक पुराना और चौंकाने वाला वाकया सुर्खियों में है। जब एडॉल्फ हिटलर को शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करने की कोशिश हुई। इससे हर कोई असहज हुआ होगा। उनके क्रूर होने के किस्से-कहानियां इतिहास की किताबों में दर्ज है। क्या उनके नाम कभी प्रस्तावित हुआ? दरअसल एक तीखी व्यंग्यात्मक आलोचना के रूप में जरूर उनका प्रस्ताव स्वीडिश संसद के एक सदस्य, एरिक ब्रांट ने 27 जनवरी 1939 को नोबेल समिति को भेजा ब्रांट एक समाजिक-लोकतांत्रिक राजनेता थे। यह उनका स्वीडिश राजनीतिज्ञों की प्रवृत्ति पर कटाक्ष और व्यंग था जो तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री नेविल चेम्बरलेन की शांति-नीति की तारीफ करते नहीं अघाते थे। जब चेम्बरलेन की शांति के लिए खूब स्तुति हो सकती है, तो हिटलर को भी यूरोप में युद्ध के खतरों लिए नामांकित कर दीजिए। लेकिन सार्वजनिक प्रतिक्रियाओं, आलोचनाओं और गलतफहमियों से घिरता देख ब्रांट ने अपना नामांकन औपचारिक रूप से वापस भी ले लिया। नोबेल पुरस्कार की स्थापना बिजनेसमैन, एंटरप्रेन्योर और वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल की मृत्यु के बाद हुई जिन्होंने अपनी ज्यादातर संपत्ति कई क्षेत्रों में पुरस्कारों के लिए छोड़ी थी। सन 1895 में अपनी वसीयत में कहा था कि ऐसे पुरस्कार उन्हें दिया जाना चाहिए जिन्होंने पिछले साल मानव जाति के लिए सबसे बड़ा उपकार किया हो। शुरुआत 1901 में हुई जो जारी है। केवल प्रथम विश्व युद्ध के दौरान 1914 से 1918 तक और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 1939 से 1945 में यह नहीं दिए गए। पुरस्कार भौतिकी, रसायन विज्ञान, चिकित्सा या शरीरक्रिया विज्ञान, साहित्य, शांति और आर्थिक विज्ञान क्षेत्र में दिए जाते हैं। शांति पुरस्कार ऐसा अकेला है जिसका फैसला नॉर्वे की संसद की तरफ से चुने गए पांच सदस्यों की एक समिति की करती है। समिति ओस्लो में है पुरस्कार वहीं देते हैं। इसमें एक डिप्लोमा, सोने का मेडल और 11 मिलियन स्वीडिश मुद्रा (10.36 करोड़ रुपये) दी जाती है। नियमानुसार पुरस्कार देने और न देने की वजह अगले 50 सालों तक नहीं बताई जाती है। काश ट्रम्प काश इतना इंतजार कर पाते? फिलाहाल यह देखना होगा कि तिलमिलाए ट्रम्प आगे भी शांति दूत बने रहेंगे या दुनिया की शांति हरेंगे क्योंकि उनकी खीझ, खिसियाहट, टैरिफ वार और बॉडी लैंग्वेज कुछ और ही इशारा कर रही है?

अहोई माता : संतान के जीवन में मंगल करने वाली शक्ति

योगेश कुमार गोयल

करवा चौथ के चार दिन पश्चात और दीवाली से ठीक एक सप्ताह पहले भारत में हिन्दू समुदाय में एक प्रमुख त्यौहार 'अहोई अष्टमी' मनाया जाता है, जो प्रायः वही स्त्रियां करती हैं, जिनके संतान होती है किन्तु अब यह व्रत निसंतान महिलाएं भी संतान की कामना के लिए करती हैं। 'अहोई अष्टमी' व्रत प्रतिवर्ष कार्तिक कृष्ण अष्टमी को किया जाता है और इस वर्ष यह पर्व 13 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। स्त्रियां दिनभर व्रत रखती हैं। सायंकाल से दीवार पर आठ कोष्ठक की पुतली लिखी जाती है। उसी के पास सेई और सेई के बच्चों के चित्र भी बनाए जाते हैं। पृथ्वी पर चौक पूरकर कलश स्थापित किया जाता है। कलश पूजन के बाद दीवार पर लिखी अष्टमी का पूजन किया जाता है। फिर दूध-भात का भोग लगाकर कथा कही जाती है। आधुनिक युग में अब बहुत सी महिलाएं दीवारों पर चित्र बनाने के लिए बाजार से अहोई अष्टमी के रेडीमेड चित्र खरीदकर उन्हें पूजास्थल पर स्थापित कर उनका पूजन करती हैं। कार्तिक कृष्ण अष्टमी को महिलाएं अपनी संतान की दीर्घ आयु तथा उनके जीवन में समस्त संकटों या विध्न-बाधाओं से उनकी रक्षा के लिए यह व्रत रखती हैं। कुछ स्थानों पर इस दिन धोबी मारन लीला का भी मंचन होता है, जिसमें श्रीकृष्ण द्वारा कंस द्वारा भेजे गए धोबी का वध करते प्रदर्शन किया जाता है। अहोई माता के रूप में अपनी-अपनी पारिवारिक परम्परानुसार लोग माता पार्वती की पूजा करते हैं।

अहोई अष्टमी व्रत के संबंध में कुछ कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक कथानुसार प्राचीन काल में किसी नगर में एक साहूकार रहता था। उसके सात लड़के थे। दीपावली से पहले साहूकार की स्त्री घर की लीपा-पोती हेतु मिट्टी लेने खदान में गई और कुदाल से मिट्टी खोदने लगी। दैव योग से उसी जगह एक सेह की मांद थी। सहसा उस स्त्री के हाथ से कुदाल सेह के बच्चे को लग गई, जिससे सेह का बच्चा तत्काल मर गया। अपने हाथ से हुई हत्या को लेकर साहूकार की पत्नी को बहुत दुख हुआ परन्तु अब क्या हो सकता था? वह पश्चाताप करती हुई शोकाकुल अपने घर लौट आई। कुछ दिनों बाद उसके बेटे का निधन हो गया। फिर अकस्मात दूसरा, तीसरा और इस प्रकार वर्ष भर में उसके सभी बेटे मर गए। महिला अत्यंत व्यथित रहने लगी। एक दिन उसने अपने आस-पड़ोस की महिलाओं को विलाप करते हुए बताया कि उसने जानबूझकर कभी कोई पाप नहीं किया। हां, एक बार खदान में मिट्टी खोदते हुए अनजाने में उससे एक सेह के बच्चे की हत्या अवश्य हुई है और तत्पश्चात मेरे सातों बेटों की मृत्यु हो गई। यह सुनकर पास-पड़ोस की वृद्ध औरतों ने साहूकार की पत्नी को दिलासा देते हुए कहा कि यह बात बताकर तुमने जो पश्चाताप किया है, उससे तुम्हारा आधा पाप नष्ट हो गया है। तुम उसी अष्टमी को भगवती माता की शरण लेकर सेह और सेह के बच्चों का चित्र बनाकर उनकी आराधना करो और क्षमा-याचना करो। ईश्वर की कृपा से तुम्हारा पाप धुल जाएगा। साहूकार की पत्नी ने वृद्ध महिलाओं की बात मानकर कार्तिक मास की कृष्णपक्ष की अष्टमी को उपवास व पूजा-याचना की। वह हर वर्ष नियमित रूप से ऐसा करने लगी। बाद में उसे सात पुत्र रत्नों की प्राप्ति हुई। तभी से अहोई व्रत की परम्परा प्रचलित हो गई। अहोई व्रत के संबंध में एक और कथा प्रचलित है। बहुत समय पहले झांसी के निकट एक नगर में चन्द्रभान नामक साहूकार रहता था। उसकी पत्नी चन्द्रिका बहुत सुंदर, सर्वगुण सम्पन्न, सती साध्वी, शीलवन्त, चरित्रवान तथा बुद्धिमान थी। उसके कई पुत्र-पुत्रियां थे परन्तु वे सभी बाल अवस्था में ही परलोक सिधार चुके थे। दोनो पति-पत्नी संतान न रह जाने से बहुत व्यथित रहते थे। वे दोनों प्रतिदिन मन ही मन सोचते कि हमारे मर जाने के बाद इस अपार धन-सम्पदा को कौन संभालेगा? एक बार उन दोनों ने निश्चय किया कि वनवास लेकर शेष जीवन प्रभु-भक्ति में व्यतीत करें। यही विचार कर दोनों अपना घर-बार त्यागकर वनों की ओर चल दिए। रास्ते में जब थक जाते तो रूककर थोड़ा विश्राम कर लेते और फिर चल पड़ते। इस प्रकार धीरे-धीरे वे बद्रिका आश्रम के निकट शीतल कुण्ड जा पहुंचे। वहां पहुंचकर दोनों ने निराहार रहकर प्राण त्यागने का निश्चय कर लिया। निराहार व निर्जल रहते हुए जब उन्हें सात दिन हो गए तो आकाशवाणी हुई कि तुम दोनों प्राणी अपने प्राण मत त्यागो। यह सब दुख तुम्हें तुम्हारे पूर्व पापों से भोगना पड़ा है। यदि तुम्हारी पत्नी कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष में आने वाली अहोई अष्टमी को अहोई माता का व्रत और पूजन करे तो अहोई देवी प्रसन्न होकर साक्षात दर्शन देंगी। तुम उनसे दीर्घायु पुत्रों का वरदान मांग लेना। व्रत के दिन तुम राधाकुण्ड में स्नान करना। चन्द्रिका ने आकाशवाणी के बताए अनुसार विधि-विधान से अहोई अष्टमी को अहोई माता का व्रत और पूजा-अर्चना की और तत्पश्चात राधाकुण्ड में स्नान किया। जब वे स्नान इत्यादि के बाद घर पहुंचे तो उस दम्पत्ति को अहोई माता ने साक्षात दर्शन देकर वर मांगने को कहा। साहूकार दम्पत्ति ने हाथ जोड़कर कहा, ''हमारे बच्चे कम आयु में ही परलोक सिधार जाते हैं। आप हमें बच्चों की दीर्घायु का वरदान दें।'''''तथास्तु!'' कहकर अहोई माता अंतर्ध्यान हो गई। कुछ समय के बाद साहूकार दम्पत्ति को दीर्घायु पुत्रों की प्राप्ति हुई और वे सुखपूर्वक अपना गृहस्थ जीवन व्यतीत करने लगे।

जश्ने जीएसटी और दिवाली धमाका

डॉ टी महादेव राव

भैया! ज्यादा देर सुबह सुबह पार्क में सैर के बाद बैठ नहीं पाऊँगा। घर पर कोई मिलने आ रहा है।

अच्छा सुबह सुबह कोई रिश्तेदार आ रहा है क्या?

न भैया। बैंक के एजेंट को बुलाया है कर्ज़ लेना है पाँच लाख का।

अचानक ऐसी कौन सी ज़रूरत आन पड़ी कि तुम्हें कर्ज़ लेना पड़ रहा है? घर में सब ठीक तो है न? कहीं दीवाली पर फ्लॅट की मरम्मत, पेंटिंग तो नहीं करवा रहे हो?

अभी जनवरी में ही तो मरम्मत और पेंटिंग का काम करवाया हूँ।

तो फिर ये इतने पैसों की जरूरत कैसे आन पड़ी?

भैया सरकार के तथाकथित जीएसटी कम किए जाने के जश्न ने और दीपावली के शॉपिंग आफ़रों ने मेरे घर पर धावा बोला है और मेरा सारा बैंक बैलेन्स, क्रेडिट कार्डों की खर्चने की सीमा को खत्म कर दिया इस जीएसटी और आफ़रों ने।

साफ साफ बताओगे या यूं ही पहेलियों में बात करोगे?

आप तो जानते हैं जीएसटी कम होने का नाटक अखबारों में दो तीन पेज का विज्ञापन छपा, और चार पेज तरह तरह के घरेलू उपकरण, कार, स्कूटी, टीवी, मोबाइल और न जाने क्या क्या छापे हैं। उन्होंने ऐसे लुभावने आफर दिये हैं, कीमतें कम करने का जो स्वांग रचा है कि समान मासिक किश्त, पच्चीस हज़ार रुपये कैश बैक, पुरानी चीजों को वापस करने पर अच्छी कीमत, सारी चीजों पर दो साल की वारंटी या गारंटी।

इसमें फँसकर मेरा पूरा परिवार मेरे खिलाफ हो गया है। मैं कहता कि जब हमारे पास सारी चीज़ें पहले से ही हैं तो नया क्यों खरीदना? पैसों की बरबादी है न?

सही तो कहा तुमने। फिर क्या हुआ? क्या रूपा ने तुम्हारा सपोर्ट नहीं किया?

सबसे पहले वही कहने लगी फ्रिज पुरानी हो गई है, मोबाइल भी पुराना हो गया है। इन दोनों को बदलकर नई ले लेते हैं। देखा देखी बेटे ने कहा पापा पुरानी कार और स्कूटी भी बदलकर क्यों न इलेक्ट्रिक कार और स्कूटी ले लें? बेटी ने कहा यह बयालीस इंच की पुरानी टीवी बदलकर नई तिरेसठ इंच की टीवी ले लें पापा जैसा कि मेरे सहेली सिंधु के घर में है। मैंने कहा इन सब के लिए कितने पैसे चाहिए जानते हो? वे बोले पापा जीएसटी कम हुआ है, रियायतें भी मिल रही हैं, आपके पास दस लाख तक के क्रेडिट कार्ड हैं, डेबिट कार्ड में भी दस एक लाख हैं। आप गरीबी का रोना क्यों रोते हैं? और तीनों मिलकर मेरे सारे कार्ड ले लिए और शॉपिंग करने जाएंगे। मैंने एहतियात के तौर पर कुछ पैसे लोन लेने का फैसला किया है। लगता है जीएसटी के साथ विकास कर रहे हैं हम लोग। कल को वे पूछेंगे बाटाओ कभी पिछली सर्कारोन के कार्यकाल में जीएसटी कम हुआ है? हमने जीएसटी कम की और विकास कर रहे हैं। बोलो अच्छे दिन आ गए कि नहीं?

जीएसटी आपने शुरू की आठ साल पहले और निचोड़ निचोड़ कर दोहरा तिहरा पैसा लिया गया है। अन थोड़ा कम करके विकास का नाटक। यह तो वही बात हुई कि मारे दस जूते और फिर माफी मांगते हये गाल पर मरहम लगाए।

लेकिन छोटू! यह गुजराती सेठ का दिमाग है। चित भी मेरा, पट भी मेरा आन्टा मेरे बाप का वाली कहावत सिद्ध करने में लगे हैं। रुको , देखते हैं और क्या क्या कमाल करते हैं। वैसे बिहार में बंदरबांट और सीटों के लिए लड़ाई अपने चरम पर है।

अनोखा है भगवान विष्णु का यह मंदिर, चमत्कारी पत्थर बताता है मनोकामना पूरी होगी या नहीं

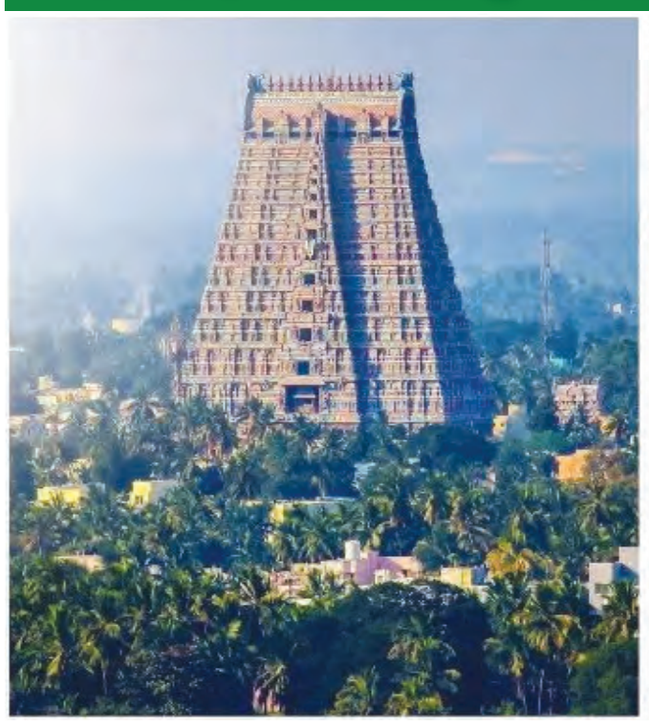

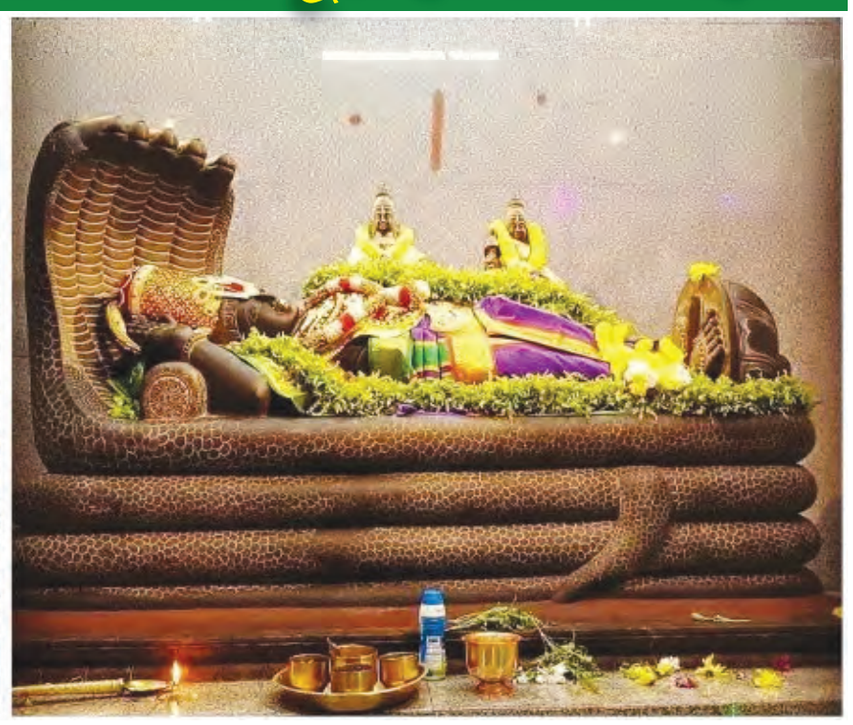

दक्षिण भारत में भगवान विष्णु को अलग-अलग रूपों में पूजा जाता है और हर मंदिर की अपनी अनोखी मान्यता है। कहीं भगवान विष्णु एक ईंट पर खड़े होकर भक्तों का इंतजार कर रहे हैं तो कहीं दिव्य पत्थर को ही भगवान मानकर पूजा जा रहा है। कर्नाटक के अमरागिरि के पास स्थित श्री गुड्डदा रंगनाथस्वामी मंदिर भी अपने दिव्य पत्थर के लिए प्रसिद्ध है। माना जाता है कि दिव्य पत्थर से ये पता किया जा सकता है कि भक्तों की इच्छा पूरी होने वाली है या नहीं।

12वीं शताब्दी में बना रंगनाथस्वामी मंदिर श्री गुड्डदा रंगनाथस्वामी मंदिर कर्नाटक के हसन जिले के चन्नरायपेटा गांव के चिक्कोनहल्ली में है। माना जाता है कि मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी के दौरान हुआ था। मंदिर की बनावट भी बहुत पुरानी है, जो दक्षिण भारत की कला और संस्कृति को दर्शाती है। इस मंदिर को बनाने का श्रेय संत और धर्मगुरु श्री रामानुजाचार्य को दिया जाता है।

रंगनाथस्वामी मंदिर की कथा

माना जाता है कि श्री रामानुजाचार्य जब मेलुकोटे आए थे तो रात को रुकने के लिए चिक्कोनहल्ली स्थान को चुना। उन्हें वहां भगवान विष्णु के होने का अहसास मिला। उन्होंने ये बात अपने नगर के लोगों से कही और भगवान विष्णु का मंदिर बनाने के लिए कहा।

संत और धर्मगुरु श्री रामानुजाचार्य की बात मानकर लोगों ने वहां भगवान विष्णु की स्थापना की और रोज उनकी पूजा करने लगे। मंदिर में विष्णु भगवान की प्रतिमा भी अद्भुत है, जो भगवान राम के धनुष अवतार से मिलती है, लेकिन बाद में मुगल काल के दौरान मंदिर रंगनाथस्वामी स्वामी को समर्पित कर दिया गया।

कहा जाता है कि ये फैसला मंदिर को आक्रमणकारियों से बचाने के लिए लिया गया। मुगल काल के दौरान आक्रमणकारियों ने इस मंदिर में घुसकर तोड़फोड़ भी की, जिसके बाद मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया।

ये मंदिर पहाड़ की चोटी पर बना है, जिसकी वजह से मंदिर का नाम श्री गुड्डदा रंगनाथस्वामी मंदिर पड़ा। साउथ में गुड्डदा को पहाड़ कहते हैं।

चमत्कारी पत्थर बताता है, मनोकामना पूरी होगी या नहीं

इस मंदिर में एक पत्थर भी है, जिसे चमत्कारी और रहस्यमयी माना जाता है। भक्तों की पत्थर को लेकर मान्यता है कि जो भी पत्थर पर बैठकर मन्नत मांगता है, तो पत्थर खुद बता देता है कि मन्नत पूरी होगी कि नहीं।

चमत्कारी पत्थर भी संत रामानुजाचार्य से जुड़ा है, वो इसे तकिए की तरह इस्तेमाल करते थे। ये पत्थर इतनी तेजी से घूमता है और इस पर बैठने वाला इंसान भी अपनी जगह से हिल जाता है। अगर पत्थर बाईं तरफ जाएगा तो मन्नत पूरी होगी और अगर पत्थर दाईं तरफ जाएगा तो मन्नत पूरी नहीं होगी।

नरक चतुर्दशी पर चौमुखी दीया से करें उपाय... दूर हो जाएगा अकाल मृत्यु का डर!

दीप और खुशियों के महापर्व दीपावली से पहले नरक चतुर्दशी का पर्व मनाया जाता है। इसे 'छोटी दिवाली' या 'यम चतुर्दशी' के नाम से भी जानते है। इस दिन शास्त्रों में यमराज के पूजन का विधान बताया गया है। यमराज को जीवन-मृत्यु के संतुलन का अधिपति माना जाता है। इस दिन शाम के समय यम के नाम का दीपक जलाया जाता है। इससे अकाल मृत्यु के भय से मनुष्य को मुक्ति मिलती है।

इस दिन शाम को घर के बाहर यमराज के नाम का दीप जलाने की मान्यता है। पंचांग के अनुसार, कार्तिक चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 19 अक्टूबर को दोपहर 1 बजकर 55 मिनट पर शुरू होगा। जो अगले दिन दोपहर 3 बजकर 55 मिनट तक रहेगा। इस दिन प्रदोष काल में यम के नाम का दीप जलाया जाता है। इसलिए यम चतुर्दशी का दीपक 19 अक्टूबर की शाम को ही जलाया जाएगा।

घर के दक्षिण दिशा में जलाएं दीप

इस दीप को आप गेंहू के आटे से बना सकते हैं। यह दीप आम दीप से बिल्कुल अलग होगा है। चौमुखी इस दीप में चार बाती होती है। जिसे यम के नाम से जलाया जाता है। शाम के समय घर के दक्षिण दिशा की तरफ इस दीप को जलाकर उसके नीचे काला तिल और धान का लावा भी जरूर रखना चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दीप को जलाने से न सिर्फ अकाल मृत्यु के भय से मुक्ति मिलती है। इसके साथ ही परिवार की सुरक्षा और मानसिक शांति और समृद्धि की भी प्राप्ति होती है।

नरकासुर से भी जुड़ी है कथा

पुराणों के अनुसार, यम चतुर्दशीके दिन भगवान श्रीकृष्ण ने नरकासुर नाम के राक्षस का वध किया था। नरकासुर अपने प्रजा पर खूब अत्याचार करता था। भगवान कृष्ण ने जब नरकासुर का वध किया तो अंधकार पर प्रकाश और अधर्म पर धर्म की जीत हुई। इसलिए इस दिन को 'नरक चतुर्दशी' कहा गया। कुछ जगहों पर इसे चौदस भी कहा जाता है।

हमारे घर तीर्थ के समान हैं, इनके लिए भी तीर्थों के जैसी श्रद्धा और विश्वास रखें

हमारे घर और गांव भी तीर्थ के समान हैं। जैसे तीर्थों के प्रति श्रद्धा और विश्वास होता है, वैसा ही भाव अपने घर, गांव, मोहल्ले, जलाशयों और वृक्षों के प्रति होना चाहिए। जब हम अपने घर को स्वच्छ रखते हैं, उसमें प्रेम, एकता और समन्वय बनाए रखते हैं, तो वही घर तीर्थ बन जाता है। अपने वातावरण को पवित्र बनाना, अपनों से प्रेम करना और प्रकृति से जुड़ाव रखना ही सच्ची तीर्थ यात्रा है।

नोबेल सम्मान के बाद भी इतने विनम्र क्यों थे डॉ. सी.वी. रमन?

एक विदेशी युवा वैज्ञानिक ने रंगों के कुछ नए प्रयोग किए थे। महान वैज्ञानिक डॉक्टर सी.वी. रमन को इसका पता चला तो उनमें इसके प्रति उत्सुकता पैदा हुई। वह उस वैज्ञानिक की प्रयोगशाला में जा पहुंचे। तब तक रमन को नोबेल पुरस्कार भी मिल चुका था।

जब युवा वैज्ञानिक ने अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के वैज्ञानिक को अपनी प्रयोगशाला में देखा तो चौंक उठा। उसने रमन का स्वागत करते हुए संकोच के साथ उन्हें बैठने को कहा। लेकिन रमन बैठे नहीं। उन्हें खड़ा देखकर युवा वैज्ञानिक बोला, "सर आप यहां तक आए हैं, यह मेरा सौभाग्य है। मैं तो सपने में भी नहीं सोच सकता कि आप जैसे महान वैज्ञानिक कभी मेरी प्रयोगशाला में आ सकते हैं। कृपया बैठिए।"

रमन बोले मेरी विवशता है कि मैं आपके सामने बैठ नहीं सकता। युवा वैज्ञानिक ने आश्चर्य से कहा, "सर, भला आपके साथ ऐसी क्या विवशता है, जो आप मेरे सामने बैठ नहीं सकते? आप तो हर तरह से मुझसे बड़े और सम्माननीय हैं।"

रमन बोले, "आपने रंगों के संबंध में नए प्रयोग किए हैं और इस बारे में मैं आपसे कुछ ज्ञान प्राप्त करने आया हूं। इसलिए मैं आपका शिष्य हूं और आप मेरे गुरु। भला मैं अपने गुरु के सामने कैसे बैठ सकता हूं? क्या आप मुझे रंगों के विषय में कुछ ज्ञान देंगे?" युवा वैज्ञानिक बोले, "हां सर, अवश्य बताइए मैं कब आपके पास हाजिर हो जाऊं?"

डॉ. रमन बोले, "ज्ञान मुझे प्राप्त करना है। गुरु शिष्य के पास कभी नहीं जाता। शिष्य को ही गुरु के पास जाना चाहिए। आप अपनी सुविधा के अनुसार समय बता दीजिए।" युवा वैज्ञानिक के जीवन का यह स्वर्णिम क्षण था। उसने डॉ. रमन को समय दिया और उनकी विनम्रता और शालीनता का कायल हो गया।

कैसे एक बच्चा बना दुनिया का सबसे बड़ा विजेता ?

एक बालक अपनी बहन अलिसा के साथ घूमने निकला। रास्ते में एक किसान की लड़की मिली। वह सिर पर अमरूदों से भरा टोकरा रखे हुए उन्हें बेचने बाजार जा रही थी।

अलिसा ने भूल से टक्कर मार दी, जिससे सारे अमरूद गिरकर गंदे हो गए। ''अब मेरे माता-पिता को कई दिनों तक भूखा रहना पड़ेगा।'' कहकर वह लड़की रोने लगी। अलिसा ने अपने भाई को वहां से भाग जाने की सलाह दी और कहा, ''अभी तो यहां कोई देखता भी नहीं।''

'बहन, अगर हम मान लेते हैं कि यहां कोई नहीं देख रहा है, इसलिए सजा नहीं मिलेगी तो यह गलत है।

किसी व्यक्ति के अंदर बैठी हुई आत्मा ही मर गई तो फिर ईश्वर भले ही दंड न दे, वह आप ही मर जाता है।'

इतना कहकर उस बालक ने अपनी जेब में रखे तीन आने उस लड़की को दिए और उससे कहा, ''बहन, तू हमारे साथ चल। हमने गलती की है तो उसकी सजा भी हमें स्वीकार करनी चाहिए, तुम्हारे फलों का मूल्य घर चलकर चुका दूंगा।'' तीनों घर पहुंचे, बालक ने सारी बात मां को बताई। मां को गुस्सा आ गया। वह बोली, 'तुम लोग नाहक घूमने क्यों निकले? घर खर्च के लिए पैसे नहीं, अब यह दंड कौन भुगते ?'

उस लड़के ने कहा, ''मां, मेरी जेब खर्च के पैसे इस लड़की को दे दो। मेरा विद्यालय का नाश्ता बंद रहेगा, मुझे उसमें रत्ती भर भी आपत्ति नहीं। गलती के लिए प्रायश्चित भी तो मुझे ही करना चाहिए।''

मां ने उसके डेढ़ महीने के जेब खर्च के पैसे उस लड़की को दे दिए। लड़की प्रसन्न होकर घर चली गई। डेढ़ महीने तक विद्यालय में उस लड़के को कुछ भी नाश्ता नहीं मिला, वह जरा भी दुखी नहीं हुआ।

धनतेरस पर सोना-चांदी खरीदने का नहीं है बजट

तो इन चीजों को जरूर लाएं घर, मां लक्ष्मी होंगी प्रसन्न

हिन्दू धर्म में सालभर में कई उत्सव आते हैं। उन्हीं उत्सव में से एक धनतेरस का त्योहार दिवाली के पांच दिवसीय उत्सव की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इसे धनत्रयोदशी भी कहा जाता है। यह पर्व हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है। इसी दिन से घर-परिवार में सुख, समृद्धि और ऐश्वर्य का आगमन होता है।

धनतेरस पर विशेष रूप से सोना और चांदी खरीदना शुभ मानते हैं, लेकिन अगर आप सोना-चांदी नहीं खरीद पा रहे हैं, तो घबराएं नहीं। उज्जैन के आचार्य आनंद भारद्वाज के अनुसार, कुछ अन्य वस्तुएं भी हैं, जिन्हें धनतेरस के दिन खरीदना बहुत मंगलकारी होता है और यह आपके घर में सुख-समृद्धि लाती हैं।

धनतेरस -वैदिक पंचांग के अनुसार धनतेरस त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है। इस बार त्रयोदशी तिथि की शुरुआत 18 अक्टूबर, शनिवार को दोपहर 12 बजकर 18 मिनट पर होगी और इसका समापन 19 अक्टूबर, रविवार को दोपहर 1 बजकर 51 मिनट पर होगा। हिंदू धर्म में उदयातिथि को विशेष महत्व दिया जाता है, यानी वह तिथि जो सूर्योदय के समय मौजूद हो। इसलिए, धनतेरस का पर्व शनिवार, 18 अक्टूबर 2025 को ही मनाया जाएगा।

पीतल – पीतल को भगवान धन्वंतरि की धातु माना जाता है। मान्यता है कि पीतल के बर्तन खरीदने से घर में आरोग्य, सौभाग्य और 13 गुना धन लाभ होता है।

धनतेरस पर झाड़ू की खरीदी

झाड़ू – धनतेरस के दिन झाड़ू खरीदना बहुत शुभ माना जाता है। झाड़ू को मां लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि नया झाड़ू घर से दरिद्रता को दूर करता है और घर में सुख-समृद्धि का वास होता है। इस झाड़ू को घर लाकर उसका उपयोग करने से पहले उसकी पूजा अवश्य करें।

धनिया – धनतेरस पर धनिया खरीदना और उसे मां लक्ष्मी को अर्पित करना शुभ माना जाता है। धनिया को धन का प्रतीक भी कहा जाता है। पूजा के बाद इन बीजों को अपनी तिजोरी या धन के स्थान पर रखने से बरकत आती है।

गोमती चक्र – इस चीज को बहुत पवित्र और चमत्कारी माना जाता है। धनतेरस के दिन 11 गोमती चक्र खरीदकर उन्हें लाल कपड़े में बांधकर तिजोरी में रखने से धन की कमी दूर होती है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

पीली कौड़ियां चढ़ाने के फायदे, पीली कौड़ियां चढ़ाने की विधि

कौड़ी – पीली कौड़ी को मां लक्ष्मी से जुड़ा माना जाता है। धनतेरस के दिन कौड़ी खरीदकर लाएं और उन्हें हल्दी में रंग कर (अगर पहले से रंगी हुई न हो तो) दिवाली की रात पूजा करने के बाद अपनी तिजोरी में रखें। इससे घर में धन का प्रवाह बना रहता है।

मोबाइल की गलत दिशा से हो सकती है नींद खराब, जानें सही तरीका

आज के दौर में मोबाइल फोन हमारी ज़िंदगी का एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है। यहां तक कि रात को सोते समय भी यह हमारे सिरहाने या तकिए के नीचे रखा होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि वास्तुशास्त्र के अनुसार, सोते समय मोबाइल फोन को गलत दिशा में रखने से आपकी नींद की गुणवत्ता, सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह और यहां तक कि आपके करियर पर भी नकारात्मक असर पड़ सकता है ? वास्तुशास्त्र में हर चीज की सही दिशा तय की गई है क्योंकि हर दिशा एक खास ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करती है। मोबाइल फोन एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण है जो इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगें उत्सर्जित करता है और इसकी ऊर्जा को नियंत्रित करना बेहद ज़रूरी है। वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार, उत्तर दिशा को सोते समय मोबाइल फोन रखने के लिए सबसे अशुभ माना जाता है। इसके अलावा, उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम के पास सिरहाने पर फोन रखना भी उचित नहीं माना जाता।

क्यों है उत्तर दिशा अशुभ ?

चुंबकीय क्षेत्र में गड़बड़ी: पृथ्वी का उत्तरी ध्रुव सकारात्मक ऊर्जा का केंद्र माना जाता है। वास्तु के अनुसार, सोते समय सिर को उत्तर दिशा में रखने से शरीर के चुंबकीय क्षेत्र में व्यवधान आता है।

मोबाइल फोन की इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगें इस गड़बड़ी को और बढ़ा सकती हैं, जिससे आपकी नींद में खलल पड़ सकता है, बेचैनी महसूस हो सकती है और आपको पर्याप्त आराम नहीं मिल पाता।

मानसिक अस्थिरता और तनाव: उत्तर दिशा में फोन की ऊर्जा से नकारात्मकता बढ़ सकती है, जो आपकी ऊर्जा और मानसिक शांति को प्रभावित करती है। इससे सुबह उठने पर आप थका हुआ महसूस कर सकते हैं, एकाग्रता की कमी हो सकती है, और बेवजह का तनाव आपके साथ रह सकता है।

करियर पर नकारात्मक प्रभाव: उत्तर दिशा को धन और करियर की दिशा माना जाता है। इस दिशा में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की नकारात्मक ऊर्जा रखने से करियर में रुकावटें आ सकती हैं, आर्थिक स्थिरता प्रभावित हो सकती है और नए अवसरों की कमी महसूस हो सकती है।

दक्षिण-पश्चिम में सिरहाने फोन क्यों न रखें ?

दक्षिण-पश्चिम दिशा स्थिरता और संबंधों से जुड़ी होती है। सिरहाने के पास फोन रखने से इस दिशा की स्थिरता प्रभावित हो सकती है, जिससे रिश्ते और व्यक्तिगत जीवन में अस्थिरता आ सकती है। कुछ विशेषज्ञ इसे पूरी तरह से हानिकारक नहीं मानते लेकिन सिर के बेहद पास रखना हमेशा नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता है।

मोबाइल फोन रखने की सही दिशा और वास्तु के उपाय:

वास्तुशास्त्र कुछ दिशाओं को सोते समय मोबाइल रखने के लिए उपयुक्त मानता हैलेकिन हमेशा ध्यान रखें कि फोन को बिस्तर या तकिए से कम से कम 3 से 4 फीट की दूरी पर रखना सबसे बेहतर है।

दक्षिण दिशा: यह दिशा स्थिरता और गहरी नींद के लिए अच्छी मानी जाती है। यदि आप फोन को अपने बिस्तर से थोड़ी दूरी पर दक्षिण दिशा में रखते हैं, तो यह डिवाइस से निकलने वाली तरंगों के प्रभाव को कम करने में मदद करता है और नींद में सुधार हो सकता है।पूर्व दिशा: पूर्व दिशा सूर्य और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। यह दिशा छात्रों और उन पेशेवरों के लिए अच्छी है जो मानसिक स्पष्टता और सफलता चाहते हैं। यदि आप रचनात्मक क्षेत्र में हैं तो फोन को पश्चिम दिशा में भी रख सकते हैं, जिससे नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

राजकुमार राव 'बकासुरा रेस्टोरेंट' के हिंदी रीमेक में काम करने की अटकलें

जल्द पापा बनेंगे

अभिनेता राजकुमार राव अपने शानदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं। अलग-अलग किस्म की भूमिकाएं निभाने में उनका कोई मुकाबला नहीं। फिलहाल राजकुमार राव को लेकर ऐसी अटकलें हैं कि वे तेलुगु फिल्म 'बकासुरा रेस्टोरेंट' के हिंदी रीमेक में नजर आ

सकते हैं। यह एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है।

लीड रोल को लेकर लग रहे कयास

इंडस्ट्री में चर्चा है कि राजकुमार राव तेलुगु हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'बकासुरा रेस्टोरेंट' के हिंदी संस्करण में अभिनय कर सकते हैं। हालांकि, अभी तक आधिकारिक तौर पर ऐसा कोई एलान नहीं किया गया है। लेकिन, सूत्रों का कहना है कि मुख्य भूमिका निभाने के लिए उनके नाम पर चर्चा चल रही है। 123 तेलुगु के अनुसार, 'राजकुमार राव 'बकासुरा रेस्टोरेंट' के हिंदी रीमेक में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन प्रशंसक यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि इस सुपरनैचुरल फिल्म में वह किस तरह की भूमिका निभाएंगे'।

कब रिलीज हुई थी 'बकासुरा रेस्टोरेंट'

राजकुमार राव हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री' और 'स्त्री 2' में अपने अभिनय का असर दर्शकों पर छोड़ चुके हैं। 'बकासुरा रेस्टोरेंट' की बात करें तो यह फिल्म इसी साल अगस्त में रिलीज हुई। एसजे शिवा द्वारा निर्देशित और लिखित यह एक तेलुगु हॉरर कॉमेडी फिल्म है। इसमें प्रवीण, जय कृष्णा, विवेक दंडु, अमर लथु, राम पाटस और शाइनिंग फणी जैसे कलाकार हैं। यह ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।

जल्द पापा बनेंगे राजकुमार राव

राजकुमार राव आखिरी बार फिल्म 'मालिक' में नजर आए। यह इस साल जुलाई में रिलीज हुई थी। इसे दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। एक्टर की निजी जिंदगी की बात करें तो वे और पत्नी पत्रलेखा जल्द माता-पिता बनने वाले हैं। कपल अपने पहले बच्चे के स्वागत को लेकर उत्साहित है।

आयुष्मान ने चुराई थी 'आर्टिकल 15', बोले- इस फिल्म ने बदली मेरे करियर की दिशा

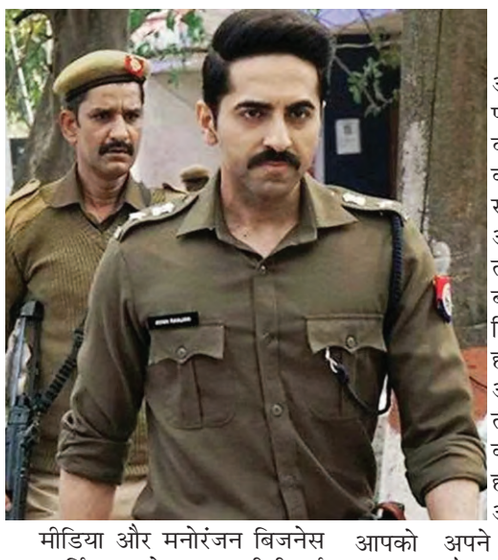

मीडिया और मनोरंजन बिजनेस पर वार्षिक सम्मेलन एफसीसीआई फ्रेम्स 2025 का आयोजन किया गया। अभिनेता आयुष्मान खुराना ने भी इस कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान अभिनेता ने अपने करियर को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि किस फिल्म ने उनके करियर की दिशा और दशा को बदल दिया।

'आर्टिकल 15' ने बदली मेरी प्रति लोगों की धारणा

कार्यक्रम के दौरान मयंक शेखर के साथ बात करते हुए आयुष्मान ने बताया कि 'आर्टिकल 15' फिल्म ने मेरे बारे में लोगों की धारणा बदल दी। क्योंकि इससे पहले मैं अपनी हल्की-फुल्की सामाजिक कॉमेडी के लिए जाना जाता था। लेकिन 'आर्टिकल 15' जातिवाद पर आधारित एक बहुत ही गंभीर फिल्म थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा प्रदर्शन किया, जो एक असामान्य बात थी। एक्टर ने बताया कि निर्देशक अनुभव सिन्हा के पास इसकी स्क्रिप्ट थी और उन्होंने इसके लिए मेरे बारे में कभी नहीं सोचा था। इसलिए मैंने सचमुच उनसे यह फिल्म चुरा ली, यह कहते हुए कि मैं इसी तरह की फिल्म करना चाहता हूं।

ना कहना है जरूरी

इस दौरान आयुष्मान ने अपने पत्रकार, आरजे और वीजे होने के अनुभव को भी साझा किया। साथ ही उन्होंने अपनी ना कहने की ताकत के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि जब आप युवा होते हैं और अभी-अभी शुरुआत की है, तो लोगों को ना कहना आसान नहीं होता। लेकिन यही आपको बनाता है। आपको अपने विश्वास, अपनी अंतरात्मा और अपने अंतर्ज्ञान के साथ आगे बढ़ना होगा।

राजश्री प्रोडक्शंस की फिल्म करेंगे आयुष्मान

इस दौरान अभिनेता ने अपने आगामी प्रोजेक्ट के बारे में भी बताया। एक्टर ने बताया कि 'थामा' के बाद वो सूरज बड़जात्या के साथ एक फिल्म पर काम कर रहे हैं। बता दें कि यह आयुष्मान की पहली राजश्री प्रोडक्शंस की फिल्म होगी। इसके अलावा वो करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस की भी एक फिल्म कर रहे हैं। हालांकि, एक्टर ने कहा कि इस दौरान वो बीच-बीच में अपने तरह की फिल्में भी करते रहेंगे।

'थामा' में नजर आएंगे आयुष्मान

वर्कफ्रंट की बात करें तो आयुष्मान जल्द ही अपनी आगामी फिल्म 'थामा' में नजर आएंगे। मैडॉक के हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा यह फिल्म दिवाली के मौके पर 21 नवंबर को रिलीज होनी है। इस फिल्म में आयुष्मान के साथ रश्मिका मंदाना, नवाजुद्दीन सिद्दीकी, परेश रावल और फैसल मलिक प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'जिगरा' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिलने पर इमोशनल हुईं आलिया भट्ट

फिल्म 'जिगरा' आलिया भट्ट के दिल के बहुत करीब है। यह उनकी पहली एक्शन ड्रामा फिल्म थी। इस फिल्म में आलिया का उम्दा अभिनय और एक्शन दर्शकों ने देखा। शनिवार को फिल्म 'जिगरा' के लिए ही आलिया भट्ट को फिल्मफेयर अवॉर्ड 2025 में बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। वह अवॉर्ड फंक्शन में शामिल नहीं हो पाईं। लेकिन आज आलिया ने एक स्पेशल पोस्ट इस अवॉर्ड और फिल्म 'जिगरा' की टीम के लिए की है।

आलिया भट्ट ने सबका शुक्रिया अदा किया

आलिया भट्ट अपनी पोस्ट में लिखती हैं, 'फिल्म 'जिगरा' मेरे दिल के सबसे करीब रहेगी। सिर्फ उस कहानी के लिए नहीं, जो हमने सुनाई बल्कि उन बेहतरीन लोगों के लिए, जिन्होंने इसे यादगार बनाया। फिल्म के निर्देशक वसन बाला आपने इसे जिस तरह से बनाया है, उसके लिए शुक्रिया। एक्टर वेदांग रैना और बाकी टीम ने जो ईमानदारी दिखाई, उसके लिए शुक्रिया। इस सम्मान के लिए फिल्मफेयर का का बहुत-बहुत शुक्रिया। काश मैं उस पल को खुद महसूस कर पाती, लेकिन मेरा दिल इस वक्त भरा हुआ है।' आलिया भट्ट ने करण जौहर और धर्मामूवीज का भी शुक्रिया अदा किया।

आलिया भट्ट की अपकमिंग फिल्म 'अल्फा' है। यह एक एक्शन स्पाई थ्रिलर फिल्म होगी। आलिया भट्ट के साथ इसमें शरवरी वाघ भी नजर आएंगी।

फिल्म 'अल्फा' इसी साल 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। यह फिल्म यशराज के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है। फिल्म में बॉबी देओल भी एक अहम रोल निभाएंगे।

इसके अलावा आलिया भट्ट रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' भी कर रही हैं। यह फिल्म अगले साल 2026 में रिलीज हो सकती है।

'बैड मैन' के नाम से मशहूर गुलशन ग्रोवर ने 'गुड मैन' के भी रोल निभाए

गुलशन ग्रोवर ने 'बैड मैन' से हटकर अच्छे किरदार निभाए हैं। इन रोल्स में वे पुलिस अधिकारी, दयालु मालिक या पिता जैसे अच्छे इंसान बने हैं। ये रोल्स दिखाते हैं कि गुलशन ग्रोवर सिर्फ विलेन ही नहीं, बल्कि बहुमुखी अभिनेता भी हैं। उन्होंने 400 से ज्यादा फिल्में की हैं, लेकिन पॉजिटिव रोल्स कम ही मिले। हाल ही में उन्होंने 'लव इन वियतनाम' और 'हीर एक्सप्रेस' में सकारात्मक किरदार निभाए।

'महासंग्राम'

फिल्म 'महासंग्राम' में गुलशन ग्रोवर ने एक ईमानदार पुलिस इंस्पेक्टर का रोल किया। यह उनके कम ही देखे जाने वाले पॉजिटिव रोल्स में से एक है। फिल्म में विनोद खन्ना, माधुरी दीक्षित और गोविंदा मुख्य भूमिकाओं में थे।

'मैं कलाम'

फिल्म 'मैं कलाम' में गुलशन ने एक ढाबा मालिक भाटी का किरदार निभाया, जो गरीब बच्चे चोटू की मदद करता है। यह रोल इतना प्रभावशाली था कि उन्हें

नेशनल अवॉर्ड के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर की नामांकन मिला। फिल्म पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की प्रेरणा से बनी है।

'हेराफेरी'

2000 में आई कॉमेडी फिल्म 'हेराफेरी' में गुलशन ने एक छोटा लेकिन सकारात्मक रोल किया। वे अच्छे साइड कैरेक्टर के रूप में दिखे, जो फिल्म की मस्ती भरी कहानी को सपोर्ट करता है। अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल मुख्य कलाकार थे।

'लज्जा' और 'द सेकंड जंगल बुकः मोगली एंड बालू'

2001 में रिलीज हुई फिल्म 'लज्जा' में गुलशन ने यहां एक पिता या सकारात्मक सहायक का रोल निभाया, जो महिलाओं के अधिकारों पर बनी इस फिल्म में अच्छाई का प्रतीक बने। माधुरी दीक्षित लीड रोल में थीं। 1997 में आई हॉलीवुड फिल्म 'द सेकंड जंगल बुकः मोगली एंड बालू' में गुलशन ने एक पॉजिटिव कैरेक्टर का रोल किया। फिल्म को अच्छी समीक्षा मिली और यह उनके अंतरराष्ट्रीय काम में एक अच्छा उदाहरण है।

गुलशन ग्रोवर का जन्म

गुलशन ग्रोवर का जन्म 21 सितंबर 1955 को नई दिल्ली में एक पंजाबी परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम बिशंबर नाथ ग्रोवर और माता का नाम रामराखी ग्रोवर था। उनका परिवार गरीब था। बचपन में उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। स्कूल की फीस भरने के लिए वे घर-घर जाकर बर्तन धोने का पाउडर और फिनाइल की गोलियां बेचा करते थे। गुलशन को एक्टिंग का शौक बचपन से था, इसलिए पढ़ाई के बाद वे मुंबई चले गए और एक्टिंग स्कूल में ट्रेनिंग ली।

गुलशन की शादी

गुलशन की शादी ज्यादा सफल नहीं रही। 1998 में उन्होंने फिलोमिना से शादी की। उनके एक बेटा संजय ग्रोवर है, जो अब एक्टर, प्रोड्यूसर और डीजे है। लेकिन 2001 में दोनों का तलाक हो गया। तलाक के बाद उसी साल 2001 में उन्होंने अपनी सेक्रेटरी कशिश से दूसरी शादी की, लेकिन यह शादी सिर्फ 10 महीने चली और 2002 में तलाक हो गया।

गुलशन का करियर

गुलशन ने 1980 में फिल्म 'हम पांच' से अपना फिल्मी सफर शुरू किया। शुरुआत में वे हीरो बने, लेकिन धीरे-धीरे खलनायकी के रोल में आ गए। उनकी पहली बड़ी हिट 'सोहनी महिवाल' थी, जिसमें वे विलेन नूर के रोल में थे। गुलशन 90 के दशक में वे सुपरहिट विलेन बने।

गुलशन की हॉलीवुड फिल्में

गुलशन सिर्फ बॉलीवुड तक सीमित नहीं रहे। हॉलीवुड में 'द सेकंड जंगल बुक', 'ब्लाइंड एम्बिशन' और 'डीस्परेट एंडेवर्स' जैसी फिल्मों में रोल किए। 'डीस्परेट एंडेवर्स' में उनके रोल के लिए उन्हें न्यूयॉर्क सिटी फिल्म फेस्टिवल और ह्यूस्टन फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट एक्टर इंटरनेशनल अवॉर्ड मिला। वे ईरानी, मलेशियन और कैनेडियन फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं। इसके अलावा, वे प्रोड्यूसर भी हैं और एक्टिंग सिखाते हैं।

मुसीबत में फंसी फिल्म 'नो एंट्री 2', दिलजीत के बाद अब वरुण धवन के भी फिल्म छोड़ने की खबर

बॉलीवुड की चर्चित कॉमेडी फिल्म 'नो एंट्री' का सीक्वल पिछले कुछ महीनों से लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। पहले जहां दर्शक इस फ्रेंचाइजी की वापसी से खुश थे, वहीं अब खबरें आई हैं कि फिल्म की कास्ट में बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। पहले दिलजीत दोसांझ ने प्रोजेक्ट से किनारा किया और अब अभिनेता वरुण धवन ने भी 'नो एंट्री 2' से पीछे हटने का फैसला लिया है।

वरुण धवन के फिल्म छोड़ने की खबर

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वरुण धवन की डेट्स फिल्म के शूटिंग शेड्यूल से मेल नहीं खा रहीं, जिसकी वजह से उन्होंने प्रोजेक्ट को छोड़ दिया। वहीं प्रोड्यूसर बोनी कपूर ने इस खबर पर अभी तक आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि मेकर्स अब दो नए चेहरों की तलाश में हैं जो अर्जुन कपूर के साथ फिल्म में नजर आएंगे।

'नो एंट्री 2' की कास्ट में उलटफेर

बताया जा रहा है कि इस फिल्म में पहले वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अर्जुन कपूर को एक साथ लाने का प्लान था। लेकिन जब दिलजीत ने डेट्स और क्रिएटिव डिफरेंसेज के चलते प्रोजेक्ट छोड़ दिया, तो शूटिंग शेड्यूल में बड़े बदलाव किए गए। इसी फेरबदल ने वरुण के लिए मुश्किलें बढ़ा दीं क्योंकि उनके पास पहले से ही 'भेड़िया 2' की शूटिंग की डेट्स लॉक थीं।

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि वरुण इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित थे, लेकिन दिलजीत के जाने के बाद शूटिंग शेड्यूल में ऐसे बदलाव हुए कि सब कुछ मुश्किल हो गया। वरुण की प्राथमिकताएं पहले से तय थीं, इसलिए उन्हें 'नो एंट्री 2' से बाहर होना पड़ा।

'दिलजीत दोसांझ से कोई मतभेद नहीं'

कुछ दिनों पहले बोनी कपूर ने एक इंटरव्यू में साफ कहा था कि दिलजीत दोसांझ अब फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने कहा था, 'हम अच्छे संबंधों में अलग हुए हैं। उनकी तारीखें हमारे शेड्यूल से मेल नहीं खा रही थीं, लेकिन हम जल्द ही एक पंजाबी फिल्म साथ करने की उम्मीद रखते हैं।'

अब फिल्म की आगे की राह क्या?

अब 'नो एंट्री 2' की टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती है- वरुण और दिलजीत की जगह नए एक्टर्स को कास्ट करना। हालांकि अर्जुन कपूर अभी भी फिल्म का हिस्सा बने हुए हैं। कहा जा रहा है कि फिल्म की कहानी पहले से ज्यादा मस्तीभरी और ट्विस्ट से भरी होगी। इसी बीच वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ दोनों ही जेपी दत्ता की फिल्म 'बॉर्डर 2' में साथ दिखाई देंगे, जिसमें सनी देओल और अहान शेट्टी भी अहम किरदार निभा रहे हैं।

सब कुछ होते हुए भी यश चोपड़ा कभी उदय का करियर नहीं बना पाए : राजीव ठाकुर

मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा के पुराने दोस्त और अभिनेता राजीव ठाकुर अक्सर अपने करियर को लेकर बात करते रहते हैं। इस बार एक इंटरव्यू में उनसे सवाल किए गए, जहां उन्होंने 'धूम' फिल्म के चर्चित अभिनेता उदय चोपड़ा के करियर को लेकर बड़ी बात कही है। इसके साथ ही उन्होंने कपिल शर्मा के साथ अपने संबंधों पर भी विचार प्रकट किए हैं। आइए जानते हैं पूरी खबर।

'मैंने अपनी जिंदगी खुद बनाई'

राजीव ठाकुर हाल ही में एक चैनल के साथ बातचीत में शामिल हुए। यहां उन्होंने अपने प्रोफेशनल सफर के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'मैंने जिंदगी में हमेशा अपनी राह खुद बनाई है, अमृतसर में भी। मैं अपने नाटक खुद लिखता और निभाता था। जब लाफ्टर चैलेंज के ऑडिशन शुरू हुए, तो मैंने ही चंदन (प्रभाकर) का आवेदन भरा था। वह इसमें शामिल नहीं होना चाहता था, लेकिन मैंने जिद की कि हम सब दोस्त मिलकर इसे करेंगे। आज भी, अगर मुझे अपने किसी दोस्त

को सुर्खियों में लाने का मौका मिलता है, तो मैं उसे स्वीकार करता हूं। लेकिन सिर्फ उन्हीं दोस्तों को जिनकी प्रतिभा पर मुझे भरोसा है।₹

उदय चोपड़ा के असफल करियर पर की टिप्पणी

आगे बातचीत में उन्होंने बताया कि वह कपिल के शो के हर एपिसोड में क्यों नहीं दिखाए दिए। इसपर उन्होंने कहा, ₹कपिल मुझे एक-दो बार अपने साथ ले जा सकते हैं, लेकिन अगर चैनल मुझे नहीं चाहता, तो कोई बात नहीं। मुझे उनकी कास्ट का स्थायी सदस्य बनने में ही आठ साल लग गए। इस धरती पर कोई भी किसी अनटैलेंटेड व्यक्ति के लिए कुछ नहीं कर सकता। उदाहरण के लिए, उदय चोपड़ा को ही देख लीजिए। यश चोपड़ा के पास क्या नहीं था? उनके पास पैसा था, संसाधन थे, स्टूडियो था, निर्देशक थे, लेकिन उदय भाई का करियर एक अभिनेता के रूप में नहीं बनना था। ऐसा नहीं है कि उनमें टैलेंट नहीं था, लेकिन उनमें किसी और चीज के लिए टैलेंट था।₹

'आदित्य चोपड़ा अड़े रहते तो'

आगे उन्होंने कहा, 'अगर आदित्य चोपड़ा अभिनेता बनने पर अड़े रहते तो क्या होता? वह भी फ्लॉप हो जाते। वह तो निर्माता और निर्देशक बनने के लिए बने थे। ऐसा नहीं है कि दुनिया में कपिल शर्मा का सिर्फ एक ही शो है। मैं भी अपना काम कर रहा हूं, मैं अपने करियर में व्यस्त हूं। अगर मैं अपने सारे अंडे कपिल की टोकरी में ही डालता रहूंगा, तो इससे बड़ा मूर्ख कोई नहीं होगा। मेरे पास अपनी प्रतिभा का इस्तेमाल करने के और भी कई तरीके हैं।' इसके साथ ही उन्होंने बताया कि वो और कपिल एक अच्छे दोस्त हैं और अक्सर मिलते रहते हैं।

एक नजर उदय चोपड़ा के करियर पर

उदय चोपड़ा प्रसिद्ध निर्माता-निर्देशक यश चोपड़ा के बेटे हैं। एक्टर उदय को फिल्मी दुनिया में कम पहचान मिली। उन्हें सबसे ज्यादा 'धूम' सीरीज के तौर पर पहचाना जाता है। इसके अलावा उन्होंने 'मोहब्बतें', 'मेरे यार की शादी है', 'मुझसे दोस्ती करोगी' जैसी फिल्मों में भी काम किया है।

छोटे रोल से निराश हो गए थे सौरभ शुक्ला, खत्म हो गई थी अभिनय में रुचि

'जॉली एलएलबी 3' की रिलीज के बाद से लेखक और अभिनेता सौरभ शुक्ला सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने अपने जीवन के उस मुश्किल दौर के बारे में खुलकर बात की जब उनकी अभिनय में रुचि लगभग खत्म होने लगी थी। उन्होंने बताया कि एक दौर ऐसा भी था जब उन्हें फिल्मों में केवल छोटे-मोटे रोल ही मिलते थे, जिससे वह निराश हो जाते थे। हालांकि 'बर्फी' की शूटिंग के दौरान वह रणबीर कपूर से मिले और उनको अभिनय में दोबारा मजा आने लगा।

सौरभ ने याद किए संघर्ष के दिन

एक समाचार पत्र से बात करते हुए सौरभ शुक्ला ने अपने निराशाजनक दौर के बारे में बात की है। उन्होंने बताया है कि जब 'बर्फी' के निर्देशक अनुराग बसु ने उनसे संपर्क किया तो उन्होंने लगभग फिल्म छोड़ने का फैसला कर लिया था।

सौरभ ने कहा 'मैं रणबीर से बर्फी में मिला था। मैं उस समय बहुत ही निराशा के दौर से गुजर रहा था। लोग कहते थे, 'सौरभ, तुम

बहुत अच्छे एक्टर हो' लेकिन जब रोल मिलते थे, तो हमेशा कैमियो होते थे।'

सौरभ ने लोगों से क्या कहा?

सौरभ ने आगे कहा 'मैं वाकई संघर्ष कर रहा था। इसलिए, मैंने लोगों को बताना शुरू कर दिया कि मैं एक्टिंग नहीं करता। मैं एक लेखक हूं और मैंने फिल्में बनाई हैं। जब अनुराग ने मुझे यह फिल्म ऑफर की, तो मेरे पहले शब्द थे, 'अनुराग, अगर तुम्हारे पास मेरे लिए कुछ है, तो मुझे फोन करो। इस पर अनुराग ने कहा 'सर, अगर मेरे पास आपके लिए कुछ नहीं होता, तो मैं आपको क्यों बुलाता?' उन्होंने मुझे वह फिल्म दी, जो वाकई कमाल की थी।'

रणबीर से बात करके अभिनय में रुचि जगी

सौरभ ने आगे कहा ''बर्फी' में मेरी मुलाकात रणबीर से हुई। वह बहुत आकर्षक, जवान, बातों और सपनों से भरा हुआ था। मुझे उसके साथ बैठकर बहुत अच्छा लगा। हम दोनों में एक-दूसरे के लिए सम्मान था। अभिनय करते हुए वह कुछ करता और मुझे उससे कुछ मिलता। इस तरह मेरी रुचि अभिनय में वापस आ गई। इसके बाद मैंने फिर से सोचना शुरू कर दिया कि हां, अभिनय एक बड़ा आनंद है।'

'बर्फी' के बारे में

अनुराग बसु द्वारा निर्देशित फिल्म बर्फी 2012 में रिलीज हुई एक रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म थी। इसमें रणबीर कपूर, इलियाना डिक्रूज और प्रियंका चोपड़ा मुख्य भूमिकाओं में थे। सौरभ शुक्ला ने इसमें हास्यपूर्ण रूप से निराश इंस्पेक्टर सुधांशु दत्ता की भूमिका निभाई, जो रणबीर कपूर को पकड़ने की कोशिश करता है। फिल्म कामयाब रही थी।

कक्षा तीन से ही स्कूलों में पढ़ाई जाएगी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

केंद्र सरकार तैयार कर रही फ्रेमवर्क

शिक्षा मंत्रालय ने देश में शिक्षा प्रणाली को भविष्य के अनुरूप बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। केंद्र सरकार 2026-27 के शैक्षणिक सत्र से तीसरी कक्षा से ही स्कूलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को पढ़ाई का हिस्सा बनाने जा रही है। इस पहल का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए तैयार करना है।

स्कूल शिक्षा सचिव संजय कुमार ने बताया कि हमें तेजी से काम करना होगा ताकि अगले दो से तीन वर्षों में छात्र और शिक्षक इस तकनीक के साथ पूरी तरह से समन्वित हो सकें। सबसे बड़ी चुनौती देशभर के एक करोड़ से अधिक शिक्षकों तक पहुंचने और उन्हें AI आधारित शिक्षा देने के लिए प्रशिक्षित करने की होगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड इस समय कक्षा-वार AI एकीकरण के लिए एक फ्रेमवर्क तैयार कर रहा है। इसके तहत AI शिक्षा को धीरे-धीरे सभी ग्रेड्स में शामिल किया जाएगा।

पायलट प्रोजेक्ट पहले से चल रहा

संजय कुमार ने आगे बताया कि एक पायलट प्रोजेक्ट पहले से चल रहा है, जिसमें

शिक्षकों को AI टूल्स की मदद से लेसन प्लान तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उनका कहना है कि हमारा उद्देश्य केवल छात्रों को नहीं बल्कि शिक्षकों को भी डिजिटल भविष्य के लिए तैयार करना है।"

फिलहाल, देश के 18,000 से अधिक सीबीएसई स्कूलों में कक्षा 6 से 12 तक एआई एक स्किल सब्जेक्ट के रूप में पढ़ाया जा रहा है। कक्षा 6 से 8 में यह 15 घंटे के मॉड्यूल के रूप में सिखाया जाता है, जबकि कक्षा 9 से 12 में यह वैकल्पिक विषय है।

यह घोषणा नीति आयोग की 'AI और रोजगार' रिपोर्ट जारी होने के मौके पर की गई, जिसमें कहा गया कि आने वाले वर्षों में करीब 20 लाख पारंपरिक नौकरियां खत्म हो सकती हैं, लेकिन सही इकोसिस्टम विकसित किया गया तो 80 लाख नई नौकरियां भी पैदा होंगी।

भारत एआई मिशन के साथ मिलाकर एक मजबूत सहयोगी ढांचा

रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिया गया है कि भारत एआई प्रतिभा मिशन को भारत एआई मिशन के साथ मिलाकर एक मजबूत सहयोगी ढांचा तैयार किया जाए, जिससे शिक्षाविदों, सरकार और उद्योग जगत के बीच साझेदारी मजबूत हो सके। इससे देश में कंप्यूटिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर और डेटा उपलब्धता के माध्यम से नए शोधकर्ता और नवाचारक तैयार होंगे। रिपोर्ट के अनुसार, यदि भारत ने समय रहते सही दिशा में कदम उठाए तो न केवल अपने कार्यबल को भविष्य के लिए सुरक्षित रख सकेगा, बल्कि वैश्विक AI क्षेत्र में नेतृत्व भी स्थापित कर सकता है।

डीएसईयू के स्थापना दिवस पर शिक्षा मंत्री का संबोधन

दिल्ली को देश का 'स्किल कैपिटल' बनाने का लक्ष्य

कौशल भारत (स्किल इंडिया) केवल एक मिशन नहीं, बल्कि एक आंदोलन है जो युवाओं को रोजगार और सम्मानजनक जीवन प्रदान करने की दिशा में अग्रसर है। दिल्ली को देश की कौशल राजधानी बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। यह बातें दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय के छठवें स्थापना दिवस पर कहीं।

उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार युवाओं को केवल डिग्री नहीं बल्कि कौशल, आत्मनिर्भरता से सशक्त बनाने और रोजगार के अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय इसी दृष्टि का परिणाम है जो युवाओं को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण और उद्यमिता की दिशा में सक्षम बना रही है।

12 जनवरी को मनाएंगे राष्ट्रीय युवा दिवस

सरकार शिक्षा क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के संकल्प के अनुरूप शिक्षा क्षेत्र में ठोस सुधारों और नवाचार को लेकर आगे बढ़ रही है।

शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने बताया कि सरकार विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों से जुड़े लंबित विषयों के समाधान के लिए एक कोर कमेटी गठित करेगी जो समयबद्ध तरीके से समस्याओं का निस्तारण करेगी।

साथ ही राष्ट्रीय युवा दिवस (12) जनवरी) को अब से हर वर्ष दिल्ली में विशेष रूप से मनाया जाएगा। वर्ष 2026 से यह आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर होगा जिसमें देशभर के विद्यार्थी, नवोन्मेषक और युवा उद्यमी भाग लेंगे।

स्ट्रीट वेंडरों के लिए कौशल आधारित कार्यक्रम की घोषणा

दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक कुमार नागावत ने कहा कि विश्वविद्यालय की यात्रा और उपलब्धियों पर कहा कि क्राफ्टिंग एक्सीलेंस हमारा मूलमंत्र है। दिल्ली सरकार का विजन है कौशल के माध्यम से उद्यमिता को सशक्त बनाना है।

कुलपति ने नए शैक्षिक साझेदारों के साथ मिलकर स्ट्रीट वेंडरों और अन्य पेशेवरों के लिए लघु अवधि कौशल आधारित कार्यक्रमों के शुभारंभ की घोषणा की।

फेस्टिवल सीजन में धोखाधड़ी कॉल और वीडियो से किया सावधान

ऐसा होने पर कहां करें कॉल

डीपफेक तकनीक के जरिये धोखेबाज आपके प्रियजनों या वरिष्ठों का रूप धारण कर आपसे आपातकालीन स्थिति का झूठा एहसास दिलाते हुए पैसे ट्रांसफर करने और निजी जानकारी साझा करने के लिए उकसाते हैं।

अगर आप भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के कस्टमर हैं तो इस फेस्टिवल सीजन में आपको अपनी बैंकिंग को लेकर खास सावधानी बरतनी चाहिए। एसबीआई ने कस्टमर्स को आगाह करते हुए कहा है कि धोखाधड़ी कॉल और वीडियो से सतर्क रहें, क्योंकि डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल कर आपके साथ धोखाधड़ी हो सकता है। हाल ही में धोखेबाजों ने डीपफेक एआई का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है, जिससे वे आपके प्रियजनों या वरिष्ठों का रूप धारण कर आपसे आपातकालीन स्थिति का झूठा एहसास दिलाते हुए पैसे ट्रांसफर करने और निजी जानकारी साझा करने के लिए उकसाते हैं।

पहले सुनिश्चित करें कि जानकारी सही है

खबर के मुताबिक, एसबीआई ने कहा है कि इन धोखाधड़ी के प्रयासों से बचने के लिए, कभी भी कोई राशि ट्रांसफर करने या निजी व संवेदनशील जानकारी साझा करने से पहले सुनिश्चित करें कि जानकारी सही है और आपको भरोसा है। हमेशा पुष्टि करें, चाहे वह किसी के द्वारा फोन किया गया हो या वीडियो कॉल पर हो।

अगर हो जाए धोखाधड़ी तो यहां करें कॉल

अगर आपको 1600 से शुरू होने वाले कॉल आएं, तो यह सुरक्षित और असली है। यह आपका बैंक है। ऐसे कॉल का जवाब देने में संकोच न करें। किसी भी धोखाधड़ी की स्थिति में तुरंत 1930 पर कॉल करें। सुरक्षित रहें और धोखाधड़ी से बचने के लिए सतर्क रहें।

बैंकिंग धोखाधड़ी से सुरक्षित रहने के सरल उपाय

स्रोत की पुष्टि करें

जब तक आप स्रोत के बारे में पूरी तरह से सुनिश्चित न हों, तब तक फोन या ईमेल के माध्यम से अपने PIN, OTP (वन टाइम पासवर्ड) या खाता संख्या जैसी निजी जानकारी कभी न साझा करें।

संदेह होने पर हमेशा बैंक से संपर्क करें

अगर आपको किसी कॉल या संदेश पर संदेह हो, तो अपने बैंक के आधिकारिक नंबर (जो आपके कार्ड या स्टेटमेंट पर मिलता है) पर कॉल करके जानकारी की पुष्टि करें।

मजबूत पासवर्ड का इस्तेमाल करें

अपने अकाउंट के लिए जटिल और सुरक्षित पासवर्ड बनाएं और उन्हें नियमित रूप से बदलते रहें। साथ ही, टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2FA) को सक्षम करें जहां भी यह संभव हो।

बैंक स्टेटमेंट की निगरानी करें

अपनी बैंक स्टेटमेंट की नियमित जांच करें और अनधिकृत लेन-देन की पहचान करने के लिए सतर्क रहें। इसके अलावा, लेन-देन अलर्ट सेट करके वास्तविक समय के अपडेट प्राप्त करें।

एंटीवायरस और सॉफ्टवेयर अपडेट रखें

अपने सभी उपकरणों पर एंटीवायरस सॉफ़्टवेयर स्थापित करें और नियमित रूप से अपडेट करें। इसके साथ ही, अपने ऑपरेटिंग सिस्टम और एप्स को भी अप-टू-डेट रखें।

संदिग्ध लिंक और अटैचमेंट से बचें

ईमेल, एसएमएस, या संदेशों में आने वाले अपरिचित लिंक या अटैचमेंट पर कभी क्लिक न करें। इनसे आपकी व्यक्तिगत जानकारी चोरी हो सकती है।

संवेदनशील जानकारी शेयर करने से बचें

अपनी खाता संख्या, PIN जैसी संवेदनशील जानकारी सोशल मीडिया पर या अजनबियों के साथ कभी साझा न करें। ये धोखाधड़ी के प्रयासों का हिस्सा हो सकती है।

नवउद्यमों से कंपनी सेक्रेटरी के लिए अवसर बढ़े

कंपनी सचिव (सीएस) किसी कंपनी का केंद्र बिंदु होता है। कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के लागू होने के बाद सीएस के लिए अवसर खूब बढ़ गए। 'मेक इन इंडिया अभियान के आने और नवउद्यमों के दौर ने इस पद के लिए नए अवसर गढ़े हैं। इस लेख में जानेंगे कि भारत में कंपनी सेक्रेटरी (सीएस) बनने के लिए किन योग्यताओं की जरूरत है, कौन-कौन सी परीक्षाएं पास करनी होती हैं और एक कंपनी सचिव को सालाना कितना वेतन मिलता है।

क्या होता है काम

किसी कंपनी की प्रशासनिक और कानूनी जिम्मेदारियों को संभालने का कार्य मुख्य रूप से कंपनी सचिव का ही होता है। यह एक बहुत ही जिम्मेदारी भरा पद है। कंपनी सचिवों पर परिणाम देने का लगातार दबाव रहता है। कंपनी के सभी वैधानिक वेतन और कानूनी काम वही करता है। कंपनी के सभी कानूनी दस्तावेजों पर सीएस ही हस्ताक्षर करता है। निजी कंपनियों में तो यह एक बहुत ही सम्मानजनक पद होता है। कंपनी के बोर्ड आफ डायरेक्टर और कंपनी के मध्य तालमेल बिठाना, कंपनी और उसके शेयर धारकों के बीच समन्वय स्थापित करना कंपनी सचिव का मुख्य कार्य है। कंपनी सचिव वार्षिक रिटर्न के लिए भी जिम्मेदार होता है। सीएस का कार्य व्यवसाय और कंपनी कानूनों पर सलाह देना होता है। उसे वित्तीय, वाणिज्यिक और कानून की समझ होना बेहद जरूरी है।

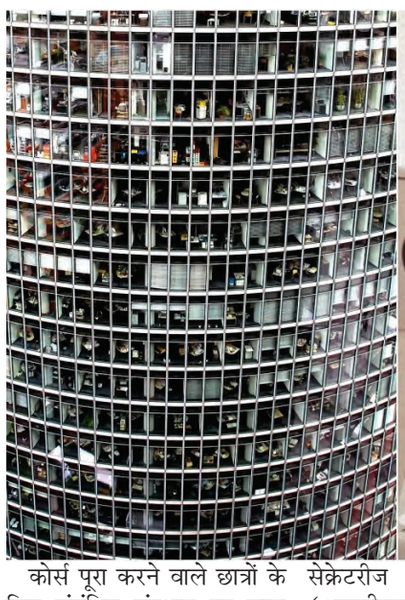

कोर्स पूरा करने वाले छात्रों के लिए संबंधित संस्थान हर साल प्लेसमेंट का कार्यक्रम आयोजित करता है। हाल के दिनों में किसी कंपनी में सीएस का वेतन शुरुआत में ही एक लाख रुपए प्रतिमाह से ज्यादा होता है। योग्यता और अनुभव के आधार पर पांच से 12 लाख प्रतिमाह तक मिल जाते हैं।

क्या हैं पात्रता की शर्तें

यह सरकार द्वारा बहुत कम खर्च का दूरस्थ प्रणाली के जरिए एक सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम है, जिसमें शानदार आय है। इसे 12वीं के बाद कर सकते हैं, या फिर स्नातक के बाद प्रवेश ले सकते हैं। जिन्होंने कामर्स विषय के साथ बारहवीं किया हुआ है, उनको सीएस का कोर्स बहुत लाभ देगा। उसके बाद नौकरी करते हुए एमबीए की उपाधि लेकर आप अपने लिए वेतन के शानदार मानक बना सकते हैं। इंस्टीट्यूट आफ कंपनी सेक्रेटरीज आफ इंडिया (आइसीएसआइ) की तरफ से प्रस्तावित कंपनी सचिव कोर्स तीन भागों में विभाजित है।

फाउंडेशन

इसमें चार विषय शामिल हैं। इनमें अंग्रेजी और बिजनेस कम्युनिकेशन, अर्थशास्त्र व सांख्यिकी, फाइनेंशियल अकाउंटिंग तथा बिजनेस ला व मैनेजमेंट एलिमेंट जैसी चीजों के बारे में बताया जाता है।

एग्जिक्यूटिव

इसमें छह विषय शामिल हैं। इनमें जनरल और कमर्शियल ला, कंपनी अकाउंट्स, कास्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटिंग, टैक्स ला आदि के बारे में बताया जाता है। कंपनी ला, आर्थिक और श्रम कानून, सुरक्षा से जुड़े कानून के बारे में बताया जाता है।

एग्जिक्यूटिव और प्रोफेशनल परीक्षा पास करने के बाद छात्र को व्यावहारिक एवं प्रबंधन प्रशिक्षण के लिए जाना पड़ता है। इसके बाद ही उसे कंपनी सचिव की योग्यता प्रदान की जाती है। परीक्षा पूरी करने के बाद छात्र को 15 माह किसी कंपनी के तहत प्रशिक्षण प्राप्त करना होता है। इस दौरान उसे कंपनी द्वारा मानदेय भत्ता भी दिया जाता है। ये सभी चीजें पूरा करने के बाद छात्र इंस्टीट्यूट आफ कंपनी सेक्रेटरी आफ इंडिया (आइसीएसआइ) की सदस्यता हासिल कर सकता है।

प्रोफेशनल

इसमें आठ विषय शामिल हैं, एडवांस्ड कंपनी ला, एडवांस्ड कार्पोरेट अकाउंटिंग, एडवांस्ड कास्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटिंग, एडवांस्ड टेक्सेशन, एडवांस्ड टेक्सेशन ला, एडवांस्ड इंडस्ट्रियल ला, सिक्योरिटी ला एंड कम्पलाइंस, कार्पोरेट गवर्नेस एंड डायरेक्टर्स लायबिलिटी।

रेलवे में सेक्शन कंट्रोलर के 368 पदों पर भर्ती

रेलवे भर्ती बोर्ड ने सेक्शन कंट्रोलर के 368 पदों पर भर्ती चल रही है और जल्द ही इन पदों के लिए आवेदन प्रक्रिया समाप्त हो जाएगी। अगर आपने अभी तक आवेदन नहीं किया है, तो इच्छुक और योग्य उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 14 अक्तूबर, 2025 है। उम्मीदवार 16 अक्टूबर 2025 तक आवेदन शुल्क जमा कर सकते हैं।

उम्मीदवार 16 अक्तूबर 2025 तक आवेदन शुल्क जमा कर सकते हैं। आवेदन करने के लिए आधिकारिक लिंक rrbapply.gov.in पर उपलब्ध है।

शैक्षणिक योग्यता

रेलवे सेक्शन कंट्रोलर भर्ती 2025 में आवेदन करने के लिए उम्मीदवार किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से किसी भी विषय में स्नातक होना अनिवार्य है।

अभ्यर्थियों की आयु 1 जनवरी 2026 को न्यूनतम 20 वर्ष और अधिकतम 33 वर्ष होनी चाहिए। आरक्षित वर्गों को सरकार द्वारा निर्धारित नियमानुसार आयु सीमा में छूट प्राप्त होगी।

चयन प्रक्रिया

चयन प्रक्रिया में CBAT के माध्यम से रिक्तियों के 8 गुना उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। शॉर्टलिस्ट अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन (DV) और मेडिकल परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा।आवेदन शुल्क

इस भर्ती में आवेदन शुल्क उम्मीदवारों के वर्ग के अनुसार अलग-अलग रखा गया है। महिला, ट्रांसजेंडर, एक्स-सरविसमैन, SC/ST, माइनॉरिटी कम्युनिटी, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS), और PwBD उम्मीदवारों को 250 रुपये शुल्क देना होगा। वहीं अन्य सभी उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क 500 रुपये निर्धारित है।

इस भर्ती से जुड़ी अन्य सभी जानकारी और ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के लिए अभ्यर्थी रेलवे भर्ती बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जा सकते हैं।

बिहार पुलिस में सहायक निदेशक-वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक की भर्ती

बिहार पुलिस सीआईडी विभाग में सहायक निदेशक और वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक के पदों पर भर्ती निकली है। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट police.bihar.gov.in पर जाकर ऑनलाइन 31 अक्तूबर 2025 तक आवेदन कर सकते हैं।

इस भर्ती के तहत कुल 189 पदों को भरा जाएगा, इसमें 89 सहायक निदेशक और 100 वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक के पद अस्थायी रूप से संविदा आधार पर केवल 11 माह के लिए भरे जाएंगे।

सहायक निदेशक के पदों पर भर्ती

रसायन प्रभागः सहायक निदेशक बनने के लिए रसायन प्रभाग में उम्मीदवार के पास MSc या MTech होना चाहिए। इसके लिए निम्नलिखित विषयों में से किसी एक में डिग्री होनी चाहिएः फॉरेंसिक साइंस, रसायन शास्त्र, जैव रसायन, औषध शास्त्र या विष विज्ञान।

भौतिकी प्रभागः उम्मीदवारों के पास MSc या MTech फॉरेंसिक साइंस, भौतिकी या गणित में होनी चाहिए।

जीव विज्ञान प्रभागः उम्मीदवार के पास MSc या MTech होनी चाहिए।

मनोविज्ञान प्रभागः मनोविज्ञान प्रभाग के लिए उम्मीदवार के पास MSc, MTech या M.Phil होनी चाहिए। इस डिग्री में साइकोलॉजी या क्लीनिकल साइकोलॉजी में विशेषज्ञता होना अनिवार्य है।

वरीय वैज्ञानिक सहायक पदों पर भर्ती

रसायन प्रभागः इसके लिए उम्मीदवारों के पास MSc या MTech होना चाहिए।

भौतिकी प्रभागः भौतिकी प्रभाग के लिए उम्मीदवार के पास MSc या MTech फॉरेंसिक साइंस, भौतिकी या गणित में होनी चाहिए। इसके अलावा, कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स या इंस्ट्रूमेंटेशन में BTech/BE करने वाले उम्मीदवारों के लिए एक साल की विशेषज्ञता भी जरूरी है।

जीव विज्ञान प्रभागः उम्मीदवार के पास MSc या MTech होना चाहिए। इसके लिए फॉरेंसिक साइंस, जीव विज्ञान, वनस्पति शास्त्र, जीव रसायन, बा यो टे क नो लॉ जी , माइक्रोबायोलॉजी, अनुवांशिकी या मॉलिक्यूलर बायोलॉजी में से किसी एक विषय में डिग्री होना जरूरी है।

मनोविज्ञान प्रभागः मनोविज्ञान प्रभाग में उम्मीदवार के पास MSc, MTech या MA होना चाहिए। इसमें साइकोलॉजी या क्लीनिकल साइकोलॉजी में विशेषज्ञता होना अनिवार्य है।

आयु सीमा और आवेदन शुल्क

उक्त पदों के लिए न्यूनतम आयु सीमा 21 वर्ष है, जिसकी गणना 01.10.2025 के अनुसार की जाएगी। सेवानिवृत्त पदाधिकारियों के लिए अधिकतम आयु सीमा 65 वर्ष निर्धारित की गई है।

प्रत्येक आवेदन के लिए आवेदन शुल्क 100 निर्धारित किया गया है, जिसे उम्मीदवार ऑनलाइन या डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से जमा कर सकते हैं।

पाना चाहते हैं मनचाही नौकरी तो करें बेहतर तरीके से तैयारी

शहर में हर साल लाखों युवा अपनी पढ़ाई पूरी कर अच्छी नौकरी की तलाश में दर- दर की ठोकरे खाते हैं, किसी का भाग्य साथ देता है, तो किसी का नहीं। शिक्षा पूरी करने के बाद अगर आप भी ठोकर खाने की जगह अच्छी नौकरी और वेतन के साथ अपने करिअर की शुरुआत करना चाहते हैं, तो आपको बेहतर तरीके से तैयारी करने के साथ कुछ ऐसी जानकारियों की भी जरूरत पड़ेगी, जिससे आप अच्छी नौकरी पा सकें।

सबसे पहले उस क्षेत्र को चुनिए, जिसमें आपको नौकरी करनी है। आपको क्या करना अच्छा लगता है, यह आप से बेहतर कोई नहीं जानता। उसके हिसाब से अपनी नौकरी

का क्षेत्र चुनें। आपका चुना हुआ क्षेत्र ऐसा होना चाहिए जिसमें आप अपना भविष्य बना सकें। खुशी से काम कर सकें। अच्छा पैसा, कम या आसान काम देखकर नौकरी ना करें। इससे कुछ सालों बाद आपका उत्साह कम होता जाएगा और आपको नौकरी से निराशा होने लगेगी।

जब आप किसी कंपनी में आवेदन करते हैं, तो सबसे पहले एक 'रिज्यूम' की जरूरत पड़ती है। इसमें बिल्कुल सही और सत्य बातें ही लिखनी चाहिए।

इसमें कम शब्दों में ज्यादा से ज्यादा जानकारी देने की कोशिश करें। यह ज्यादा से ज्यादा दो पेज का होना चाहिए। क्योंकि साक्षात्कार के समय दो पेज से ज्यादा के रिज्यूम को कम पढ़ा जाता है या सही तरह से नहीं पढ़ पाते हैं जिससे आपकी बहुत सी महत्तवपूर्ण जानकारियां बिना पढ़ी रह सकती हैं।

भारत विश्व जीडीपी वृद्धि में 20% का देगा योगदान

पूर्व आरबीआई गवर्नर ने जताया भरोसा

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व आरबीआई गवर्नर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव-2 शक्तिकांत दास ने शनिवार को कहा कि भारत ग्लोबल जीडीपी ग्रोथ में करीब 20% का योगदान देगा। ये मजबूत घरेलू डिमांड और सही इकोनॉमिक और फाइनेंशियल पॉलिसीज की वजह से होगा, जिसने भारत को बाहरी झटकों से निपटने में मदद की है। पुणे के गोखले इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिक्स एंड इकोनॉमिक्स में "बदलती ग्लोबल व्यवस्था में भारतीय इकोनॉमी" पर 85वें काले मेमोरियल लेक्चर में बोलते हुए, दास ने अमेरिका और बाकी देशों के साथ फ्री ट्रेड अग्रीमेंट (एफटीए) की बातचीत में निष्पक्ष और बैलेंस्ड रिजल्ट्स पर भारत के फोकस को हाइलाइट किया।

उन्होंने कहा कि ग्लोबल अनिश्चितता के बीच भारत शानदार लचीलापन और डायनामिज्म दिखा रहा है। उन्होंने ये भी बताया कि ग्लोबल इकोनॉमी को बहुत सारी अनिश्चितताओं और पुराने नियम-आधारित, ग्लोबलाइज्ड ट्रेड सिस्टम में बदलाव का सामना करना पड़ रहा है। दास ने कहा कि कोविड-19 महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध ने आत्मनिर्भरता और सप्लाई चेन को मजबूत करने की जरूरत को और बढ़ा दिया है। उन्होंने आगे कहा कि अब स्ट्रैटेजिक ऑटोनॉमी प्रायोरिटी बन गई है, क्योंकि रीजनल ट्रेड अग्रीमेंट्स अब प्रैक्टिकल और छोटे-छोटे ट्रेड गठबंधनों की ओर बढ़ रहे हैं। पिछले एक दशक के स्ट्रक्चरल रिफॉर्म्स और "आत्मनिर्भर भारत" के विजन की वजह से भारत ने कई ग्लोबल चैलेंजेस का सामना सफलतापूर्वक किया है।

कितने है ट्रेड अग्रीमेंट्स

भारत के पास अभी 14 फ्री ट्रेड अग्रीमेंट्स (एफटीए) और 6 प्रीफरेंशियल ट्रेड अग्रीमेंट्स (पीटीए) हैं, जिनमें हाल ही में यूके, ऑस्ट्रेलिया, यूएई और यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ईएफटीए) के देशों स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन के साथ हुए अग्रीमेंट्स शामिल हैं। अभी अमेरिका, यूरोपियन यूनियन, पेरू, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ बातचीत चल रही है। पूर्व आरबीआई गवर्नर ने कहा कि मजबूत घरेलू डिमांड और सही पॉलिसीज़ ने भारत को बाहरी झटकों से निपटने की ताकत दी है। इन बेसिक्स और रिफॉर्म्स ने हमारी इकोनॉमी को मजबूत किया है और भारत को ग्लोबल ग्रोथ में बड़ा योगदान देने की पोजीशन में ला दिया है।

आरबीआई ने दो महीने से नहीं खरीदा कोई सोना

क्या अमेरिका की चाल समझ चुका है भारत?

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोने की कीमत में हाल में काफी तेजी आई है। इस साल सोना 40 से अधिक बार ऑल-टाइम हाई पर पहुंच चुका है। भारत में सोने की कीमत 1,20,000 प्रति 10 ग्राम के पार जा चुका है। इस रिकॉर्ड बढ़ोतरी के पीछे क्या वजह है? इस बारे में तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। कोई कह रहा है कि दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों द्वारा की जा रही खरीदारी के कारण सोना चढ़ रहा है।

किसी का तर्क है कि दुनिया के कई देशों में चल रही अशांति के कारण सोना चमक रहा है। एक थ्योरी यह भी आ रही है कि अमेरिका अपने भारी कर्ज को चुकाने के लिए कोई बड़ी चाल चल रहा है? भारतीय के फाइनेंस सेक्टर में भी इस पर खूब चर्चा हो रही है। एक लिंक्डइन पोस्ट में बताया गया कि 1970 से अब तक सोने ने 649 गुना रिटर्न दिया है। इसने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया कि आखिर सोने के दाम इतनी तेजी से क्यों बढ़ रहे हैं। सोशल मीडिया पर चल रही एक थ्योरी यह भी है कि अमेरिका शायद अपने सोने के भंडार का फिर से मूल्यांकन करने की सोच रहा है। ऐसा करके वह अपने बढ़ते कर्ज को कम करने की कोशिश कर सकता है। दिलचस्प बात है कि अमेरिका के गोल्ड रिजर्व में पिछले 25 साल में कोई खास बदलाव नहीं आया है। सीनियर वेल्थ एडवाइजर आशीष सेनगुप्ता ने कहा, 'आपको सोने की इस रैली के पीछे का असली कारण नहीं पता।' अमेरिका अब भी अपने सोने को फेडरल रिजर्व के रिकॉर्ड में सिर्फ 42.22 प्रति औंस दिखा रहा है। यह कीमत 1970 के दशक की शुरुआत में तय की गई थी। अमेरिका के पास दुनिया में सबसे ज्यादा 8,133 टन सोना है जिसकी आधिकारिक कीमत करीब 11 अरब डॉलर है। आज सोने की कीमत $4,000 प्रति औंस के पार चली गई है। अगर आज के बाजार भाव के हिसाब से इसका मूल्यांकन किया जाए, तो अमेरिका के सोने के भंडार का मूल्य 1 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा हो जाएगा। अगर अमेरिका अपने गोल्ड रिजर्व की वैल्यू को रिसेट करता है तो एक तरह का तुरंत मुनाफा होगा। सोने-चांदी की चाल पर नजर रखने वाले आशीष यू. ने बताया कि अगर इस कीमत को 10 गुना भी बढ़ाया जाए, तो अमेरिका का एक ट्रिलियन डॉलर का कर्ज खत्म हो सकता है। लेकिन इससे डॉलर गिर सकता है और महंगाई आसमान छू सकती है। वहीं सेनगुप्ता ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा, 'यह 10 गुना नहीं है... यह 100 गुना है।' उनका मानना है कि सोने का दाम बढ़ने से जरूरी नहीं कि डॉलर कमजोर हो। डॉलर की चाल अलग होती है। अगर सोना मजबूत होता है, तो डॉलर भी मजबूत रहेगा।लगता है कि अमेरिका की इस चाल को भारत समझ गया है। भारत के केंद्रीय बैंक ने पिछले दो महीने से अपने गोल्ड रिजर्व में कोई इजाफा नहीं किया है। आरबीआई के पास अब 880 टन सोना है जो अब तक का सबसे ज्यादा है। यह भारत के कुल फॉरेक्स रिजर्व का 12.5% है। अमेरिका के बाद सबस ज्यादा सोना जर्मनी (3350 टन) के पास है। उसके बाद इटली (2452 टन), फ्रांस (2437 टन), रूस (2330 टन), चीन (2301 टन), स्विट्जरलैंड(1040 टन) और फिर भारत का नंबर है।

बीयर इंडस्ट्री में एल्युमीनियम कैन की भारी किल्लत

सरकारी राजस्व में 1300 करोड़ रुपये की गिरावट का अनुमान

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। एल्युमीनियम कैन की भारी किल्लत से जूझ रहे घरेलू बीयर उद्योग ने सरकार से विदेशों से बिना रुकावट आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्ता नियंत्रण मानदंडों में 'अल्पकालिक नियामकीय छूट' देने का आग्रह किया है। ब्रूअर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार, बीयर उद्योग को 500 मिलीलीटर के कैन की 12-13 करोड़ यूनिट्स की सालाना कमी का सामना करना पड़ रहा है, जो देश में कुल बीयर बिक्री का लगभग 20 प्रतिशत है।

इससे सरकारी राजस्व में लगभग 1,300 करोड़ रुपये की कमी आने का अनुमान है। सरकार द्वारा गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के माध्यम से एल्युमीनियम कैन को 1 अप्रैल, 2025 से अनिवार्य बीआईएस (भारतीय मानक ब्यूरो) प्रमाणन के दायरे में लाया गया था। इसके चलते देश में बीयर के साथ-साथ अन्य पेय पैकेजिंग उद्योग के लिए अल्पकालिक आपूर्ति की समस्याएं पैदा हुई हैं। प्रमुख एल्युमीनियम कैन आपूर्तिकर्ता बॉल बेवरेज पैकेजिंग इंडिया और कैन-पैक इंडिया, भारत में अपनी विनिर्माण इकाइयों में अधिकतम घरेलू क्षमता तक पहले ही पहुंच चुकी हैं। इन कंपनियों का कहना है कि वे कम से कम 6-12 महीनों तक आपूर्ति नहीं बढ़ा पाएंगी, जब तक कि नई उत्पादन लाइन नहीं जुड़ जाती।

प्रमाणन में लग सकते हैं कई महीने

इसके अलावा, क्यूसीओ के कारण बीयर उद्योग विदेशी विक्रेताओं से कैन आयात नहीं कर सकता क्योंकि बीआईएस प्रमाणन में कई महीने लग सकते हैं, जिससे आपूर्ति बाधित होने का खतरा पैदा हो सकता है। बीएआई ने सरकार से एक साल के लिए क्यूसीओ मानदंडों में ढील देने की मांग की है। बताते चलें कि बीएआई देश की तीन प्रमुख बीयर विनिर्माताओं- एबी इनबेव, कार्ल्सबर्ग और यूनाइटेड ब्रूअरीज का प्रतिनिधित्व करती है। इन 3 कंपनियों की भारत में बिकने वाली बीयर में कुल हिस्सेदारी 85 प्रतिशत है। हाल ही में यूनाइटेड ब्रूअरीज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ ने भी पीटीआई के साथ इंटरव्यू में इस मुद्दे को उठाया है। सरकार ने बिना बीआईएस प्रमाणन वाले एल्युमीनियम के कैन के आयात के लिए आपूर्तिकर्ताओं को 30 सितंबर, 2025 तक का विस्तार दिया है।

ट्रेड डील से खुलेगा निवेश का दरवाजा

1 मिलियन से ज्यादा लोगों को मिलेगा रोजगार

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के बिजनेस हिस्ट्री में एक बड़ी अचीवमेंट मिली है। भारत-यूरोपीय फ्री ट्रेड एसोसिएशन के साथ हुआ ट्रेड एंड इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (टीईपीए) जो 10 मार्च 2024 को साइन किया गया था, अब आधिकारिक रूप से 1 अक्टूबर 2025 से लागू हो गया है। ये समझौता भारत का चार विकसित यूरोपीय देशों- स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन के साथ पहला फ्री ट्रेड एग्रीमेंट है। सरकार के मुताबिक, इस समझौते से भारत में अगले 15 साल में 100 अरब डॉलर (करीब 8.3 लाख करोड़ रुपए) का निवेश आने की उम्मीद है। इससे 10 लाख से ज्यादा नई नौकरियां बनने की संभावना है। पहले दस साल में 50 अरब डॉलर और अगले पांच साल में 50 अरब डॉलर का निवेश ईएफटीए देशों द्वारा लाने का वादा किया गया है। ये

निवेश खासकर रिन्यूएबल एनर्जी, डिजिटल टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और लाइफ साइंसेज जैसे सेक्टर में होगा। वहीं निवेशकों की सुविधा के लिए सरकार ने एक खास इंडिया-ईएफटीए डेस्क बनाई है, जो सभी प्रोसेस के लिए सिंगल विंडो प्लेटफॉर्म के रूप में काम करेगी। टीईपीए समझौते के तहत, ईएफटीए देशों ने भारत को 92.2 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर छूट दी है, जिससे भारत के 99.6% निर्यात को लाभ होगा। इसके बदले भारत ने 82.7% टैरिफ लाइनों पर पहुंच दी है, जो ईएफटीए के 95.3% निर्यात को कवर करती है। भारत ने अपने डेयरी, सोया, कोयला और कुछ कृषि उत्पादों को सुरक्षा के दायरे में रखा है ताकि घरेलू उद्योगों पर असर न पड़े। भारत की मजबूत स्थिति वाले सर्विस सेक्टर को भी इस समझौते से फायदा मिलेगा। भारत को 105 उप-क्षेत्रों में मार्केट की बेहतर पहुंच मिलेगी। साथ ही, नर्सिंग, अकाउंटेंसी और आर्किटेक्चर जैसे काम में दोनों प्रोफेशनल्स के बीच म्यूचुअल रिकग्निशन एग्रीमेंट लागू होगा, जिसमें भारतीय प्रोफेशनल्स को यूरोप में काम करने के और अवसर मिलेंगे। कृषि,मरीन प्रोडक्ट्स, मशीनरी, कॉफी, चाय और प्रोसेस्ड फूड जैसे भारतीय प्रोडक्ट की मांग ईएफटीए देशों में बढ़ने की उम्मीद है, क्योंकि इन पर चार्ज घटा दिया गया है। इसके अलावा टेक्सटाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, केमिकल और इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज को भी बड़ा फायदा होगा। सरकार का कहना है कि टीईपीए सिर्फ व्यापार समझौता नहीं, बल्कि दोनों एरिया के साझा विकास और विश्वास पर आधारित साझेदारी है।

टाटा, रिलायंस समेत 8 कंपनियों पर हुई पैसों की बारिश

5 दिए में कमाए 1.95 लाख करोड़

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)।पिछले हफ्ते शेयर बाजार में काफी अच्छी तेजी देखने को मिली. सिर्फ 8 अक्टूबर की मामूली गिरावट को छोड़ दिया जाए तो शेयर बाजार पर फेस्टिव सीजन का खुमार छाया रहा. उसके बाद रही सही कसर टाटा कैपिटल और एलजी इलेक्ट्रोनिक्स के आईपीओ ने पूरी कर दी. जिनमें निवेशकों की ओर से काफी अच्छी रिस्पांस मिला है. पिछले हफ्ते शेयर बाजार की टॉप 10 कंपनियों में से 8 कंपनियों की वैल्यूएशन में 1,94,564.11 करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिला है. जबकि दो कंपनियों के मार्केट कैप को 8,220.25 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है. वैसे पिछले हफ्ते टाटा ग्रुप की सबसे बड़ी कंपनी टीसीएस को सबसे ज्यादा फायदा हुआ. आईटी कंपनी के मार्केट कैप में 45 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की बढ़ोतरी देखने को मिली है. खास बात तो ये 6 कंपनियों के मार्केट कैप में 20 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला है. इंफोसिस, एचडीएफसी बैंक, एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, बजाज फाइनेंस और रिलायंस

इंडस्ट्रीज के मार्केट कैप में बढ़ोतरी देखने को मिली है. आइए आपको भी बताते है कि आखिर किस कंपनी को कितना फायदा हुआ है.

शेयर बाजार में कितनी आई तेजी

पिछले हफ्ते शेयर बाजार में काफी अच्छी तेजी देखने को मिली है. आंकड़ों को देखें तो बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 1293.65 अंक यानी 1.60 फीसदी की तेजी के साथ 82,500.82 अंकों पर देखने को मिला. वहीं दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक निफ्टी 391.1 अंक यानी 1.57 फीसदी की तेजी के साथ 25,285.35 अंकों पर बंद हुआ. जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में तेजी देखने को मिल सकती है.

ट्रंप के टैरिफ से महंगे हुए ड्राई फ्रूट्स, लेकिन बाजार में कोई कमी नहीं

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिवाली का त्योहार अगले सप्ताह ही है। इस बीच सूखे मेवे या ड्राई फ्रूट्स का बाजार पूरी तरह से सज गया है। दरअसल, दिवाली में ड्राई फ्रूट्स की डिमांड बढ़ जाती है। लोग घरों के लिए तो इसे खरीदते ही हैं, कॉर्पोरेट गिफ्टिंग के लिए भी सूखे मेवे खूब खरीदे जाते हैं। हालांकि, ट्रंप की टैरिफ का असर है कि इस साल दिवाली से पहले ही बादाम, पिस्ता, अखरोट आदि की कीमत बढ़ रही है। लेकिन इससे इन मेवों के आयात पर कोई असर नहीं पड़ा है। आंकड़े बताते हैं कि इस साल दिवाली से पहले इन सूखे मेवों का आयात बढ़ रहा है।

मेवों की मांग सबसे ज्यादा कब?

आम तौर पर, भारत में ड्राई फ्रूट्स की मांग अगस्त से दिसंबर के बीच सबसे ज्यादा होती है। इसी वजह से अगस्त से पहले ही मेवों का आयात भी बढ़ जाता है। इस साल ट्रंप की टैरिफ की वजह से पूरी दुनिया में व्यापार का गणित गड़बड़ा गया है। इस वजह से सूखे मेवों के भाव में भी तेजी है। तब भी त्योहारी सीजन में बादाम, काजू

और अन्य मेवों का आयात काफी बढ़ गया है।

क्यों बढ़ा है आयात

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के एसोसिएट डायरेक्टर पारस जसराई ईटी से बातचीत में कहते हैं, भारत के त्योहारी महीनों के आसपास सूखे मेवों की मांग में अचानक बढ़ोतरी होती है। इन महीनों में सांस्कृतिक और खान-पान की आदतें मेवों के आयात को बढ़ा देती हैं। ड्राई फ्रूट्स बेचने वाले बताते हैं कि इस समय मेवों की खपत सिर्फ घरों तक ही सीमित नहीं रहती, बल्कि यह कॉर्पोरेट गिफ्टिंग और शादियों के सीजन के ऑर्डर तक फैल जाती है। आंकड़े भी इस बात की पुष्टि करते हैं। 2024 में, अगस्त से दिसंबर के बीच भारत में बादाम का मासिक आयात औसतन $94.4 मिलियन (लगभग 785 करोड़ रुपये) रहा, जबकि पूरे साल का औसत $84.8 मिलियन (लगभग 705 करोड़ रुपये) था। काजू का आयात इससे भी ज्यादा तेजी से बढ़ा। त्योहारी महीनों में इसका औसत आयात $173.9 मिलियन (लगभग 1445 करोड़ रुपये) रहा, जबकि पूरे 12 महीनों का औसत $134.8 मिलियन (लगभग 1120 करोड़ रुपये) था।

ट्रेड एग्रीमेंट्स से आयात हुआ आसान

नट्स एंड ड्राई फ्रूट्स काउंसिल (इंडिया) के प्रेसिडेंट गुंजन जैन बताते हैं, 2025 में कच्चे काजू का आयात 1.1–1.2 मिलियन टन से बढ़कर 1.3–1.4 मिलियन टन तक पहुंचने की उम्मीद है। किशमिश और अखरोट में भी यही तेजी देखी जा रही है। 2024 के अगस्त से दिसंबर तक के पांच महीनों में, किशमिश का मासिक आयात औसतन $8 मिलियन (लगभग 66 करोड़ रुपये) रहा, जबकि पूरे साल का औसत $7.5 मिलियन (लगभग 62 करोड़ रुपये) था। अखरोट के मामले में, पांच महीनों का औसत $11 मिलियन (लगभग 91 करोड़ रुपये) था, जबकि पूरे साल का औसत $7.2 मिलियन (लगभग 60 करोड़ रुपये) था।

आस्ट्रेलिया से खूब आ रहा है बादाम

एक सरकारी अधिकारी ने बताया, ऑस्ट्रेलिया और यूएई के साथ भारत के समझौतों ने कुछ खास ड्राई फ्रूट्स के आयात को बढ़ाने में मदद की है। ऑस्ट्रेलिया से बादाम का आयात वित्त वर्ष 26 की अप्रैल-जुलाई अवधि में 93% बढ़ गया, जबकि ओमान और सऊदी अरब से सूखे खजूर का आयात इसी अवधि में क्रमशः 66% और 25% बढ़ गया। यूएई और अमेरिका से पिस्ता का आयात भी तेजी से बढ़ा। 2023 में भी आयात के रुझान कुछ ऐसे ही थे - त्योहारी सीजन की मांग ने शिपमेंट और कीमतों को बढ़ाया। जसराई ने कहा, त्योहारी सीजन की मांग के दबाव से घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए आयात बढ़ता है, जिससे कीमतों पर भी दबाव पड़ता है क्योंकि आपूर्ति को समायोजित होने में समय लगता है। महंगाई के आंकड़े भी इस पैटर्न को दर्शाते हैं। 2024 के अगस्त से दिसंबर के बीच काजू में महंगाई औसतन 9.4% रही, जबकि पूरे साल का औसत 3.1% था।

शेयर बाजार में एनआरआई लोगों की सहभागिता बढ़ाने पर जोर

सेबी प्रमुख तुहिन कांत पांडे का बयान

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में प्रतिभूति बाजार की नियामक संस्था सेबी के प्रमुख तुहिन कांत पांडे ने कहा है कि भारतीय शेयर बाजार में अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) की सहभागिता बढ़ाने के लिए केवाईसी की प्रक्रिया को आसान और सुरक्षित बनाने पर उनका फोकस है। सेबी प्रमुख ने कहा कि देश में अभी भी शेयर बाजार को लेकर जागरुकता की कमी है।

केवाईसी को आसान बनाने पर फोकस

मुंबई में बीएफएफ कैपिटल मार्केट कॉन्फ्लुएंस 2025 को संबोधित करते हुए तुहिन कांत पांडे ने कहा कि सेबी ने केवाईसी की प्रक्रिया को

आसान बनाया है, लेकिन अनिवासी भारतीयों के लिए इसे और आसान बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि 'निवेशकों को जागरुक करने के लिहाज से हमने लंबा रास्ता तय किया है। हमने केवाईसी प्रक्रिया का आसान बनाया है और प्रक्रिया के पूरा होते ही लेन-देन की भी मंजूरी मिल जाती है, लेकिन अभी हमें इसे अनिवासी भारतीयों के लिए और आसान बनाने की जरूरत है ताकि अनिवासी भारतीयों की शेयर बाजार में सहभागिता को बढ़ाया जाए। यही हमारा फोकस है।'

लोगों में जागरुकता की कमी

सेबी प्रमुख ने कहा कि एक हालिया राष्ट्रव्यापी सर्वे से पता चला है कि 63 प्रतिशत लोग प्रतिभूति उत्पादों से वाकिफ हैं, लेकिन केवल 9.5 प्रतिशत ही सक्रिय तौर पर इसमें भाग लेते हैं। शहरी इलाकों में थोड़े ज्यादा 15 प्रतिशत लोग शेयर बाजार में सक्रिय हैं, वहीं ग्रामीण इलाकों में 6 प्रतिशत लोग ही शेयर बाजार में सक्रिय हैं। सर्वे में पता चला है कि 36 प्रतिशत निवेशक ही शेयर बाजार के बारे में ज्यादा या ठीक-ठाक जानकारी रखते हैं। इससे पता चलता है कि लोगों में जागरुकता की कमी है।

महंगी पड़ रही भारत की दुश्मनी और पाकिस्तान की दोस्ती!

आम आदमी की पहुंच से दूर हैं खाने-पीने की चीजें

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। क्या आप जानते हैं कि दुनिया के किस देश में खाने-पीने की चीजें सबसे ज्यादा महंगी हैं? इसका जवाब है तुर्की।

इस यूरोपीय देश में खाने-पीने की चीजों की महंगाई 36.06% पहुंच चुकी है। महंगाई के मामले में भी यह अर्जेंटीना के बाद दूसरे नंबर पर है। तुर्की में महंगाई दर 33.29% है। इतना ही नहीं बेरोजगारी के मामले में भी तुर्की दुनिया के टॉप देशों में शामिल है। इस देश में बेरोजगारी दर 8.5% है। साथ ही इस देश में 16% युवा बेरोजगार है। उसके ऊपर केवल साउथ अफ्रीका, स्पेन, इटली, चीन और फ्रांस हैं। खाद्य महंगाई के मामले में तुर्की के बाद अर्जेंटीना का नंबर है। इस दक्षिण अमेरिकी देश की इकॉनमी कई साल से संघर्ष कर रही है। इस देश में खाने-पीने की चीजों की महंगाई 27.8 फीसदी है। रूस में यह 9.46%, जापान में 7.2%, ब्राजील में 6.61%, साउथ अफ्रीका 5.2%, ब्रिटेन में 5.1% और इंडोनेशिया में 5.01% है। अमेरिका में खाद्य महंगाई 3.2%, भारत में -0.69% और चीन में -4.3% है। ओवरऑल महंगाई के मामले में अर्जेंटीना पहले नंबर पर है। इस देश में महंगाई दर 33.6% है। उसके बाद तुर्की का नंबर है। रूस 8% के साथ तीसरे, ब्राजील 5.17% के साथ चौथे और यूके 3.8% के साथ पांचवें नंबर पर है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य - कन्या	मे	कन्या--	04-25 बजे
चंद्र - मिथुन	मे	तुला----	06-30 बजे
मंगल-तुला	मे	वृश्चिक..	08-40 बजे
बुध - तुला	मे	धनु.....	10-54 बजे
गुरु - मिथुन	मे	मकर...	13-01 बजे
शुक्र - कन्या	मे	कुंभ....	14-51 बजे
शनि मीन	मे	मीन....	16-29 बजे
राहु कुंभ	मे	मेष.....	18-04 बजे
केतु सिंह	मे	वृष.....	19-50 बजे
		मिथुन..	21-50 बजे
		कर्क....	00-04 बजे
		सिंह---	02-14 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-11
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त. 17-53
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - कार्तिक कृष्ण सोमवार 13 October
तिथि - सप्तमी 12-24 तक उपरान्त अष्टमी
नक्षत्र - आर्द्रा 12-26 तक उपरान्त पुनर्वसु
योग - परिघ 08-10 तक उप शिव
करण - बव 12-24 तक उप बालव
व्रत अहोई अष्टमी
त्योहार कालाष्टमी

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 07-38 से 09-06 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
अमृत	06-11 - 07-38 शुभ	चंचल	17-53 - 19-26 शुभ
काल	07-38 - 09-06 अशुभ	रोग	19-26 - 20-58 अशुभ
शुभ	09-06 - 10-34 शुभ	काल	20-58 - 22-30 अशुभ
रोग	10-34 - 12-02 अशुभ	लाभ	22-30 - 00-02 शुभ
उत्पात	12-02 - 13-30 अशुभ	उत्पात	00-02 - 01-34 अशुभ
चंचल	13-30 - 14-58 शुभ	शुभ	01-34 - 03-06 शुभ
लाभ	14-58 - 16-26 शुभ	अमृत	03-06 - 04-38 शुभ
अमृत	16-26 - 17-53 शुभ	चंचल	04-38 - 06-11 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आप अपने कार्य स्थल की जिंदगी में अपने आप को फंसा हुआ महसूस करेंगे ।आपने अपने लिए उस कार्य क्षेत्र या करियर की कल्पना नहीं की थी जिसमे आप अभी कार्य कर रहे है । आप अपने जुनून को पाने के लिए अचानक अपनी नौकरी का त्याग कर सकते है , हालाँकि ग्रहो के विपरीत प्रभाव के कारण ये समय निर्णय लेने का नहीं है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी मुखर और प्रेरक रहेंगे । आपको ऐसे कार्य क्षेत्र में कार्य करने के अवसर मिलेंगे जहा साझेदारी से कारोबार होता हो और एक दूसरे की सहायता करना प्रमुखता हो । आप प्रमुख परियोजना को पूरा करने के लिए दुसरो को संगठित करने के लिए प्रेरित करते है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)

आपकी रचनात्मकता स्वतंत्र रूप से प्रवाहित होती है, जो आपके कार्यों में नई ऊर्जा लाती है। दृढ़ संकल्प बढ़ता है, जिससे आप जटिल जिम्मेदारियों को तीव्रता और उद्देश्य के साथ पूरा कर पाते हैं। यदि आप आशावादी बने रहते हैं तो विकास के अवसर आपकी पहुँच में हैं। सीखते रहें और आगे बढ़ते रहें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)

भावनात्मक ध्यान तेज होता है, जिससे आपको कार्यस्थल में सूक्ष्म बदलावों और गतिशीलता को समझने में मदद मिलती है। एक आंतरिक जागरूकता आपको अपनी भावनाओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने के लिए प्रेरित करेगी। संरेखित सोच और भावना आपको जानकारी को आसानी से आत्मसात करने और स्पष्टता और भावनात्मक जागरूकता के साथ खुद को व्यक्त करने में मदद करती है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज कार्यस्थल पर कई अलग तरह की स्थितियां आपके समक्ष आएंगी और आप इसके लिए बाध्य होगे की आप स्थितियों के अनुसार सही निर्णय लेकर आगे बढे । आज आपके काम की नैतिकता के लिए अतिरिक्त ध्यान देने की जरुरत है । अपने सहकर्मियों के साथ न चलने के कारण कुछ तनाव की स्थितियां सामने आ सकती है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आप अपने समकक्षों के साथ भागीदारी प्राप्त करने के लिए कठिन प्रयास कर रहे है और आज आपकी यात्रा एक संतोषजनक स्थिति पर समाप्त होगी ! आप उस पुरस्कार राशि के लाभार्थी हो सकते है जो इस साझेदारी का नतीजा है । आपका एक करीबी सहयोगी आपको अपना समर्थन देने के लिए विशेष शब्दों के साथ आपका धन्यवाद कर आपको सम्मानित कर सकता है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज आप ज़मीनी और तार्किक सोच के ज़रिए सफलता पाएँगे। रचनात्मकता आपको निखारने में मदद करती है, लेकिन ज़रूरत से ज़्यादा आलोचनात्मक होने से बचें। अगर सावधानी से काम लिया जाए, तो तेज़ सोच सफलता दिला सकती है। यह दिन बिना ज़्यादा प्रतिक्रिया दिए अच्छे अवसरों पर अमल करने का है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आपका नेतृत्व चमकता है, और आपकी जिज्ञासा आपको काम या पढ़ाई में नए विचारों का पता लगाने के लिए प्रेरित करती है। तार्किक सोच आपको स्थिर ध्यान के साथ योजनाओं को परिणामों में बदलने में मदद करती है। आपको अहंकार के बिना नेतृत्व करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

भावनात्मक संघर्ष आपके कार्य जीवन को प्रभावित कर सकता है। मान्यता पाने की तीव्र इच्छा उत्पन्न हो सकती है, लेकिन सहकर्मियों, विशेषकर महिलाओं के साथ तनाव उभर सकता है। अचानक उत्साह के कारण विलक्षण व्यवहार हो सकता है और परियोजनाओं में रुचि बदल सकती है, इसलिए ध्यान केंद्रित रखें।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आप अपने कार्यों को करते हुए धैर्य रखते है , पर आज आप में अधिकार की भावना रहेगी । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की चीजे अपनी गति से आगे चलेंगी और ज्यादा पाने की चाह आपको पीछे की और धकेल सकती है । आपमें हमेशा धैर्य की भावना रही है और हमेशा से निर्धारित मार्ग की तरफ आप अग्रसर रहे है।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, स, से, सो, दा,)

आपकी कड़ी मेहनत और धैर्य की लंबी प्रतिबद्धता का फल आपको मिलने जा रहा है और एक बड़ा अवसर आपके करियर को आगे ले जाने के लिए आपको मिल सकता है । अंतः आपको अपनी प्रतिबद्धताओं का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा , हालांकि अन्य लोगों के योगदान को याद करे और न भूले और उनके साथ सदा विनम्र रहे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

रचनात्मक ऊर्जा आज आपके करियर को बढ़ावा देती है, जिससे आपको आत्मविश्वास के साथ खुद को अभिव्यक्त करने में मदद मिलती है। अंतर्ज्ञान आपके निर्णयों का मार्गदर्शन करता है, खासकर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में। आप पहल करने और कार्यों को सीधे करने के लिए प्रेरित महसूस करेंगे।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

जातिवादी बिहार में क्या पीके बदलाव ला सकते हैं?

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में 'X फैक्टर' के रूप में उभरे हैं। उन्होंने बिहार के मतदाताओं से 'या तो अर्श पर, नहीं तो फर्श पर' पहुंचाने की उम्मीद जताई है। उनकी जन सुराज पार्टी (जेएसपी) की चुनावी संभावनाओं का विश्लेषण उनके प्रचार से विश्वसनीय संकेतों को अलग करने की मांग करता है, क्योंकि एक अनुभवी रणनीतिकार के तौर पर उनके पास अपनी बात को बढ़ाने के तरीके हैं।

हालांकि, एक राजनीतिक 'स्टार्टअप' के तौर पर उनकी पार्टी के अकेले दम पर सबसे बड़ी पार्टी बनने की संभावना कम है। नवंबर 2024 के चार विधानसभा उपचुनावों में जेएसपी ने एक सीट को छोड़कर बाकी सभी में अपना 'डिपॉजिट' गंवा दिया, लेकिन दो निर्वाचन क्षेत्रों में उनका वोट प्रतिशत जीत के अंतर से अधिक था, जिससे उनकी चुनाव परिणाम बिगाड़ने की क्षमता का संकेत मिला।

जनमत सर्वेक्षणों में पीके की लोकप्रियता बढ़ी है और जेएसपी लगभग 10% वोट हासिल कर सकती है, जिससे करीबी मुकाबले वाली सीटों पर गठबंधन के पक्ष में संतुलन बदल सकता है। जेएसपी किसके अवसरों को अधिक नुकसान पहुंचाएगी, यह उम्मीदवार के चयन पर निर्भर करेगा। पीके का अभियान सवर्णों और मुसलमानों से ओबीसी और दलित की तुलना में थोड़ा अधिक समर्थन प्राप्त कर रहा है और महत्वाकांक्षी वर्गों के बीच आर्थिक चिंताओं को बढ़ा रहा है। पीके का दांव बिहार में राजनीति के व्याकरण को बदल सकता है, जहां जातिगत वफादारी ही मायने रखती है। यह एक 'टेस्ट केस' है कि क्या चुनाव प्रबंधन राजनीति का विकल्प बन सकता है।

बिहार की राजनीति में प्रशांत किशोर (पीके) एक ऐसे चेहरे के रूप में सामने आए हैं, जिन्होंने कई चुनावी जीतों का ताना-बाना बुना है। अब वे खुद बिहार की राजनीति में एक 'डिसरप्टर' यानी बदलाव लाने वाले के तौर पर देखे जा रहे हैं। बिहार की राजनीति मुख्य रूप से एनडीए और महाठबंधन के बीच बंटी हुई है। लेकिन पीके को 2025 के चुनावों का 'X फैक्टर' माना जा रहा है। उन्होंने अपने लक्ष्य को बहुत ऊंचा रखा है, यह कहते हुए कि 'अगर मुझे 125 सीटें भी मिलीं, तो मैं इसे हार मानूंगा'। वे मतदाताओं से उम्मीद करते हैं कि वे उन्हें 'या तो अर्श पर, नहीं तो फर्श पर' पहुंचाएंगे।

क्या रास्ता तय करेगा बिहार?

बिहार की राजनीति ने हमेशा साहसिक चुनावी वादों को पुरस्कृत किया है। जयप्रकाश नारायण की 'संपूर्ण क्रांति' का आह्वान हो, लालू यादव का सामाजिक ढांचे को पलटने का प्रयास हो, या नीतीश कुमार का उस समय शासन को अपने अभियान का केंद्र बनाना जब बिहार एक असफल राज्य के संकेत दे रहा था। ये सभी उदाहरण बिहार की जनता की ऐसे वादों के प्रति प्रतिक्रिया को दर्शाते हैं। अब यह देखना बाकी है कि क्या प्रशांत किशोर भी इस सूची में शामिल हो पाएंगे। हालांकि, उनकी जन सुराज पार्टी (JSP) की चुनावी संभावनाओं का कोई भी सावधानीपूर्वक विश्लेषण उनके आसपास बनाए गए प्रचार से विश्वसनीय संकेतों को अलग करना चाहिए। आखिरकार, एक अनुभवी चुनाव रणनीतिकार के तौर पर, उनके पास अपनी बात को बढ़ाने के साधन और तरीके हैं।

एक 'स्टार्टअप' की सीमाएं

सबसे पहले, यह सवाल उठता है कि क्या पीके की पार्टी अकेले दम पर इस चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभर सकती है? इसका सीधा जवाब हैः इसकी संभावना बहुत कम है। राजनीतिक 'स्टार्टअप' यानी नई पार्टियों के लिए यह बहुत मुश्किल होता है कि वे अपने पहले चुनाव में ही सरकार बना लें या दूसरे स्थान पर आ जाएं। इतिहास में कुछ ऐसे अपवाद जरूर रहे हैं, जैसे 1983 में आंध्र प्रदेश चुनावों में एनटी रामाराव की टीडीपी की भारी जीत, या 1985 में असम चुनावों में असम गण परिषद की जीत। दिल्ली में 2013 के चुनावों में आप, कांग्रेस के बाहरी समर्थन से उपविजेता बनी और सरकार बनाने में कामयाब रही। लेकिन इन सभी मामलों में, इन पार्टियों के गठन के पीछे गंभीर राजनीतिक उथल-पुथल थी। इन पार्टियों का निर्माण बड़े पैमाने पर जमीनी स्तर पर लोगों को जोड़ने से हुआ था।

कितनी कारगर होगी पीके की पदयात्रा?

पीके ने 2 अक्टूबर 2024 को राज्य भर में दो साल की पदयात्रा के बाद अपनी पार्टी लॉन्च की। यह पदयात्रा पश्चिम चंपारण जिले के गांधी आश्रम से शुरू हुई थी। उनका दावा है कि उनकी टीम ने 5,000 से अधिक गांवों का दौरा किया है, स्थानीय समुदायों से जुड़कर प्रमुख मुद्दों की पहचान की है, और उनके पास 1 करोड़ की सदस्यता है। हालांकि, उनके जुड़ाव या पार्टी की सदस्यता की सीमा को सत्यापित करने का कोई तरीका नहीं है। लेकिन निश्चित रूप से बिहार में ऐसी कोई विनाशकारी घटना नहीं हुई है जो किसी नई राजनीतिक शक्ति को अपने पहले चुनाव में सीधे सत्ता में ला सके।

अधिक मूल्यांकन के लिए नवंबर 2024 में हुए चार विधानसभा उपचुनावों में जेएसपी की पहली परीक्षा को देखें। हालांकि पार्टी ने एक सीट को छोड़कर बाकी सभी में अपना 'डिपॉजिट' (चुनाव लड़ने के लिए जमा की गई राशि) गंवा दिया, लेकिन दो निर्वाचन क्षेत्रों में उनका वोट प्रतिशत जीत के अंतर से अधिक था। इन उपचुनावों में एनडीए ने सभी चार सीटें जीतीं, जिनमें से तीन सीटें 2020 में एमजीबी ने जीती थीं। हालांकि, इन नतीजों से यह संकेत मिला कि जेएसपी में 'स्पॉइलर' यानी चुनाव परिणाम बिगाड़ने की क्षमता है, खासकर अगर वे सही उम्मीदवारों का चयन कर पाते हैं।

तब से, विभिन्न जनमत सर्वेक्षणों में पीके की लोकप्रियता लगातार बढ़ी है। चुनाव की तारीखों की घोषणा से ठीक पहले किए गए कुछ सर्वेक्षणों के आंकड़ों से पता चला कि यदि उस समय चुनाव होते, तो जेएसपी लगभग 10% वोट हासिल कर सकती थी। इतना ही नहीं, पीके मुख्यमंत्री पद के लिए 20% से कुछ अधिक उत्तरदाताओं की पहली पसंद थे। यदि जेएसपी इस गति को बनाए रख सकती है और इन जनमत सर्वेक्षणों द्वारा अनुमानित वोट शेयर जीत सकती है, तो यह विशेष रूप से करीबी मुकाबले वाली सीटों पर एक गठबंधन के पक्ष में संतुलन को निर्णायक रूप से बदल सकती है।

'स्पॉइलर' की क्षमता

तीसरे, यह सवाल महत्वपूर्ण है कि जेएसपी किसके अवसरों को अधिक नुकसान पहुंचाएगी - एनडीए के या महागठबंधन के? उपचुनावों के नतीजों ने महागठबंधन को नुकसान पहुंचाया, लेकिन यह सबसे अच्छा संकेतक नहीं हो सकता है। सत्ताधारी पार्टी अक्सर उपचुनावों में बेहतर प्रदर्शन करती है। इसके अलावा, जेएसपी का प्रभाव मुख्य रूप से इमामगंज के एक निर्वाचन क्षेत्र तक सीमित था, जहां उसने 22% वोट हासिल किए। आगामी चुनावों में, एनडीए के अवसर भी प्रभावित हो सकते हैं। ऐसा तब हो सकता है जब एनडीए के भीतर सीटों के बंटवारे की व्यवस्था ठीक न हो और नीतीश कुमार के खिलाफ चल रही फुसफुसाहट वाली अभियान JD(U) को ऐसी पार्टी के रूप में प्रस्तुत करे जिसे 'खाया' जा सकता है।

सर्वे में कुछ स्पष्ट नहीं

अब तक, जनमत सर्वेक्षणों से इस बारे में कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिला है कि कौन सा जाति समूह जेएसपी के लिए वोट करने की अधिक संभावना रखता है। ऐसा लगता है कि उन्हें सवर्णों और मुसलमानों से ओबीसी और दलित की तुलना में थोड़ा अधिक समर्थन मिल रहा है। ऐसा लगता है कि पीके का अभियान, चाहे जानबूझकर हो या संयोग से, स्कूल शिक्षकों, पेशेवरों, छोटे उद्यमियों, शिक्षित युवाओं और प्रवासियों जैसे अधिक महत्वाकांक्षी वर्गों के बीच आर्थिक चिंताओं को बढ़ा रहा है। उनके लिए, किशोर का 'एंटी-एस्टेब्लिशमेंट' यानी व्यवस्था-विरोधी पिच इसलिए गूंजता है क्योंकि एनडीए और एमजीबी दोनों पिछले 35 वर्षों से राज्य की राजनीति पर हावी रहे पुराने व्यवस्था के दो गुटों की तरह लगते हैं।

बैंक खाते में पड़े 9 करोड़ रुपये

कहीं महंत राम मिलन की मौत की वजह ये तो नहीं?

अयोध्या, 12 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। रामघाट इलाके में करीब चार बिस्वा में फैले रावत मंदिर में सन्नाटा पसरा है। बाहर से यहां शिष्यों का लगातार आना-जाना लगा हुआ है। पुलिस की टीमें कई लोगों से जानकारी जुटा रही हैं। महंत राम मिलन दास रामायणी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का सच क्या है, हर कोई जानना चाहता है। 13 साल से महंत की सेवा कर रही शकुंतला को पुलिस ने हिरासत में ले रखा है। उससे शनिवार शाम को हुई घटना के बारे में पूछताछ की जा रही है।

महंत राम मिलन दास के शिष्यों के मुताबिक, कुछ दिन पहले रावत मंदिर की एक जमीन बिकी थी। उसके आठ करोड़ रुपये महंत के बैंक खाते में रखे थे। इसके अलावा पहले से डेढ़ करोड़ की रकम जमा थी। पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि कहीं महंत की मौत की वजह ये पैसे तो नहीं। ऐसा तो नहीं कि किसी ने इन पैसों को हड़पने के लिए महंत को मारने की साजिश रच दी हो। भोजन के तुरंत बाद महंत के मुंह से झाग आना किसी न किसी षडयंत्र की तरफ इशारा करता है। अंदेशा जताया जा रहा है कि उनको खाने में जहर मिलाकर दे दिया गया होगा।

शिष्यों ने बताया कि सेविका शकुंतला करीब 13 साल से महंत की सेवा कर रही है। इससे पहले उसकी मां रावत मंदिर में सेविका थी। महंत ने शनिवार को शाम 7 बजे भोजन किया। शकुंतला ने उनको भोजन कराया। थोड़ी ही देर बाद वह चिल्लाते हुए बाहर निकली कि महंत जी के मुंह से झाग निकल रहा है। महंत की मौत की खबर मिलते ही डीएम-एसएसपी श्रीराम अस्पताल पहुंचे। संतों और सेवादारों से जानकारी ली।

महंत के गुरु राम दास कोकिल की सीएम योगी से थी करीबी

राम मिलन के गुरु राम दास कोकिल राम मंदिर आंदोलन के अग्रणी संतों में रहे हैं। सीएम योगी से भी उनकी करीबी थी। अयोध्या दौरे पर सीएम योगी ने कई बार रावत मंदिर जाकर उनसे मुलाकात की। बताया जाता है कि अयोध्या के रामघाट इलाके में बना रावत मंदिर को गोरखपुर के रावत भीटी गांव के लोगों ने बनवाया था। इसलिए, इसका नाम रावत मंदिर पड़ा था।

एक साल पहले महिला ने शोषण का आरोप लगाया था

पुलिस सूत्रों ने बताया कि रावत मंदिर के महंत पद को लेकर कुछ सालों पहले तक विवाद चल रहा था। एक और संत थे, जो कि मंदिर के महंत होने का दावा करते थे। दोनों का विवाद कोर्ट भी गया था। हालांकि, बाद में राम मिलन महंत बन गए थे। यही नहीं, अंबेडकरनगर की रहने वाली एक महिला ने करीब एक साल पहले महंत राम मिलन के खिलाफ शोषण की शिकायत की थी। पुलिस ने जांच की तो मामला गलत निकला था। इसके बाद उनको क्लीनचिट मिल गई थी।

मेघालय का राम दुनिया का गजब इंसान

खाई 10 किलो मिर्च, पर एक बूंद आंसू नहीं बहा

शिलांग, 12 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। मेघालय के घने जंगलों और पहाड़ियों से एक अनोखी कहानी सामने आई है, जिसने सोशल मीडिया पर सबका ध्यान खींचा है। पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले के बटाव गांव के एक साधारण किसान राम पिरतुह ने अपनी असाधारण क्षमताओं के लिए दुनिया भर में ख्याति प्राप्त की है।

मेघालय के राम पिरतुह आंसू, पसीने या ज़रा सी भी तकलीफ़ के बिना एक ही बार में 10 किलो से ज़्यादा सूखी मिर्च शांति से खा सकते हैं। राम की दुनिया भर में चर्चा है। हाल ही में वह एक बार फिर चर्चा में हैं। उनकी कई तस्वीरें और वीडियो क्लिप सामने आए हैं, जिसमें वह सूखी मिर्च खाते नजर आ रहे हैं। कुछ ऑनलाइन पोस्ट्स में तो यहां तक दावा किया गया कि राम मिर्च को ऐसे बर्दाश्त कर सकता है जैसा कोई और बर्दाश्त नहीं कर सकता।

स्थानीय लोग कई ऐसे मौके याद करते हैं जब राम की परीक्षा ली गई। उसे मिर्च के लेप से नहलाया गया, उसे मिर्च से लथपथ किया गया और यहां तक कि उसे लगातार कच्ची मिर्च खाने की हिम्मत भी हुई, फिर भी उसने दर्द का कोई लक्षण नहीं दिखाया।

जब उनसे उनके राज़ के बारे में पूछा गया, तो राम ने बड़ी सादगी से इसे टाल दिया। उन्होंने कहा कि मिर्च बचपन से ही उनके जीवन का हिस्सा रही है और अब उन्हें तीखापन बिल्कुल नहीं लगता। अपनी बात पर खरे उतरते हुए, उनका पूरा दिन इसी के इर्द-गिर्द घूमता है। सुबह की शुरुआत मिर्च वाली चाय से होती है, दोपहर में मिर्च-मटन करी का आनंद लेते हैं और दिन का अंत कच्ची मिर्च चबाते हुए करते हैं। उनके लिए तीखापन सिर्फ़ स्वाद से बढ़कर है, यह उनकी दवा है, उनकी ताकत है और उनकी पहचान है।

लोकप्रियता बढ़ने के बाद उन्हें परखने के लिए कई कठिन चैलेंज दिए गए। एक शो में तो उन्हें मिर्च के पेस्ट से नहला दिया गया और निजी अंगों पर भी मिर्च लपेटी गई, लेकिन उन्हें किसी प्रकार की तकलीफ नहीं हुई। गांव के लोग बताते हैं कि राम का हर भोजन मिर्च आधारित होता है, चाहे चावल हो, सब्जी हो या मांस। सुबह वे मिर्च वाली चाय पीते हैं, दिन में मिर्च-मटन करी और शाम को कच्ची मिर्च खाते हैं। राम खुद कहते हैं कि मिर्च मेरी दवा है, मुझे कोई बीमारी नहीं होती।

राम ने बताया कि एक बार उनका एक दोस्त उन्हें शिलॉन्ग ले गया था। यहां पर प्रतियोगिता थी। जब यहां प्रतिभागियों ने मुझे इस तरह से मिर्च खाते देखा तो किसी की भी हिम्मत मुझसे कंपीट करने की नहीं हुई। सब घबराकर पीछे हट गए।

राम ने बताया कि वह आसानी से मिर्च खा सकते हैं। वहीं एक किलो अदरक भी आसानी खा लेते हैं। प्याज और लहसुन भी एक किलो तक कच्चा चबा सकते हैं। उन्हें कोई तीखापन नहीं लगता है।

अपने काम को लेकर राम ने बताया कि जब वह जवान थे तो अपना ज्यादातर समय गाय चराने और लकड़ियां काटने में बिताते थे। उसी से उनकी आमदनी होती थी। अब वह सुपाड़ी की खेती करते हैं। उन्होंने कहा कि सुपाड़ी की खेती से उन्हें इतनी आमदनी हो जाती है कि वह किसी तरह जीवनयापन कर सकें। राम ने बताया कि वह दुनिया को अपना टैलेंट दिखाना चाहते हैं। वह चाहते हैं कि सरकार उन्हें सपोर्ट करे। वह अपने मिर्च खाने के टैलेंट से दुनिया में नाम रोशन करना चाहते हैं।

नक्सली साजिश नाकाम

नारायणपुर में तीन प्रेशर-कुकर बम बरामद, सुरक्षाबलों ने किए नष्ट

जगदलपुर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। दंतेवाड़ा जिले के बारसूर इलाके में जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए आईईडी लगाने वाले छह नक्सलियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से आईईडी भी जब्त किया था। घटना के 24 घंटे भी नहीं बीते थे कि नारायणपुर पुलिस ने थाना कोहकामेटा क्षेत्र के ग्राम कोडलियार बिचपारा के जंगलों से तीन नग कुकर बम बरामद किए, जिन्हें बाद में नष्ट कर दिया गया।

बताया जा रहा है कि नारायणपुर जिले में सर्चिंग पर निकले जवानों ने एक बार फिर नक्सलियों के नापाक मंसूबों को विफल कर दिया। सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के लिए नक्सलियों ने पांच-पांच किलो वजनी ती नग कमांड कुकर आईईडी बम लगाए थे। नक्सलियों ने ये कुकर बम नारायणपुर जिले के थाना कोहकामेटा क्षेत्र के ग्राम कोडलियार बिचपारा और नीचेपारा के बीच के जंगलों में लगाए थे।

सर्चिंग के दौरान जवानों को तीन नग कुकर कमांड आईईडी बरामद हुए। सभी आईईडी का वजन पांच-पांच किलोग्राम बताया गया। सुरक्षा बल की बीडीएस टीम ने सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए सभी बमों को नष्ट कर दिया। इसके अलावा, शनिवार को नक्सलियों की सूचना पर दंतेवाड़ा जिले के बारसूर क्षेत्र में पुलिस बल भेजा गया था, जहां से पांच पुरुष नक्सलियों के साथ एक महिला नक्सली को भी गिरफ्तार किया गया। उनके पास से भी आईईडी बरामद किए गए हैं।

अवकाश के दिन भी कामकाज तेजः सीएम साय ने समय से पहले शुरू की कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस

रायपुर12 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में रविवार को प्रशासनिक कामकाज की रफ्तार धीमी न पड़े, इसके लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अवकाश के दिन ही कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस बुलाई। खास बात यह रही कि मंत्रालय में आयोजित यह बैठक पहली बार तय समय से पहले शुरू की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री ने स्वयं की, जिसमें मुख्य सचिव, विभागीय सचिव, संभागायुक्त और सभी जिलों के कलेक्टर मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की।

प्रदेश में 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू हो जाएगी। इसके लिए सीएम साय ने कलेक्टरों को धान खरीदी की तैयारियां करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि धान खरीदी में अनियमितता पाए जाने पर कलेक्टर जिम्मेदार होंगे। प्रभारी सचिवों को जिलों में धान खरीदी की पैनी निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। संवेदनशील केंद्रों की गहन निगरानी करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने पूरी पारदर्शिता और सुगमता के साथ हो धान खरीदी की पुख्ता व्यवस्था, इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से बढ़ेगी चौकसी, अंतरराज्यीय सीमावर्ती क्षेत्रों में करें विशेष निगरानी, विशेष पिछड़ी जनजातियों के किसानों के पंजीयन की हो सुगम व्यवस्था और कलेक्टरों को विशेष शिविरों के माध्यम से शत प्रतिशत पंजीयन करने के निर्देश दिए हैं।

रोजगार ऑफिस की आड़ में ठगी

रायगढ़ में नौकरी लगाने के नाम पर युवक से एक लाख रुपये ऐंठा, मामला दर्जकर जांच शुरू

रायगढ़ 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में नौकरी लगवाने के नाम पर एक युवक से एक लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित की रिपोर्ट के बाद पुलिस ने एक शख्स के खिलाफ अपराध दर्ज कर पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि आरोपी ने अन्य लोगों से भी नौकरी लगवाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी की है।

मिली जानकारी के अनुसार किरोडीमल नगर क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने सिटी कोतवाली में रिपोर्ट लिखाते हुए बताया कि कैलाश यादव इतवारी बाजार में 'जीवनधन रोजगार ऑफिस' खोल रखा है। जब उसने वहां संपर्क किया तो उसे बताया गया कि पोस्ट ऑफिस में एमटीएम के पद पर नौकरी लग जाएगी और इसके एवज में दो लाख रुपये लगेंगे। पीड़ित युवक ने बताया कि कैलाश यादव ने कहा था कि उसने आसपास के क्षेत्र के बेरोजगार लोगों को नौकरी लगवा दी है। उन्होंने दावा किया कि वह लोगों को उनकी योग्यता के अनुसार नौकरी दिलवाता है और बड़े अधिकारियों से उसकी जान-पहचान है। साथ ही उसने कहा कि वह कैंपस सेलेक्शन भी कराता है। पीड़ित युवक ने बताया कि पोस्ट ऑफिस की नौकरी दिलवाने के नाम पर कैलाश यादव ने उससे अकंसुची, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड और रोजगार पंजीयन की छायाप्रति मांगते हुए दो लाख रुपये की मांग की थी। इस दौरान 25 जुलाई को स्टाम्प पर नोटरी के साथ उसने कैलाश यादव को एक लाख रुपये नगद उसके इतवारी बाजार स्थित जीवनधन रोजगार शाखा में दिए।

पीड़ित ने आगे बताया कि कैलाश यादव ने उसे सात दिनों के अंदर पोस्ट ऑफिस का जॉइनिंग लेटर आने की बात कही थी, लेकिन दो माह का लंबा समय बीत जाने के बावजूद कोई जॉइनिंग लेटर नहीं आया। पैसे वापस मांगने पर भी वह बार-बार नौकरी लग जाने की बहाना बताता है। पीड़ित ने यह भी बताया कि कैलाश यादव ने नौकरी दिलाने के नाम पर उससे लिए गए एक लाख रुपये के अलावा अन्य लोगों से भी नौकरी लगवाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी की है। इस शिकायत के बाद सिटी कोतवाली पुलिस ने कैलाश यादव के खिलाफ धारा 318(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज करते हुए पूरे मामले की जांच में लिया है।

'स्वदेशी मैराथन' का आयोजन

25 हजार लोगों ने हिस्सा लिया

रांची, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। मोरहाबादी मैदान में रविवार को 'स्वदेशी मैराथन' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहे। हरी झंडी दिखाने के साथ कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 6.30 बजे से हुई, जिसमें करीब 25 हजार लोगों ने हिस्सा लिया। इस मैराथन का मुख्य उद्देश्य स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देते हुए आत्मनिर्भर भारत के विचार को मजबूत करना था।इस मौके पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि स्वदेशी का नारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के उस विचार की याद दिलाता है, जिसमें उन्होंने कहा था कि स्वदेशी अपनाना केवल वस्तुओं का चयन नहीं, बल्कि देश के प्रति समर्पण का भाव है। ये भाव हमें स्वदेशी की भावना से जोड़ता है, जिसे महात्मा गांधी ने स्वतंत्र भारत का आधार माना था। पीएम मोदी देशवासियों से 'वोकल फॉर लोकल' का आह्वान करते रहे हैं। पीएम स्थानीय उत्पादों को अपनाने पर जोर दे रहे हैं। झारखंड के लोग इस अभियान को पूरे समर्पण के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। ऐसे में विकसित भारत का सपना साकार होने से कोई रोक नहीं सकता।

पत्रकारों से बातचीत में बोले पवन खेड़ा- सीटों के बंटवारे पर महागठबंधन में कोई मतभेद नहीं

रांची, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। रांची में सेंट जेवियर्स कॉलेज में आयोजित 'संविधान में आदिवासी अधिकार बनाम जमीनी हकीकत' विषय पर चर्चा में हिस्सा लेने पहुंचे कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि बिहार में महागठबंधन के दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर कोई अड़चन नहीं है और सभी सहयोगी दल मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ेंगे।

खेड़ा ने कहा कि हर पार्टी को अपनी बात रखने का अधिकार है। भाजपा यह उम्मीद कर रही थी कि महागठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर मतभेद होंगे, लेकिन ऐसा कुछ नहीं है। बिहार में महागठबंधन पूरी एकजुटता के साथ चुनाव लड़ेगा। उनका यह बयान झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के उस बयान के एक दिन बाद आया है, जिसमें पार्टी ने कहा था कि अगर 14 अक्टूबर तक बिहार चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर फैसला नहीं होता है, तो वह अपना स्वतंत्र निर्णय लेगी।

झामुमो के केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने शनिवार को कहा था कि पार्टी बिहार विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की सहयोगी के रूप में कम से कम 12 सीटों पर दावेदारी करना चाहती है। बिहार चुनाव से पहले कांग्रेस द्वारा शुरू किए गए अभियान 'वोट चोर, गद्दी छोड़' को लेकर खेड़ा ने कहा कि यह लोकतंत्र को बचाने का अभियान है। अगर आपके वोट पर आपका अधिकार नहीं रहेगा, तो लोकतंत्र भी नहीं रहेगा।

गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों में 6 और 11 नवंबर को होंगे, जबकि मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी।

हंटिंग्गटन स्ट्रीट और पैसिफिक कोस्ट हाइवे के नजदीक

कैलिफोर्निया में हुआ भीषण हेलीकॉप्टर हादसा

कैलिफोर्निया, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक भीषण हेलीकॉप्टर हादसा हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार हादसे के वक्त दो लोग हेलीकॉप्टर में सवार थे, बाकी तीन अन्य लोग हादसे की चपेट में आकर घायल हो गए। घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसा दोपहर करीब दो बजे कैलिफोर्निया के हंटिंग्गटन स्ट्रीट और पैसिफिक कोस्ट हाइवे के नजदीक हुआ। हेलीकॉप्टर हादसे में 5 लोग घायल हुए हैं। हादसे का शिकार हुआ विमान 1980 बेल 222 (टेल नंबर एन222ईएक्स) है। दोहरे इंजन वाले मॉडल के इस हेलीकॉप्टर में दस लोग बैठ सकते हैं और यह लगभग 170 मील प्रति घंटे की गति से उड़ सकता है। इसके मालिक विमानन क्षेत्र के जाने-माने व्यक्ति एरिक निक्सन हैं। जांच अधिकारी हादसा वाली जगह पर मौजूद हैं और हादसे की वजह जानने में जुटे हुए हैं। हेलीकॉप्टर हादसा में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसा बेहद डरावना था।

मीडिया के मुताबिक समुद्र तट पर कार्स एंड कॉप्टर्स नामक कार्यक्रम का आयोजन हो रहा था और हादसे का शिकार हुआ हेलीकॉप्टर भी उसी कार्यक्रम का हिस्सा था। हादसा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें हेलीकॉप्टर काफी नीचे उड़ रहा था। उसी दौरान हेलीकॉप्टर के पंख वहां मौजूद ताड़ के पेड़ों की पत्तियों से टकरा गए। हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आई और हेलीकॉप्टर अचानक से ऊपर की तरफ उठा और अनियंत्रित होकर क्रैश हो गया।

'हम लड़ने से नहीं डरते'

ट्रंप ने चाइनीज सामान पर लगाया 100% टैरिफ तो आया चीन का पहला रिएक्शन

बीजिंग, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीन ने रविवार को संकेत दिया कि वो अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से आने वाली वस्तुओं पर 100 प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने का ऐलान किया है, जिसे चीन ने डबल स्टैंडर्ड और व्यापारिक आचरण का अनुचित उदाहरण बताते हुए कड़ी निंदा की है। ट्रंप का यह कदम चीन द्वारा रेयर अर्थ के निर्यात पर लगाए गए सख्त नियंत्रण के जवाब में आया है।

चीन ने स्पष्ट किया है कि उसके द्वारा लगाए गए नियंत्रण वैध हैं और वह वैश्विक औद्योगिक और सप्लाई चेन की सुरक्षा बनाए रखने के लिए सभी देशों के साथ संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए तैयार है। वहीं, अमेरिका ने चेतावनी दी है कि अगर हालात नहीं सुधरे तो राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ इस महीने की निर्धारित बैठक रद्द की जा सकती है।

चीन ने अमेरिका पर लगाए ये आरोप

चीन ने आरोप लगाया है कि सितंबर के बाद से अमेरिका ने चीन पर आर्थिक दबाव बढ़ा दिया है। मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'इन कदमों ने चीन के हितों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया है और दोनों देशों के बीच व्यापारिक वार्ता के माहौल को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।' वाणिज्य मंत्रालय ने यह भी कहा, 'हर मोड़ पर उच्च टैरिफ की धमकी देना चीन से बातचीत का सही तरीका नहीं है।'

चीन ने ट्रंप प्रशासन से की ये अपील

चीन ने ट्रंप प्रशासन से अपने व्यापार दृष्टिकोण में बदलाव करने की अपील की है और 'उच्च टैरिफ की धमकियों' की निंदा की। वहीं, चीनी मंत्रालय ने चेतावनी दी कि यदि अमेरिका अपनी गलत नीतियों पर अड़ा रहा तो चीन अपने वैध अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाएगा। चीनी प्रवक्ता ने आगे कहा, 'चीन की स्थिति स्पष्ट है, हम व्यापार युद्ध नहीं चाहते, लेकिन हम उससे डरते भी नहीं। हम अमेरिका से अपील करते हैं कि वह अपनी गलत प्रथाओं को तुरंत सुधारें।'

ट्रंप ने चीन पर लगाया 100 फीसदी एक्सट्रा टैरिफ

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर 100 % एक्स्ट्रा टैरिफ लगाते हुए कहा कि चीन द्वारा रेयर अर्थ मिनरल्स पर लिया गया फैसला सभी देशों को प्रभावित करेगा। उन्होंने इसे नैतिक अपमान बताया और कहा कि यह चीन की विश्व व्यापार पर हावी होने की लंबी अवधि की रणनीति का हिस्सा है। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि अमेरिका एकतरफा कार्रवाई करेगा, चाहे अन्य देश कुछ भी करें। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर 2025 से अमेरिका चीन पर 100% नए टैरिफ लगाएगा, जो वर्तमान में लगे किसी भी टैरिफ से अलग और अतिरिक्त होंगे।

ट्रंप ने डैन स्कैविनो को बनाया व्हाइट हाउस कार्मिक कार्यालय का प्रमुख

वॉशिंगटन, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ डैन स्काविनो को व्हाइट हाउस प्रेसिडेंशियल पर्सनल ऑफिस का प्रमुख नियुक्त किया है। इस घोषणा की जानकारी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट करके दी। ट्रंप प्रशासन में यह कदम प्रशासनिक टीम की मजबूती और योग्य लोगों की नियुक्ति सुनिश्चित करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

सर्जियो गोर की जगह लेंगे स्काविनो

डैन स्काविनो, जिन्होंने पहले से ही ट्रंप प्रशासन में डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में कार्य किया है, अब सर्जियो गोर की जगह लेंगे। सर्जियो गोर को हाल ही में अमेरिका की सीनेट की तरफ से अमेरिका के अगले भारत राजदूत के रूप में नियुक्ति की गई थी और वे फिलहाल में छह दिन के भारत दौरे पर आए हैं।

ट्रंप ने स्काविनो को बताया महान

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर पोस्ट में लिखा, 'मैं यह बताते हुए खुश हूं कि महान डैन स्काविनो, डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ बने रहने के साथ-साथ, व्हाइट हाउस पर्सनल ऑफिस का नेतृत्व करेंगे। सर्जियो गोर ने इस पद पर शानदार काम किया और अब वे भारत के राजदूत बन रहे हैं। डैन को बधाई, आप शानदार काम करेंगे!'

व्हाइट हाउस पर्सनल ऑफिस की क्या होती है जिम्मेदारी?

यह ऑफिस सरकार में लगभग सभी पदों के चयन और नियुक्ति की प्रक्रिया की देखरेख करता है। कार्यालय राष्ट्रपति के लिए विभागों और एजेंसियों में योग्य उम्मीदवारों की भर्ती करता है। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण और बड़ा पद माना जाता है क्योंकि इसके जरिए राष्ट्रपति प्रशासन में नियुक्तियों का निर्णय लिया जाता है।

मेक्सिको में बारिश से 'त्राहिमाम', बाढ़ से 41 की मौत; तेज बहाव में कई लापता

पोजा रिका, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। मेक्सिको में भारी बारिश के कारण बाढ़ का कहर टूट पड़ा है। मेक्सिको की गलियों में 12 फीट तक पानी भर गया है। बाढ़ से कई शहरों में हाहाकार मच गया है। इस आपदा में कम से कम 41 लोगों की मौत हो गई है और कई लोग लापता हैं। मेक्सिको के पॉज रिका में कैजोन्स नदी पूरे उफान पर है। नदी का पानी शहरों में घुस गया। पानी का बहाव इतनी तेज था कि कई कारें इसमें बह गईं और इमारतें धराशायी हो गईं। नदी का बहाव कम होने के बाद गलियों से पानी तो हट गया, लेकिन बाढ़ से हुई तबाही का मंजर अब भी देखा जा सकता है। कारें पेड़ों पर लटकी नजर आ रही हैं। वहीं एक पिकअप ट्रक के अंदर घोड़े का शव मिला है। भारी बारिश और बाढ़ के कारण मेक्सिको के कई इलाकों में मौत का आंकड़ा भी लगातार बढ़ रहा है। केंद्रीय और दक्षिणी मेक्सिको में 41 लोगों की मौत की पुष्टि की गई है। वहीं, कई लोग अभी तक लापता हैं। सड़कें पूरी तरह मलबे से पट गई हैं, जिन्हें साफ किया जा रहा है। बता दें कि 6-9 अक्टूबर तक मेक्सिको में बारिश ने भारी तबाही मचाई। इसका सबसे भयानक असर तेल के लिए मशहूर पॉज रिका शहर में देखा गया। मेक्सिको की राजधानी मेक्सिको सिटी से महज 275 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पॉज रिका में पानी का तेज बहाव कई लोगों को अपने साथ बहा ले गया, जिनकी तलाश अभी भी जारी है। हिदालगो में 16 लोगों की मौत हो कई।

150 से ज्यादा इलाकों से संपर्क टूट चुका है। वहीं, प्यूब्ला में 9 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है और 16,000 से ज्यादा घर मलबे में तब्दील हो चुके हैं। मेक्सिको के वेराक्रूज राज्य में 15 लोगों की जान चली गई और भूस्खलन की वजह से 42 इलाकों से संपर्क टूट चुका है। बचाव दल गुमशुदा लोगों की तलाश कर रहा है। यहां लगभग 27 लोग लापता हैं, जिनका अभी तक कोई पता नहीं चल सका है।

इमरान खान की पार्टी में पड़ी फूट

अपने ही सीएम के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की थी तैयारी

इस्लामाबाद, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। लंबे समय से जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई में फूट पड़ गई है। एक समय इमरान खान के करीबी अली अमीन गंडापुर ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा राज्य में पीटीआई की सरकार है और अली अमीन गंडापुर इसके सीएम थे। हालांकि बीते काफी समय से पीटीआई नेतृत्व और अली अमीन गंडापुर के बीच मतभेद बढ़ गए थे। साथ ही खैबर पख्तूनख्वा में आतंकी हमलों की घटनाएं भी काफी बढ़ गई हैं। ऐसे में अली अमीन गंडापुर से इस्तीफा देने की मांग की जा रही थी। पार्टी ने अपने ही सीएम अली अमीन गंडापुर को पद से हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी कर ली थी, लेकिन उससे पहले ही शनिवार को गंडापुर ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद पीटीआई ने भी अविश्वास प्रस्ताव लाने के विचार को छोड़ दिया। अली अमीन गंडापुर की जगह एमपीए सोहेल अफरीदी को खैबर पख्तूनख्वा को नया सीएम बनाने का एलान किया है। पीटीआई संस्थापक इमरान खान के आदेश पर सोहेल अफरीदी का नया सीएम बनाया जा रहा है। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम ने पीटीआई में जारी अंतर्कलह को उजागर कर दिया है।

दरअसल इमरान खान की बहन अलीमा खान और अली अमीन गंडापुर के बीच मतभेद हैं और अलीमा ने अली अमीन गंडापुर पर आर्मी के साथ मिलकर पीटीआई पार्टी को कब्जाने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। वहीं गंडापुर ने अमीना पर पार्टी को तोड़ने का आरोप लगाया था। अब पीटीआई ने खैबर पख्तूनख्वा में कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए अली अमीन गंडापुर को सीएम पद से हटाने का फैसला किया।

मिस्र में गाजा युद्धविराम की बैठक से पहले कैसे हुई कतर के 3 राजनायिकों की मौत?

मिस्र, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। गाजा युद्धविराम को लेकर मिस्र में एक अहम मीटिंग होने वाली है। इस बैठक से पहले रविवार को दो सुरक्षा सूत्रों ने रॉयटर्स को बताया कि मिस्र के रेड सी तट पर स्थित शरम अल-शेख शहर के पास एक सड़क हादसे में तीन कतरी राजनयिकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। सूत्रों के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब राजनयिकों की कार शहर से लगभग 50 किलोमीटर (31 मील) दूर एक मोड़ पर पलट गई।

यह दुर्घटना उस समय हुई है जब शरम अल-शेख शहर में गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक वैश्विक शिखर सम्मेलन शुरू होने में सिर्फ एक दिन बाकी है।

सोमवार को होगी अहम वार्ता

अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मृतक कतरी राजनयिक कतर की उस वार्ता टीम का हिस्सा थे या नहीं, जिसने मिस्र के अधिकारियों के साथ मिलकर शरम अल-शेख में इस हफ्ते इजराइल और हमास के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गाजा योजना के पहले चरण पर प्रारंभिक समझौता कराने में भूमिका निभाई थी। शहर में सोमवार को एक वैश्विक शिखर सम्मेलन आयोजित होना है, जिसका मकसद गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए अंतिम समझौते पर मुहर लगाना है।

आगामी गाजा शांति शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप करेंगे। जारी एक राष्ट्रपति बयान के अनुसार, इस सम्मेलन में 20 से ज्यादा देशों के नेता शामिल होंगे। बयान में कहा गया है कि शिखर सम्मेलन का मकसद गाजा में युद्ध को समाप्त करना, मिडिल ईस्ट में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के प्रयासों को मजबूत करना और क्षेत्रीय सुरक्षा के एक नए युग की शुरुआत करना है।

हमास ने शामिल न होने का किया ऐलान

इस बीच, हमास ने मिस्र में होने वाले गाजा शांति समझौते पर हस्ताक्षर समारोह में शामिल न होने की घोषणा की है। एएफपी से बातचीत में एक वरिष्ठ हमास नेता ने बताया कि संगठन को ट्रंप की योजना के कुछ प्रावधानों पर आपत्ति है। रिपोर्ट के अनुसार, हमास नेताओं ने इस प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया है जिसमें उनके सदस्यों को गाजा छोड़ने के लिए कहा गया था। उन्होंने इसे बेतुका बताया।

पढ़ाई के लिए अमेरिका नहीं जाना चाहते भारतीय स्टूडेंट्स!

हो गया है मोहभंग, 40% कम हुई अटेंडेंस

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। उच्च शिक्षा के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका जाने वाले भारतीय स्टूडेंट्स की संख्या में 40% तक की भारी गिरावट दर्ज की गई है। कई अमेरिकी यूनिवर्सिटी इंटरनेशनल स्टूडेंट्स पर काफी हद तक निर्भर रहती हैं। यह उनके लिए चिंता का विषय है। इस आंकड़े से स्पष्ट होता है कि कभी भारतीय छात्रों की पसंद रहा अमेरिका अब अपनी चमक खो रहा है। स्टूडेंट्स अब शिक्षा की गुणवत्ता के साथ-साथ वीजा स्टेबिलिटी, रहने की लागत और पढ़ाई के बाद काम के अवसरों को भी महत्व दे रहे हैं।

अमेरिकी यूनिवर्सिटी से हुआ मोहभंग कई फैक्टर्स का मिला-जुला परिणाम है। इसमें अमेरिका की सख्त पॉलिसी और वीजा प्रक्रिया में अनिश्चितता सबसे प्रमुख हैं। इसके अलावा, अमेरिका में उच्च शिक्षा और जीवन-यापन की बढ़ती लागत भी छात्रों को अन्य किफायती विकल्पों की तलाश करने पर मजबूर कर रही है।

भारतीय छात्र अब ज्यादा सोच-समझकर और रिस्क का आकलन करके स्टडी डेस्टिनेशन का चयन कर रहे हैं। वे उन देशों को प्राथमिकता दे रहे हैं, जो उन्हें अध्ययन-से-रोजगार तक का रास्ता प्रदान कर सके। अमेरिकी यूनिवर्सिटी में एडमिशन नहीं लेने के पीछे कई बड़े फैक्टर्स हैं। इनमें वीजा से जुड़ी समस्याएं सबसे आम हैं। बड़ी संख्या में भारतीय छात्र इससे प्रभावित हैं।

डॉलर का 'अंतिम संस्कार' शुरू? चीन के हाथ खींचने से गहराया संकट, भारत खुद को ऐसे बचा लेगा

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका का बढ़ता कर्ज टेंशन बन गया है। चीन का अमेरिकी कर्ज से बाहर निकलना और ज्यादा डराने लगा है। यह वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल पैदा कर सकता है। इससे डॉलर की स्थिति कमजोर होगी। ऐसे में एक सवाल उठा है। दुनिया का सबसे बड़ा कर्जदार जब धीरे-धीरे कर्ज चुकाने में नाकाम होने लगे तो क्या होगा? निवेश बैंकर सार्थक आहूजा के मुताबिक, यह सवाल जल्द ही वैश्विक अर्थव्यवस्था को परिभाषित कर सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि बड़े देश अमेरिका से अपना पैसा निकालना शुरू कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने चेतावनी दी है कि अमेरिकी कर्ज का जाल हाथ से निकल गया है। आहूजा का लिंक्डइन पोस्ट वित्तीय हलकों में बहस छेड़ रहा है। उन्होंने सीधे शब्दों में चेतावनी दी है। कहा, 'अमेरिका पर यूरोप, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका की कुल जीडीपी से भी ज्यादा कर्ज है। यह हर अमेरिकी पर 100,000 डॉलर से ज्यादा का कर्ज है।'

यह चेतावनी आईएमएफ की ओर से अमेरिका के 36 ट्रिलियन डॉलर के संघीय कर्ज पर हालिया आंकड़े के बाद आई है। यह कर्ज मुख्य रूप से 2008 के बाद के बेलआउट (आर्थिक संकट से उबारने के लिए दी गई मदद), रिकॉर्ड रक्षा खर्च और महामारी के दौरान दिए गए प्रोत्साहन पैकेजों के कारण बढ़ा है। अब अमेरिका के सबसे बड़े कर्जदार अपना पैसा वापस चाहते हैं। चीन, जापान, ब्रिटेन और कनाडा जैसे देश चुपचाप अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड (सरकारी प्रतिभूतियां) बेचना शुरू कर चुके हैं। आहूजा लिखते हैं, 'चीन, जो अमेरिका का सबसे बड़ा कर्जदार है, उसने पहले ही शुरुआत कर दी है। जापान भी वही कर रहा है।'निवेशकों को बनाए रखने के लिए अमेरिका ब्याज दरें बढ़ा रहा है। लेकिन, इससे संकट और गहरा रहा है। अब सालाना ब्याज भुगतान 1 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा हो गया है। यह पेंटागन (अमेरिकी रक्षा विभाग) के बजट से भी ज्यादा है।

वैश्विक पूंजी प्रवाह में यह बदलाव पहले से ही दिखाई दे रहा है। केंद्रीय बैंक सोने की ओर रुख कर रहे हैं। उभरते बाजारों में चीनी युआन व्यापारिक मुद्रा के रूप में अपनी जगह बना रहा है।

अमेरिका के पास क्या विकल्प बचा है?

आहूजा अमीरों पर टैक्स बढ़ाने का सुझाव देते हैं। लेकिन, वे यह भी बताते हैं कि टैक्स में छूट जारी है। रक्षा, स्वास्थ्य सेवा या कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च में कटौती से अशांति फैल सकती है। हकीकत में इसका अंतिम उपाय टैरिफ और आप्रवासन (इमिग्रेशन) में कटौती जैसा कदम लग रहा है। ऐसे कदम अमेरिका को और अलग-थलग करने का जोखिम उठाते हैं। आहूजा चेतावनी देते हैं, 'अगर यह जारी रहा तो डॉलर का अवमूल्यन यानी कीमत गिरना शुरू हो सकता है। दुनिया उसके आगे बढ़ सकती है।'भारत को इस संभावित डॉलर संकट से बचने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनानी होगी। इसका पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम डी-डॉलराइजेशन है। इसके तहत भारत को रूस और यूएई जैसे देशों के साथ स्थानीय मुद्राओं (जैसे रुपया) में व्यापार को बढ़ावा देना होगा ताकि डॉलर की अस्थिरता का असर कम हो सके।

दूसरा, भारत को 'मेक इन इंडिया' और पीएआई स्कीमों के जरिये एक विश्वसनीय ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनकर विदेशी निवेश (एफडीआई) को आकर्षित करना होगा, जो चीन से बाहर निकल रही कंपनियों के लिए आकर्षक विकल्प बन सके। तीसरा, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को अपने विदेशी मुद्रा भंडार का कुशल प्रबंधन करना होगा। इसमें सोने और अन्य मजबूत मुद्राओं की हिस्सेदारी बढ़ाकर जोखिम को कम करना पड़ेगा। इसके साथ ही, राजकोषीय अनुशासन बनाए रखना और ऊंची विकास दर हासिल करना जरूरी है ताकि रुपये का आंतरिक मूल्य स्थिर रहे। साथ ही भारत वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल के बजाय ग्लोबल सप्लाई चेन का केंद्र बन सके।

गाजा युद्धविराम का असर, हमास करेगा सोमवार को 48 बंदियों की रिहाई, इजराइल भी करेगा 2 हजार को आजाद

गाजा, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। हमास और इजराइल के बीच लंबे समय से छिड़े संघर्ष के बाद कैदियों की रिहाई पर सहमति हो गई है। इसी के तहत हमास ने पुष्टि की है कि अमेरिकी मध्यस्थता में हुए युद्धविराम समझौते के तहत गाजा में बंधक बनाए गए 48 लोगों की रिहाई सोमवार सुबह से शुरू होगी। माना जा रहा है कि 48 में से 20 बंधक जिंदा हैं और 28 की मौत हो चुकी है। सीनियर हमास अधिकारी उसामा हमदान ने समाचार एजेंसी एएफपी से कहा, हस्ताक्षरित समझौते के अनुसार, कैदी अदला-बदली की प्रक्रिया सोमवार सुबह शुरू होगी और इस मामले में कोई नया बदलाव नहीं है।

चरणबद्ध समझौते के तहत हमास पहले बंधकों को रिहा करेगा, जिसके बाद इजराइल लगभग 2 हजार फिलिस्तीनी बंदियों को रिहा करेगा। हमास ने संकेत दिया है कि उसे 72 घंटे की समयसीमा में मृत बंधकों के शवों को ढूंढने में

कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है और इजराइल इस स्थिति को जानता है। समझौते का पहला चरण शुक्रवार को स्थानीय समय दोपहर 12 बजे से लागू हुआ। इजराइल की ओर से युद्धविराम और आंशिक सैनिक वापसी के बाद विस्थापित परिवारों को अपने तबाह घरों में लौटने की अनुमति मिली।

हमदान ने कहा कि किन फिलिस्तीनी कैदियों को इजराइल की ओर से रिहा किया जाएगा, इस पर बातचीत अभी जारी है क्योंकि इजराइल कुछ लोगों को रिहा करने के लिए तैयार नहीं है। हालांकि, अंतिम सूची रविवार सुबह तक तैयार हो जानी चाहिए। एएफपी के अनुसार हमदान ने बताया, हमास के कैदी कार्यालय ने कहा है कि अब तक यह प्रक्रिया पूरी तरह अंतिम रूप नहीं ले पाई है। इजराइल कुछ नामों को रिहा करने से अब भी इनकार कर रहा है। हालांकि, वार्ता प्रतिनिधिमंडल उनकी रिहाई सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है।

गाजा युद्धविराम को अंतिम रूप देने के लिए मिस्र में सोमवार को अहम वार्ता होने वाली है। इस वार्ता में शामिल होने से हमास ने इनकार कर दिया है। हमास ने कहा है कि उसे ट्रंप की योजना के कुछ हिस्सों से असहमति है। हमास नेताओं ने अपने सदस्यों को गाजा छोड़ने के प्रस्ताव को भी बेतुका करार दिया था। यह घोषणा सोमवार को शरम अल-शेख में होने वाले गाजा शांति शिखर सम्मेलन से ठीक पहले की गई है, जिसकी सह-अध्यक्षता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी करेंगे। इस सम्मेलन में 20 से ज्यादा देशों के नेता शामिल होंगे। शिखर सम्मेलन का मकसद गाजा में युद्ध को समाप्त करने और क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए अंतिम समझौते को फाइनल करना है।

अर्जेंटीना के सिंगर की मेक्सिको में दर्दनाक मौत

मेक्सिको, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के जाने-माने गायक फेडे डोरकाज को मेक्सिको में गोली मार दी गई। गोली सीधा सिंगर के गले में जाकर लगी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। फेडे की मौत की असली वजह अभी तक सामने नहीं आई है, लेकिन पुलिस ने इसके पीछे लूटपाट की आशंका जताई है। फेडे मेक्सिको के मशहूर डांस कॉम्प्टीशन में हिस्सा लेने पहुंचे थे। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, फेडे डांस का रिहर्सल करने के बाद ड्राइव करते हुए घर जा रहे थे, मगर रास्ते में ही उनकी हत्या कर दी गई यह घटना मेक्सिको की राजधानी मेक्सिको सिटी की है। फेडे की हत्या का कारण जानने के लिए पुलिस पूरे शहर का सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। इस दौरान पुलिस के हाथ एक फुटेज लगी है,

जिसमें बाइक सवार 4 लोगों पर पुलिस को शक है। चारों संदिग्ध आरोपी मोटरसाइल से भागते नजर आ रहे हैं। बता दें कि फेडे मेक्सिकन एक्ट्रेस मारियाना अविला को डेट कर रहे थे। मेक्सिको के डांस कॉम्प्टीशन में फेडे और मारियाना की शानदार परफॉर्मेंस होने वाली थी, मगर इससे पहले ही फेडे की हत्या हो गई। फेडे की मौत के बाद मारियाना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, इस पूरी दुनिया में तुम हमेशा मेरे सबसे पसंदीदा व्यक्ति रहोगे। मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं और हमेशा करती रहूंगी।

8 जिलों में पीएम धन-धान्य कृषि योजना शुरू

किसानों को लेकर सीएम भजनलाल ने कही बड़ी बात

जयपुर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन योजनाएं खेती को आत्मनिर्भर और टिकाऊ बनाएंगी। परंपरागत खेती आज के दौर में किसानों के लिए घाटे का सौदा बन रही है। मुख्यमंत्री दुर्गापुरा स्थित कृषि अनुसंधान संस्थान में राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री की इस दूरदर्शी पहल से किसान भाई-बहन अब केवल पारंपरिक खेती तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक तरीकों और बाजार से बेहतर जुड़ाव के माध्यम से समृद्धि और प्रगति का नया अध्याय रचेंगे।

योजना में प्रदेश के 8 जिले शामिल

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना के तहत देश के 100 जिलों को चुना गया है। राजस्थान के आठ जिले बाड़मेर, जैसलमेर, नागौर, जोधपुर, बीकानेर, पाली, जालोर और चूरू को इस योजना में शामिल किया गया हैं।

पूर्व सरकार पर साधा निशाना

मुख्यमंत्री ने पूर्व सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने सहकारिता को भ्रष्टाचार का अड्डा बनाकर रखा था, लेकिन अब सब कुछ बदल रहा है। हम हर पंचायत पर कॉपरेटिव सोसायटी बनाने जा रहे हैं।

बीमा कंपनी किसानों को कर रही परेशान : किरोड़ी लाल

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीना ने मुख्यमंत्री से बीमा कंपनियों की शिकायत करते हुए कहा कि फसल बीमा की शिकायतें बहुत आ रही हैं। बीमा कंपनी ने परेशान कर रखा है। समय पर बीमा क्लेम नहीं मिलता, किसान चक्कर लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों को फसल बीमा योजना और आपदा राहत कोष से मदद की जाएगी।

बीच बाजार में कांग्रेस नेता पर फायरिंग और तलवार से हमला

आईसीयू में भर्ती; बीजेपी नेता पर आरोप

भीलवाड़ा, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। भीलवाड़ा शहर के मध्य स्थित सरकारी दरवाजा क्षेत्र में अफरातफरी मच गई जब कांग्रेस नेता और हलेड़ ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच हरफूल जाट पर बाइक सवार हथियारबंद बदमाशों ने फायरिंग और तलवार से हमला कर दिया। घटना शाम करीब सात बजे की है, जब हरफूल जाट किसी कार्य से बाजार पहुंचे थे। हमलावरों ने पहले गोली चलाई और फिर तलवार से वार कर मौके से फरार हो गए।

घटना के तुरंत बाद बाजार में भगदड़ मच गई। लोगों ने सुरक्षा के चलते दुकानों के शटर बंद कर दिए और आसपास के क्षेत्रों में दहशत फैल गई। घायल हरफूल जाट को तत्काल महात्मा गांधी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उन्हें गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती किया गया है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी स्थिति गंभीर लेकिन स्थिर बताई जा रही है।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई, हथियार बरामद

हमले की सूचना मिलते ही सीओ सिटी मनीष बड़गुर्जर और कोतवाल गजेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल की घेराबंदी कर तलाशी शुरू की। मौके से एक तलवार और एक लाठी बरामद की गई है। घटना स्थल पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, स्थानीय लोग और व्यापारी एकत्र हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दो बाइक सवार बदमाश हरफूल जाट का पीछा करते हुए सरकारी दरवाजा तक पहुंचे। जैसे ही वह एक दुकान

के सामने रुके, हमलावरों ने उन पर तलवार से हमला किया और भागते समय फायरिंग भी की। इसके बाद वे बाइक पर सवार होकर फरार हो गए।

रंजिश या राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता की आशंका

प्रारंभिक जांच में पुलिस को यह मामला पुरानी रंजिश या राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता से जुड़ा प्रतीत हो रहा है, हालांकि अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेश सोनी ने इस हमले के पीछे हलेड़ के भाजपा नेता बालूलाल आचार्य का हाथ होने की आशंका जताई है। वहीं, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इस घटना को राजनीतिक साजिश बताते हुए दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है।

शहर में नाकाबंदी और बढ़ी निगरानी

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने शहर के मुख्य मार्गों पर नाकाबंदी कर दी है और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि कई टीमें गठित कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। अधिकारियों ने भरोसा जताया कि हमलावर जल्द ही गिरफ्तार किए जाएंगे। इस बीच अस्पताल के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भीड़ जुटी हुई है। माहौल तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में बताया जा रहा है। पुलिस प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की है।

बांग्लादेशी शरणार्थियों को मुस्लिम देशों में बांट दें

समस्या खत्म, आरएसएस नेता का बयान

बसिरोही, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। आरएसएस के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार आबूरोड स्थित ब्रह्माकुमारीज के शांतिवन में आयोजित वैश्विक शिखर सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे। वहां मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने बांग्लादेशी शरणार्थियों को मुस्लिम देशों में वितरित करने का बयान दिया, जिसे सामाजिक और राजनैतिक चर्चा का विषय बना दिया गया है। उन्होंने कहा कि यदि विस्थापित बांग्लादेशियों को मुस्लिम देशों में 'डिस्ट्रीब्यूट' कर दिया जाए तो यह समस्या स्थायी रूप से समाप्त हो जाएगी और इससे यह भी पता चलेगा कि मुस्लिम देश आपस में कितने सहयोगी हैं।

शरणार्थी नीति पर तीखा और वैचारिक बयान

इंद्रेश कुमार ने अपने बयान में कहा कि जितने बांग्लादेशी शरणार्थी विस्थापित हैं, उन्हें 'दो-तीन लाख' की तादाद में मुस्लिम देशों में रखा जाना चाहिए ताकि यह स्पष्ट हो सके कि इस्लामिक ब्रदरहुड और सेक्युलर ब्रदरहुड के बीच व्यवहार में क्या फर्क है। उनके इस सुझाव ने शरणार्थी नीति, मानवता और अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारियों से जुड़े सवाल उठवा दिए हैं। सामाजिक मंचों पर और राजनीतिक गलियारों में उनके बयान की निंदा और समर्थन दोनों स्वर सुनाई देने लगे हैं।

वैश्विक कूटनीति और बाजारवाद पर भी चर्चा

सम्मेलन के दौरान इंद्रेश कुमार ने वैश्विक बाजारवादी ताकतों और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर भी विचार व्यक्त किए। उन्होंने यह दावा किया कि शांति ही सबसे शक्तिशाली उत्तर है और कुछ देशों द्वारा उठाए गए कदमों जैसे टैरिफ का असर वैश्विक राजनीति पर पड़ा। उन्होंने कहा कि भारत ने क्षेत्रीय रूप से म्यांमार, मालदीव और श्रीलंका के साथ दोस्ताना रिश्ते बनाए हैं और वैश्विक शक्तियां कुछ देशों को अस्थिर करने की कोशिश कर रही हैं, पर भारत चुप्पी के जरिए उन्हें असफल कर रहा है।

इंद्रेश कुमार ने कांग्रेस के 'वोट चोर' अभियान और विपक्षी राजनीति पर भी तीखे शब्द कहे। उनका कहना था कि विपक्ष नकारात्मकता फैला रहा है और लोकतंत्र के प्रति कटुतापूर्ण भाषा का प्रयोग कर रहा है। उन्होंने विपक्ष पर ऐतिहासिक आरोप लगाते हुए दावा किया कि कुछ दलों ने 1947 के बाद भी लोकतंत्र के साथ समझौता किया है।

डॉ. सतीश पूनिया की पुस्तक विमोचन में राजनीतिक हलचल

टीकाराम जूली और मदन राठौड़ की मौजूदगी बनी चर्चा

जयपुर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं आमेर से पूर्व विधायक डॉ. सतीश पूनिया की विधायक कार्यकाल पर आधारित पुस्तक 'अग्निपथ नहीं जनपथ' के विमोचन समारोह में राजनीतिक संदेशों की झलक देखने को मिली। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथियों में कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और भीलवाड़ा की जिला प्रमुख वरजी बाई भील शामिल रहीं। हालांकि, डॉ. सी पी जोशी, पूर्व अध्यक्ष राजस्थान विधानसभा का नाम विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्ड पर अंकित था, लेकिन वे कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हुए।

डॉ. सतीश पूनिया ने अपने संबोधन में कहा कि उन्होंने आयोजन के लिए बड़े प्रेमपूर्वक आमंत्रण भेजे थे। हालांकि यह हैरानी की बात रही कि भाजपा के वर्तमान प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ का नाम विशिष्ट अथवा मुख्य अतिथियों की सूची में नहीं था। इसके बावजूद राठौड़ ने अपनी सादगी और संगठन के प्रति निष्ठा दिखाते हुए केवल आमंत्रण पर कार्यक्रम में भाग लिया। पूनिया ने बताया कि उन्हें संकोच था कि राठौड़ का नाम अतिथियों में नहीं है, लेकिन जब वे गेट पर खड़े थे, राठौड़ पहले व्यक्ति थे जो पहुंचे। जब पूनिया ने उनका फूलों के गुच्छे से स्वागत करना चाहा, तो राठौड़ ने कहा, "मैं आज यहाँ कार्यकर्ता के रूप में आया हूं।"

कार्यक्रम के दौरान डॉ. पूनिया ने कांग्रेस नेता टीकाराम जूली का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया और कहा कि टीकाराम जी का यह उपकार वे कभी नहीं भूलेंगे, क्योंकि वे उनके एक फोन पर यहां आए। इस आयोजन में दो प्रमुख कांग्रेस नेताओं की मौजूदगी और भाजपा के वर्तमान प्रदेशाध्यक्ष की औपचारिक अनुपस्थिति ने राजनीतिक हलकों में कई सवाल खड़े कर दिए। सवाल यह उठ रहे हैं कि क्या यह कार्यक्रम केवल साहित्यिक विमोचन था या भाजपा के भीतर चल रही गुटबाजी की झलक भी देखने को मिली।

भाजपा नेता अक्सर यह दावा करते रहे हैं कि पार्टी में कोई गुटबाजी नहीं है, लेकिन 'अग्निपथ नहीं जनपथ' के विमोचन मंच पर जो दृश्य सामने आया, उसने इन दावों पर सवाल खड़े कर दिए। मदन राठौड़ मंच पर जरूर बैठे, लेकिन विशिष्ट अतिथि की सूची में उनका नाम न होना राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

मोबाइल पर बात करते-करते ओवरब्रिज से कूदी युवती, सुसाइड नोट में बताई वजह

जोधपुर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के जोधपुर शहर में रविवार को हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां मोबाइल पर बात करते-करते एक युवती ने अचानक सांगरिया ओवरब्रिज से छलांग लगा दी। युवती को गंभीर हालत में जोधपुर एम्स में भर्ती करवाया गया है।

पुलिस के मुताबिक मामला सुबह करीब 11.30 बजे का है। जब एक युवती मोबाइल पर बात करते हुए सांगरिया रेलवे ओवरब्रिज से पैदल निकल रही थी। तभी युवती ओवरब्रिज से नीचे कूद गई।

कार की डिग्गी पर गिरने से बची जान

गनीमत रही कि ओवरब्रिज के नीचे से गुजर रही एक कार की डिक्की पर गिरने के कारण युवती की जान बच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को घायल हालत में एम्स में भर्ती कराया। जहां पर उसका इलाज चल रहा है।

सुसाइड नोट में बताई वजह

युवती के पास से पुलिस को एक कागज भी मिला है। जिसमें लिखा है कि पिता की मौत के बाद से वह मानसिक रूप से परेशान चल रही है और तनाव के चलते ऐसा कदम उठा रही है।

कार शोरूम में काम करती है युवती

युवती न्यू हाईकोर्ट के पास आशापूर्णा कॉलोनी की रहने वाली है और कार शोरूम में काम करती है। हाल ही में युवत की पिता का निधन हो गया था। इसके बाद से वह अवसाद में थी। जिसकी वजह से उसने ऐसा कदम उठाया। फिलहाल, पूरे मामले की जांच जारी है।

आईएसआई जासूस को लेकर चौंकाने वाला खुलासा

दोस्तों से कहता था- पाकिस्तानी लड़की मेरी गर्लफ्रेंड, तुम्हारे लिए लाऊंगा नई भाभी

अलवर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान इंटेलिजेंस सीआइडी के हत्थे चढ़े मंगत सिंह से खुफिया एजेंसियां पूछताछ कर रही हैं। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ के लिए जासूसी करने के आरोप में मंगत सिंह को इंटेलिजेंस की टीम ने अलवर के सूर्यनगर क्षेत्र से गिरफ्तार किया था। जासूस मंगत सिंह मूलतः गोविंदगढ़ का निवासी है। गोविंदगढ़ में मंगत सिंह पुत्र मरमत सिंह का अनाज मंडी के पीछे घर है। वह अलवर शहर में रिक्शा चलाता था तथा मुल्तान नगर में गुरुद्वारे के पास किराए के मकान में रहता था।

दो बेटियां व दो बेटों का पिता मंगत पिछले सप्ताह ही गोविंदगढ़ में अपने परिवार से मिलने गया था। उसकी दादी गोविंदगढ़ में रहती है और पिता उसके साथ अलवर में रहते हैं। मंगत सिंह अपने दोस्तों से कहता था कि पाकिस्तान की एक लड़की से मेरी गर्लफ्रेंड है। उससे फोन पर बात करता हूं। जल्दी ही तुम्हारे लिए नई भाभी लेकर आऊंगा।

अधिकारियों के अनुसार वह पाकिस्तानी महिला हैंडलर के हनी ट्रैप में फंसकर पैसों के

लालच में सेना संबंधी व अन्य सामरिक स्थलों की संवेदनशील सूचनाएं पाकिस्तान भेज रहा था। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी ने धन और व्यक्तिगत लाभ के लिए कई बार संवेदनशील सूचनाएं विदेशी एजेंसियों तक पहुंचाई थीं। आगे की जांच जारी है।

करीब दो साल पहले मंगत सिंह के मोबाइल की घंटी बजी, तो उसे एक महिला की आवाज सुनाई दी। कॉल करने वाली महिला ने अपना नाम ईशा शर्मा बताया और उससे मीठी-मीठी बातें की। अगले दिन फिर से उस महिला ने मंगत सिंह को फोन किया और इसके बाद यह सिलसिला लगातार जारी रहा। इसी दौरान फोन करने वाली महिला ने मंगत सिंह को बता दिया कि वह पाकिस्तान में रहती है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ के लिए काम करने वाली इस पाकिस्तानी महिला हैंडलर ने मंगत सिंह को पैसों का लालच देकर सेना की अलवर छावनी व सामरिक स्थलों की गोपनीय जानकारी मांगी, तो मंगत सिंह उसे उक्त जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से देने लगा।

और फिर ऐसे चढ़ा इंटेलिजेंस टीम के हत्थे

मंगत सिंह पिछले करीब दो साल से पाकिस्तानी महिला हैंडलर के संपर्क में था। वह उससे फोन पर बात करता था। साथ ही सेना से जुड़ी गोपनीय जानकारी उसके साथ शेयर करता था। इधर, ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहले से अलर्ट मोड पर चल रही इंटेलिजेंस की टीम को जानकारी मिली कि कोई व्यक्ति एनसीआर और अलवर के अत्यंत महत्वपूर्ण सामरिक एवं संवेदनशील क्षेत्र की गोपनीय जानकारी पाकिस्तान में शेयर कर रहा है। इसके बाद अलवर स्थित छावनी क्षेत्र की निगरानी के दौरान मंगत सिंह की गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं। इंटेलिजेंस की टीम ने मंगत सिंह पर कड़ी नजर रखना शुरू किया और पूरी तरह पुष्टि होने के बाद उसे धर-दबोचा।

जोधपुर-साबरमती ट्रेन के 2 कोच पटरी से उतरे

शंटिंग के दौरान हुआ हादसा, बाल-बाल बचे लोग

जोधपुर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। जोधपुर रेलवे मंडल के कैरिज डिपो में शनिवार रात शंटिंग कार्य के दौरान दो कोच पटरी से उतर गए। घटना वॉशिंग लाइन क्षेत्र में हुई, जहां जोधपुर-साबरमती ट्रेन के खराब रैक को हटाने का काम किया जा रहा था। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई घायल नहीं हुआ और न ही ट्रेनों के संचालन पर असर पड़ा। रेलवे सूत्रों के अनुसार, जोधपुर से साबरमती जाने वाली ट्रेन के वातानुकूलित (एसी) कोच में तकनीकी खराबी की शिकायत मिली थी। इसके बाद रात करीब आठ से साढ़े आठ बजे के बीच तकनीकी टीम ने शंटिंग शुरू की ताकि खराब कोच को रैक से अलग किया जा सके। इस प्रक्रिया में एसी कोच के आगे लगे जनरल और थर्ड एसी इकोनॉमी कोच को वॉशिंग लाइन की ओर ले जाया जा रहा था। शंटिंग के दौरान अचानक दोनों कोच पटरी से उतर गए।

घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे प्रशासन सक्रिय हो गया। तुरंत एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन (एआरटी) टीम को मौके पर भेजा गया, जिसने देर रात तक राहत कार्य चलाकर दोनों कोचों को फिर से पटरी पर चढ़ा दिया। इस दौरान रेलवे संरक्षा विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और पूरी स्थिति का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में तकनीकी खामी को संभावित कारण माना जा रहा है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि चूंकि यह घटना मुख्य ट्रैक पर नहीं बल्कि वॉशिंग लाइन के अंदर हुई थी, इसलिए ट्रेनों की आवाजाही पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। कैरिज डिपो रेलवे की रखरखाव इकाई है, जहां कोच की सफाई, मरम्मत और जांच की जाती है।

78 लाख रुपये गबन के आरोपी पूर्व सरपंच और पूर्व सचिव गिरफ्तार, दस साल से काट रहे थे फरारी

भीलवाड़ा, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। पुलिस थाना शाहपुरा ने 78 लाख रुपये की सरकारी राशि के गबन के मामले में एक दशक से फरार चल रहे तत्कालीन ग्राम सेवक एवं सरपंच को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देश पर थाना प्रभारी सुरेशचंद के निर्देशन में गठित विशेष टीम द्वारा की गई। आरोपी दस वर्ष से फरार थे तथा एक आरोपी पर 5 हजार का इनाम भी घोषित किया गया है। पूर्व सरपंच गणपत खटीक का पारिवारिक सदस्य वर्तमान में ढीकोला में सरपंच हैं तथा वो भाजपा से जुड़े हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपियों में शाहपुरा पंचायत समिति की फुलियाखुर्द पंचायत के तत्कालीन ग्राम सेवक एवं पदेन सचिव श्यामलाल जाट पुत्र छीतरमल जाट निवासी जाटों का मोहल्ला माण्डल तथा तत्कालीन सरपंच गणपतलाल खटीक पुत्र मागीलाल खटीक निवासी कल्याणपुरा ढिकोला शामिल हैं। श्यामलाल जाट पर पुलिस ने 5 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। दोनों आरोपियों को पुलिस ने क्रमशः कोटड़ी और ढिकोला क्षेत्र से गिरफ्तार किया।

एएसपी राजेश आर्य ने बताया कि यह प्रकरण वर्ष 2016 का है, जब तत्कालीन शाहपुरा के पंचायत प्रसार अधिकारी की रिपोर्ट पर ग्राम पंचायत फुलिया खुर्द के रिकॉर्ड की जांच के लिए एक कमेटी गठित की गई थी। जांच के दौरान यह पाया गया कि वर्ष 2010 से 2015 तक का रिकॉर्ड अधूरा था तथा इस अवधि में ग्राम पंचायत के विभिन्न खातों में कुल 83,98,700 जमा हुए थे, जिनमें से 78,60,973 की राशि निकाली गई, परंतु उसका कोई लेखा-जोखा उपलब्ध नहीं था। नये पंचायत चुनाव के बाद हुई शिकायत पर की जांच में तत्कालीन सरपंच गणपतलाल खटीक और ग्राम सेवक श्यामलाल जाट पर सरकारी धन के गबन का आरोप सिद्ध हुआ। प्रकरण संख्या 53/2016 धारा 409 भादंसं के अंतर्गत शाहपुरा थाने में मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई।

दोनों आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार स्थान बदलते रहे। श्यामलाल जाट वर्तमान में ग्राम पंचायत बन का खेड़ा, पंचायत समिति कोटड़ी में पदस्थ था और पिछले कई वर्षों से फरार चल रहा था। शाहपुरा थाना पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी कोटड़ी सर्किल में दिखाई दिया है। इस पर गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे दबोच लिया।पूछताछ में उसके साथी तत्कालीन सरपंच गणपतलाल खटीक का नाम सामने आया, जिसे भी पुलिस ने ढिकोला क्षेत्र से गिरफ्तार किया।

युवक को दावत पर बुलाया और कुल्हाड़ी से काट डाला

हत्या मामले में तीन सगे चाचा सहित 5 गिरफ्तार

टोंक, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के टोंक जिले में घाड़ थाना क्षेत्र के बैलहड़ी गांव में जमीन विवाद के चलते एक युवक की हत्या हो गई। पुलिस ने मृतक का शव दूनी अस्पताल की मोर्चरी में गठित मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया। हत्या मामले में देर रात पांच नामजद आरोपी, जिनमें तीन सगे चाचा और एक महिला शामिल हैं, को डिटेन कर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस उपाधीक्षक रामसिंह जाट के निर्देशन में दूनी थानाप्रभारी रतनसिंह तंवर और घाड़ थानाप्रभारी हरिराम वर्मा की टीम ने पांचों आरोपियों को गिरफ्तार किया। जिनमें से दो आरोपी भागने के दौरान चारनेट गांव के पास से गिरफ्तार किए गए। पुलिस ने बताया कि मृतक सुरेश पर आरोपी लक्ष्मी ने पिछले माह 26 तारीख को गाली-गलोच और अन्य मामलों की शिकायत थाना घाड़ में दर्ज करवाई थी। इसी मामले की जांच के दौरान सुरेश को शांतिभंग के आरोप में भी गिरफ्तार किया गया था। वहीं सुरेश का शव घर पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजन, विशेषकर तीन मासूमों को देखकर बेबस और बेसुध हो गए। उनकी पत्नी करवा चौथ के दिन अपनों के हाथों पति की हत्या होने की बात कहकर बार-बार रो रही थी। पुलिस के अनुसार मृतक सुरेश (30 वर्ष) पुत्र किशनलाल गुर्जर था। मृतक के भाई मनराज गुर्जर ने अपने सगे चाचा रामेश्वर, बाबूलाल, छोटूलाल, उनके बेटे सोनू और पत्नी लक्ष्मी देवी के खिलाफ धारदार हथियारों से हत्या का मामला दर्ज कराया। शाम को आयोजित भोज में शामिल होने के लिए सुरेश को घर बुलाया गया, जहां आरोपियों ने कुल्हाड़ी और अन्य धारदार हथियारों से हमला कर उसे अधमरा कर दिया। घायल सुरेश को उसके भाई ने बाइक पर अस्पताल ले जाने का प्रयास किया, लेकिन घाड़ तक पहुंचने से पहले ही अधिक रक्त बह जाने के कारण दूनी अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित किया।

बाइक सवारों ने अरावली विहार में की फायरिंग, पुलिस ने शुरू की छानबीन

अलवर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। अलवर शहर के अरावली विहार थाना क्षेत्र में भयावह फायरिंग की घटना ने इलाके में हड़कंप और घबराहट फैला दी। घटना भूरा सिद्ध के समीप चुंगी के पास हुई, जहां दो युवक बाइक पर सवार होकर आए और एक आटा चक्की पर फायरिंग कर दी।

सिक्योरिटी में अचानक हुई इस वारदात से आसपास के लोग अफरा-तफरी में आ गए और पूरे इलाके में भारी घबराहट फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही एडिशनल एसपी शरण कांबले गोपीनाथ, पुलिस उप अधीक्षक सिटी अंगद शर्मा और अरावली विहार थाना प्रभारी रामेश्वर लाल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी। एडिशनल एसपी शरण कांबले ने बताया कि फायरिंग की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई थी। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि घटना किसी आपसी रंजिश या पुराने विवाद से जुड़ी हो सकती है। हालांकि, अभी तक आरोपियों की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने पूरे क्षेत्र में नाकाबंदी करवाई और हमलावरों की तलाश तेज कर दी है।

पुलिस का अनुमान है कि करीब छह राउंड फायर किए गए, जिनके खाली खोल मौके पर पड़े मिले हैं और उनकी जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि किसी को इस फायरिंग से कोई हानि नहीं हुई है, लेकिन फायरिंग के कारण की तलाश की जा रही है। इसके अलावा, पुलिस ने तीन फेजल टीम को भी मौके पर बुलाया और उन्होंने भी अपनी जांच शुरू कर दी है। पुलिस फिलहाल इस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी का दावा कर रही है।

श्रीधर बाबू ने गच्चीबावली स्टेडियम में 8वें ग्लोबल ग्रेस कैंसर रन को हरी झंडी दिखाई

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेस कैंसर फाउंडेशन द्वारा आयोजित ग्लोबल ग्रेस कैंसर रन का 8वां संस्करण रविवार को गाचीबावली स्टेडियम में "रन फॉर ग्रेस, स्क्रीन फॉर लाइफ" थीम के तहत आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने किया। उद्घाटन अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाना एक साझा सामाजिक ज़िम्मेदारी है, क्योंकि यह बीमारी दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित कर रही है।

उन्होंने "स्वस्थ तेलंगाना" के निर्माण के लिए राज्य सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि सरकार सभी के लिए सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने के लिए ईमानदारी और दृढ़ संकल्प के साथ काम कर रही है।

मंत्री ने कहा, स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है। प्रत्येक व्यक्ति को एक स्वस्थ जीवनशैली अपनानी चाहिए और तनाव मुक्त जीवन जीने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए ग्रेस कैंसर फाउंडेशन के निरंतर प्रयासों की सराहना की और अधिक से अधिक स्वयंसेवी एवं सामाजिक संगठनों से इस तरह की जन स्वास्थ्य पहलों को आयोजित करने के लिए आगे आने का आग्रह किया।

सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए, उन्होंने कहा कि तेलंगाना निवारक स्वास्थ्य सेवा और जन जागरूकता के लिए काम करने वाले संगठनों के साथ साझेदारी करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस कार्यक्रम में मंत्री पोन्नम प्रभाकर और वक्ति श्रीधर, मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, तेलंगाना खेल प्राधिकरण के अध्यक्ष शिव सेना रेड्डी और ग्रेस कैंसर फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. चिनबाबू सुंकवल्ली के साथ-साथ कई गणमान्य व्यक्ति, फिटनेस प्रेमी और स्वयंसेवक शामिल हुए।

स्कूल सहायक टी लक्ष्मण राव को पटाखा दुकान विवाद के कारण निलंबित

खम्मम, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम के जिला शिक्षा अधिकारी और अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) डॉ.पी. श्रीजा ने नेलाकोंडापल्ली मंडल के सुरदेपल्ली एमपीपी हायर सेकेंडरी स्कूल के स्कूल सहायक टी लक्ष्मण राव को निलंबित कर दिया है। लक्ष्मण राव जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत थे।

उन पर आरोप है कि उन्होंने अपना मुख्यालय छोड़कर कोनिजेरला के पास एक पटाखा दुकान पर जाकर दुकान मालिक से बहस की, अभद्र भाषा का प्रयोग किया और सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए। यह घटना 6 अक्टूबर को पलोंचा के श्री श्रीनिवास क्रैकर्स पर हुई थी। लक्ष्मण राव ने कम दामों पर पटाखे बेचने को लेकर दुकान मालिक के साथ हाथापाई करने की कोशिश की और खम्मम के एक मंत्री और पुलिस के समर्थन का दावा किया। दुकान मालिक की शिकायत के आधार पर कोनिजेरला पुलिस ने लक्ष्मण राव के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस मामले और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को देखते हुए जिला प्रशासन ने उन्हें सेवा से निलंबित कर दिया।

फॉर्मूला ई रेस ने तेलंगाना को वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में किया प्रदर्शित

केटीआर ने छात्रों से अवसर बनाने और बड़े सपने देखने का किया आह्वान

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री के टी रामाराव ने कहा है कि हैदराबाद में आयोजित भारत की पहली फॉर्मूला ई रेस ने तेलंगाना को वैश्विक मंच पर नवाचार, स्वच्छ गतिशीलता और उन्नत प्रौद्योगिकी का केंद्र बनते हुए प्रदर्शित किया है। कोयंबटूर में 10वीं एफएमएई राष्ट्रीय छात्र मोटरस्पोर्ट्स प्रतियोगिता 2025 में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए, रामा राव ने कहा कि यह फॉर्मूला ई इवेंट केवल तमाशा नहीं, बल्कि इरादों का बयान है। उन्होंने बताया कि रेस से लगभग 700 करोड़ रुपये की आर्थिक गतिविधि उत्पन्न हुई और शहर की तकनीकी क्षमताओं को अंतर्राष्ट्रीय ध्यान मिला।

रामाराव ने कहा कि यह दौड़ सिर्फ शुरूआत है और हैदराबाद जल्द ही भारत की मोबिलिटी वैली के केंद्र के रूप में उभरेगा। उन्होंने राज्य के सतत, तकनीक-संचालित औद्योगिक विकास और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र पर भी जोर दिया, जिसमें टी-हब और टी-वर्क्स जैसे विश्वस्तरीय संस्थान शामिल हैं। देश भर से आए युवा इंजीनियरों और नवप्रवर्तकों को संबोधित करते हुए रामाराव ने छात्रों से आग्रह किया कि वे अवसरों का इंतज़ार न करें, बल्कि उन्हें स्वयं बनाएं। उन्होंने कहा, सिर्फ़ नौकरी ढूंढ़ने वाले न बनें, बल्कि नौकरी देने वाले बनें। अपने बड़े सपनों को देखें और उन्हें साकार करें।

उन्होंने युवाओं को यह भी संदेश दिया कि वे आय और अधिकार की बजाय प्रभाव और प्रामाणिकता को प्राथमिकता दें, और साहस के साथ अपने मौके स्वयं बनाएं। अपने संबोधन के अंत में रामाराव ने हाल ही में आई फॉर्मूला 1 फिल्म का उद्धरण देते हुए कहा, आशा कोई रणनीति नहीं है। अपने ब्रेक खुद बनाएं। एफएमएई राष्ट्रीय छात्र मोटरस्पोर्ट्स प्रतियोगिता में देश भर से छात्र टीमों ने भाग लिया, जिसमें नवाचार, इंजीनियरिंग उत्कृष्टता और प्रतिस्पर्धा की भावना का प्रदर्शन किया गया।

श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर चारमीनार, हैदराबाद की ट्रस्टी शशिकला ने 20 अक्टूबर को मनाई जाने वाली दीपावली पूजा के लिए तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को आमंत्रित किया।

छात्रावास में जुआ खेलते सात लोग गिरफ्तार

97,370 रुपये और सात मोबाइल जब्त

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुकटपल्ली पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक छात्रावास में छापा मारा और जुआ खेलते सात लोगों को पकड़ लिया। गिरफ्तार लोगों में लक्ष्मण प्रसाद, बोगती योगेन्द्र, हिकमत बहादुर बोगती, भरत प्रसाद धमाला, पूर्ण प्रसाद जायसी, अमर कुवर और निरपा बहादुर थकुल्ला शामिल हैं। पुलिस ने उनके पास से कुल 97,370 रुपये नकद और सात मोबाइल फोन जब्त किए। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

उप-जेल में कैदी की आत्महत्या का प्रयास, मौत

जनगांव, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जनगांव उप-जेल में विचाराधीन कैदी वरला मल्लेश (35) की रविवार को एमजीएम अस्पताल, वारंगल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मल्लेश देवरुप्पुला मंडल के सिंगाराजूपल्ली के निवासी थे और हत्या के प्रयास के मामले में जेल में बंद थे।

पुलिस के अनुसार, शनिवार रात मल्लेश ने ब्लीचिंग पाउडर पी लिया था। उन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तड़के उनकी मौत हो गई।

पुलिस ने घटना के संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विमेंस वर्ल्ड कप में भारत की लगातार दूसरी हार

डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने 3 विकेट से हराया, कप्तान एलिसा हीली का शतक

विशाखापट्टनम, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में मेजबान भारत को लगातार दूसरी हार मिली है। साउथ अफ्रीका के बाद इंडिया विमेंस को डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने 3 विकेट से हरा दिया। विशाखापट्टनम में रविवार को भारत ने 330 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने 49 ओवर में % विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

ऑस्ट्रेलिया के लिए कप्तान एलिसा हीली ने 142 रन की मैच विनिंग पारी खेली। एलिस पेरी ने आखिर में 47 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी। गेंदबाजी में एनाबेल सदरलैंड ने महज 40 रन देकर 5 विकेट लिए। भारत से स्मृति मंधाना ने 80 और प्रतिका रावल ने 75 रन बनाए। श्री चरणी को 3 विकेट मिले। दीप्ति शर्मा और अमनजोत कौर ने 2-2 विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया ने विमेंस वनडे इतिहास का सबसे बड़ा टारगेट चेज किया। टीम ने श्रीलंका का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2024 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 305 रन बनाए थे। यह भारत के खिलाफ किसी भी टीम का सबसे बड़ा रन चेज रहा।

महापर्व छठ पूजा की तैयारी शुरू

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बिहार सहयोग समिति द्वारा इस वर्ष भी महापर्व छठ पूजा का अयोजन बंडा चेरु आंनद बाग सफिलगुडा मल्काजगिरी में किया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव ने समिति सदस्यों के साथ घाट का निरीक्षण किया और जल्द ही साफ सफाई का निर्णय लिया गया। इस मौके पर केंद्र समिति जयंत यादव और सहसचिव सुनील भगत ने बताया कि हर वर्ष यहां भारी संख्या में छठ व्रतीश्रद्धालु आते हैं। उन्हें हर प्रकार की सुविधा देने के लिए समिति काम कर रही है। इस मौके पर अध्यक्ष बिनय कुमार यादव, जयंत यादव, सुनील भगत, दिनेश यादव, हरिश यादव, लल्लन मिश्रा, दीपक गुप्ता, पंकज यादव, सूरज यादव,बिकास यादव, प्राण यादव, सुशील कुमार, राकेश रजक, सुनील ठाकुर, बिनोद यादव और भारी मात्रा में युवा कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर भरपूर सहयोग का आश्वासन दिया।

मंत्री ने आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार के निधन पर शोक व्यक्त किया

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने हरियाणा में वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार के असामयिक निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की और राष्ट्र के प्रति अधिकारी की विशिष्ट सेवा को श्रद्धांजलि अर्पित की। मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सार्वजनिक सेवा में कार्यरत प्रत्येक व्यक्ति सम्मान, गरिमा और किसी भी प्रकार के भेदभाव से मुक्त सुरक्षित कार्य वातावरण का हकदार है। उन्होंने जवाबदेही सुनिश्चित करने और संविधान में निहित समानता एवं न्याय के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए एकता और सामूहिक कार्रवाई का आह्वान किया। श्री लक्ष्मण कुमार ने समावेशिता को बढ़ावा देने और पूरे भारत में सभी नागरिकों और अधिकारियों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा करने के लिए अपने कार्यालय की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स - चेन्नई प्रदर्शनी में भव्य सफलता, दोनों दिन ग्राहकों की रही जबरदस्त भीड़!

चेन्नई, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चेन्नई के वायएमसीए ग्राउंड, रोयापेटा में आयोजित शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स (एसएलजे) की दो दिवसीय प्रदर्शनी का शानदार समापन हुआ बैंगलोर और हैदराबाद प्रदर्शनी की ऐतिहासिक सफलता के बाद, एसएलजे ने चेन्नई में भी अपनी उत्कृष्ट डिज़ाइनिंग और विश्वास की परंपरा से सबका दिल जीत लिया। दोनों दिनों में एसएलजे के स्टॉल पर ग्राहकों की भारी भीड़ देखने को मिली। हर किसी ने प्रदर्शनी के कलेक्शन की भरपूर सराहना की।

ग्राहकों ने कहा एसएलजे के डिज़ाइन्स इस प्रदर्शनी की शान हैं। हर पीस में परंपरा, नजाकत और आधुनिकता का सुंदर मेल है। विशेष रूप से गौतम सेहलोत द्वारा प्रस्तुत एक्सक्लूसिव डिज़ाइन कलेक्शन की ग्राहकों ने खुलकर प्रशंसा की। कई ग्राहकों ने कहा कि गौतम सेहलोत द्वारा तैयार किए गए डिजाइन्स में एक अलग ही आकर्षण है। ऐसा कलेक्शन चेन्नई में पहली बार देखने को मिला। एसएलजे की यही विशिष्टता है कि हर डिज़ाइन केवल आभूषण नहीं, बल्कि एक भावना और कला का प्रतीक बन जाता है।

दोनों दिन एसएलजे को जबरदस्त प्रतिसाद मिला। अनेक बुकिंग्स और ऑर्डर्स प्राप्त हुए, और हमारे डिज़ाइन्स पूरे चेन्नई एग्ज़िबिशन की चर्चा का विषय बन गए। ग्राहकों और ज्वेलरी प्रेमियों ने न केवल उत्पादों की सराहना की, बल्कि एसएलजे टीम की आत्मीयता और सेवा भावना की भी प्रशंसा की।

दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा की विशेष बैठक सभा के कार्यालय निर्दोष भवन खैरताबाद में

संपन्न हुई। बैठक में लिए गए निर्णयों की समीक्षा एवं पिछली बैठक से आजतक के आय व्यय की समीक्षा एवं अनुमोदन किया गया।

बैठक में मुख्य रूप से गत मास में सम्पन्न समाज के जरूरतमन्द छत्रा। छात्राओ में शिक्षण सामग्री के वितरण कार्यक्रम की समीक्षा की गई। सभा के आय-व्यय की लेखा परीक्षा करने एवं उसे आयकर विभाग में रिटर्न करने का निर्णय लिया गया। कन्या विवाह सहायता कोष के लिए आवेदन करने का अनुरोध किया गया।

बैठक की अध्यक्षता डॉ. राम कुमार तिवारी ने की। बैठक में उपाध्यक्ष राकेश तिवारी, महामंत्री विजयपाल पाण्डेय, कोषाध्यक्ष गोपाल प्रसाद शुक्ला, आयोजन मंत्री सूर्य प्रकाश शुक्ला, महिला विभाग मंत्री शोभा दुबे, जनसंपर्क मंत्री विनोद प्रसाद तिवारी, प्रेम सुन्दर शुक्ला, राहुल मिश्रा, श्रीदत्त शुक्ला, ने भाग लिया।

बीजेएलपी नेता महेश्वर रेड्डी ने बीआरएस और कांग्रेस पर साधा निशाना

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा में भाजपा के नेता अलेती महेश्वर रेड्डी ने रविवार को बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव की भाजपा पर की गई टिप्पणी के लिए कड़ी आलोचना की। केटीआर की इस टिप्पणी का ज़िक्र करते हुए कि भाजपा एक फूल है जिसकी पूजा नहीं की जा सकती, महेश्वर रेड्डी ने कहा कि उन्हें समझना चाहिए कि लोगों ने बीआरएस के चुनाव चिन्ह 'कार' को कब्ज़े में भेज दिया। यह विडंबना ही है कि ऐसी टिप्पणियां उस पार्टी की ओर से आ रही हैं जो शराब और कई अन्य घोटालों में लिप्त है और जिसने पिछले लोकसभा चुनावों में बीआरएस को एक भी सीट न जीत पाने का मजाक उड़ाया था। दूसरी ओर, वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस ने छह गारंटियों के नाम पर लोगों को ठगा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासन में कई हजार करोड़ रुपये के घोटाले हुए हैं। उन्होंने सवाल किया कि सत्ता में आने के बाद से राज्य के किसानों के प्रति कांग्रेस सरकार की क्या नीतियां रही हैं।

पिप्पलकोटी परियोजना के विस्थापितों की मदद का आग्रह

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीएम के राज्य सचिव जॉन वेस्ली ने रविवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 के अनुसार आदिलाबाद जिले के भीमपुर मंडल के पिप्पलकोटी जलाशय में विस्थापितों के लिए मुआवज़ा परियोजना में तेज़ी लाने का अनुरोध किया। 27 सितंबर, 2025 को पिप्पलकोटी जलाशय से प्रभावित किसानों के खेतों का दौरा करने के बाद, सीपीएम के राज्य सचिव ने पाया कि किसान बिना किसी आजीविका के नुकसान में हैं, जैसा कि उन्होंने मुख्यमंत्री को लिखे एक खुले पत्र में लिखा है। उन्होंने कहा कि किसानों ने अपनी जीवन-स्थिति के बारे में बताया, जहां वे बहुत दयनीय स्थिति में थे। जॉन वेस्ली ने सरकार को याद दिलाया कि पिप्पलकोटी जलाशय के ऊपरी क्षेत्र में तटबंध का काम 2018 में शुरू किया गया था। उचित मुआवज़े की उम्मीद में, किसानों ने अपनी विभिन्न जरूरतों के लिए ऋण लेने का विकल्प चुना। लेकिन सरकार ने आज तक मुआवज़ा जारी नहीं किया है। आर्थिक तंगी के कारण चार किसानों की जान जा चुकी है। मैं आपसे अपील करता हूं कि आप तुरंत हस्तक्षेप करें और भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 2013 के तहत अपनी जमीन गंवाने वाले किसानों को मुआवजा दें, उनके परिवार के एक सदस्य को रोजगार दें और खेतिहर मज़दूर परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करें। जॉन वेस्ले ने कहा कि चनाखा और कोराटा गांवों के बीच पेनगंगा नदी पर एक बैराज का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है, जहां केवल 0.8 टीएमसी फीट पानी है। पानी के समुचित उपयोग के लिए पिप्पलकोटी जलाशय पर तटबंध का काम शुरू कर दिया गया है ताकि बरसात के मौसम में 5 टीएमसी फीट से ज़्यादा पानी उपलब्ध हो सके। उन्होंने बताया कि 1200 एकड़ में 1.4 टीएमसी फीट भंडारण क्षमता वाला एक जलाशय और 180 एकड़ क्षेत्र में 4.2 किलोमीटर लंबा एक तटबंध बनाया गया है।

एनटीपीसी एसआरएचक्यू ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनटीपीसी दक्षिणी क्षेत्र मुख्यालय ने एनटीपीसी-सीएसआर बैनर तले एक कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में जन स्वास्थ्य और सुरक्षा को बढ़ावा देना है।

इस पहल के तहत मुलुगु जिले के सर्वपुरम गांव के निवासियों को 1,000 मच्छरदानियां वितरित की गईं, जो स्थानीय समुदायों के जीवन स्तर में सुधार के लिए एनटीपीसी की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। शिविर का उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एस.एन. पाणिग्रही ने सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन) अखिल पटनायक की उपस्थिति में किया।

यह कार्यक्रम हैदराबाद के लायंस क्लब के सहयोग से आयोजित किया गया था। दोनों संगठनों ने मिलकर यह सुनिश्चित करने के लिए काम किया कि ये जाल योग्य परिवारों तक पहुंचें, खासकर उन क्षेत्रों में जहां मौसमी वेक्टर जनित संक्रमणों का खतरा सबसे ज्यादा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

चिदंबरम के खिलाफ...

सूत्रों ने चिदंबरम के बारे में कहा, पार्टी का शीर्ष नेतृत्व बहुत नाराज है। पार्टी के सभी कार्यकर्ता इस बात से परेशान हैं कि ऐसा बार-बार क्यों हो रहा है। चिदंबरम ने हाल ही में कुछ ऐसे बयान दिए हैं जिनसे पार्टी को शर्मिंदगी उठानी पड़ी है। कसौली में खुशवंत सिंह साहित्य महोत्सव में चिदंबरम ने कहा, सभी आतंकवादियों को पकड़ने का कोई और तरीका हो सकता था, लेकिन ऑपरेशन ब्लू स्टार एक गलती थी।

राज्यसभा सदस्य चिदंबरम ने पत्रकार और लेखिका हरिंदर बावेजा से उनकी पुस्तक 'दे विल शूट यू मैडम: माई लाइफ थ्रू कॉन्फ्लिक्ट' पर बातचीत के दौरान कहा, सभी आतंकवादियों को पकड़ने का कोई और तरीका हो सकता था, लेकिन ऑपरेशन ब्लू स्टार गलत तरीका था। मैं मानता हूं कि श्रीमती गांधी ने इस गलती की कीमत अपनी जान देकर चुकाई। यह सेना, खुफिया विभाग, पुलिस और नागरिक सुरक्षा एजेंसियों का निर्णय था और आप इसके लिए पूरी तरह से श्रीमती गांधी को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते।

ऑपरेशन 'ब्लू स्टार' दमदमी टकसाल के प्रमुख नेता जरनैल सिंह भिंडरावाले और उनके लोगों को सिखों के सबसे पवित्र स्थल स्वर्ण मंदिर से खदेड़ने के लिए 1 से 10 जून 1984 के बीच चलाया गया सैन्य अभियान था। उसी वर्ष 31 अक्टूबर को सिख अंगरक्षकों ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या कर दी थी।

कल को ताजमहल...

पीठ ने आगे कहा कि यदि वक्फ की ऐसी मनमानी घोषणा को न्यायिक मंजूरी मिल जाती है, तो कल ताजमहल, लाल किला और राज्य विधानमंडल परिसर सहित कोई भी इमारत, यहां तक कि इस कोर्ट की इमारत को भी केरल वक्फ बोर्ड द्वारा वक्फ संपत्ति घोषित किया जा सकता है।

पूरा मामला क्या है :

एर्नाकुलम जिले के चेराई और मुनंबम गांव के निवासियों ने आरोप लगाया है कि वक्फ बोर्ड उनकी भूमि और संपत्तियों पर अवैध रूप से दावा कर रहा है, जबकि उनके पास पंजीकृत दस्तावेज और भूमि कर भुगतान की रसीदें हैं। केरल सरकार ने पिछले साल नवंबर में विवादित क्षेत्र में भूमि स्वामित्व का पता लगाने के लिए हाई कोर्ट के पूर्व एक्टिंग चीफ जस्टिस सीएन रामचंद्रन नायर की अध्यक्षता में एक आयोग नियुक्त किया था।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दिल्ली टेस्ट- वेस्टइंडीज का फाइटबैक

तीसरे दिन स्कोर 173/2, भारत से 97 रन पीछे

कैम्पबेल शतक के करीब; पहली पारी 248 पर सिमटी

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म हो गया है. इस दौरान वेस्टइंडीज की टीम ने अपनी दूसरी पारी में 2 विकेट खोकर 173 रन बना लिए हैं. पारी की हार से बचने के लिए मेहमान टीम को अभी भी 97 रन और बनाने होंगे. इस दौरान जॉन कैम्पबेल नाबाद 87 और शे होप नाबाद 66 रन बनाकर खेल रहे हैं. इससे पहले वेस्टइंडीज की पहली पारी केवल 248 रन पर सिमट गई थी, जिसकी वजह से उनको फॉलोआन खेलना पड़ा. इस दौरान कुलदीप यादव ने शानदार गेंदबाजी की.

कुलदीप यादव ने खोला पंजा

भारत के खिलाफ आखिरी टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज की टीम फॉलोऑन नहीं बचा सकी. इस मुकाबले में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 518 रन पर अपनी पारी घोषित की थी. लेकिन वेस्टइंडीज की पहली पारी इसके जवाब में 248 रन ढेर हो गई. इस तरह वो 270 रनों से पीछे रह गई. इस दौरान कुलदीप यादव ने शानदार गेंदबाजी की और पांच विकेट चटकाए. उन्होंने इस पारी में 26.5 ओवर फेंके और 5 बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया.

उन्होंने अपने टेस्ट करियर में 5वीं बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किया. इसके अलावा रवींद्र जडेजा ने 3 विकेट हासिल किए. जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को एक-एक विकेट मिला.

'हमारे गेंदबाजों को इतनी बुरी तरह से मत मारो'

यशस्वी जायसवाल से किसने कहा ऐसा?

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के दिग्गज सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में शानदार 175 रनों की पारी खेली. हालांकि वो अपना दोहरा शतक पूरा नहीं कर पाए और बदकिस्मती से रन आउट हो गए. यशस्वी जायसवाल की इस शानदार पारी की मदद से टीम इंडिया ने अपनी पहली पारी 5 विकेट पर 518 रन बनाकर घोषित कर दी थी. दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी ब्रायन लारा ने यशस्वी जायसवाल ने एक खास अपील की, जिसे सुनकर सभी लोग हैरान रह गए.

ब्रायन लारा ने क्या कहा?

दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान ब्रायन लारा दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में यशस्वी जायसवाल से मिले. इस दौरान ब्रायन लारा ने यशस्वी की जमकर तारीफ की. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किए गए एक वीडियो में लारा ने जायसवाल को गले लगाकर बधाई दी और फिर उनसे एक खास गुजारिश करते हुए कहा, "हमारे गेंदबाजों को इतनी बुरी तरह मत मारो". इस पर जायसवाल भी हंस पड़े.

बेबस नजर आए वेस्टइंडीज के गेंदबाज

टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार पारी खेली. इस दौरान वेस्टइंडीज के गेंदबाज उनके सामने बेबस नजर आए. बल्लेबाजी के दौरान अपनी मानसिकता के बारे में बात करते हुए जायसवाल ने कहा कि वह हमेशा ये सुनिश्चित करने की कोशिश करते हैं कि वो अधिक से अधिक देर तक बल्लेबाजी करें.

उन्होंने कहा, "मैं हमेशा टीम को सबसे पहले रखता हूं, मैं अपनी टीम के लिए कैसे खेल सकता हूं और उस समय मेरी टीम के लिए क्या जरूरी है? इसलिए मेरी यही मानसिकता है कि अगर मुझे शुरुआत मिलती है, तो मैं ये सुनिश्चित करता हूं कि मैं उस पारी को बड़ा बनाऊं". यशस्वी जायसवाल ने आगे कहा कि गिल भाई ने हमेशा की तरह शानदार बल्लेबाजी की है. जिस तरह से वो बल्लेबाजी करते हुए खेल को आगे बढ़ाते हैं, मुझे लगता है कि ये बिल्कुल शानदार है. जायसवाल इस टेस्ट मैच के दूसरे दिन तीसरा दोहरा शतक बनाने वाले थे, लेकिन गिल के साथ एक गलतफहमी के कारण 92वें ओवर की दूसरी गेंद पर वो रन आउट हो गए थे.

'बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है' कुलदीप यादव को लेकर अनिल कुंबले का बड़ा बयान, मैनेजमैंट की तरफ था इशारा?

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जा रहा है. इस मैच में भी टीम इंडिया फ्रंटफुट पर दिख रही है. एकबार फिर से वेस्टइंडीज की खराब बल्लेबाजी देखने को मिली. तीसरे दिन टीम इंडिया के स्पिन गेंदबाज कुलदीप यादव के सामने बल्लेबाजी करना वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों के लिए बेहद मुश्किल लग रहा था. पहले ही सेशन में कुलदीप यादव ने वेस्टइंडीज को 3 बड़े झटके दिए. लंबे समय के बाद कुलदीप यादव को टेस्ट मैच खेलते हुए देखा जा रहा है. जिसको लेकर भारतीय दिग्गज अनिल कुंबले ने बड़ी बात कह दी.

कुलदीप को लेकर क्या बोले अनिल कुंबले?

वेस्टइंडीज के साथ खेली जा रही टेस्ट सीरीज में कुलदीप यादव कमाल की गेंदबाजी कर रहे हैं. ये उनका महज 15वां टेस्ट मैच है, जबकि टीम इंडिया के लिए डेब्यू किए हुए कुलदीप को 8 से 9 साल का समय हो चुका है, कई बार देखा गया है कि कुलदीप को टीम इंडिया के स्क्वाड में तो चुना जाता है लेकिन प्लेइंग इलेवन में उनकी जगह नहीं बन पाती. इससे पहले इंग्लैंड दौरे पर टीम इंडिया ने शुभमन गिल कप्तानी में 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली थी, इस सीरीज के एक भी मैच की प्लेइंग इलेवन में कुलदीप यादव को खेलने का मौका नहीं मिला था, जिसपर काफी सवाल भी उठे थे.

वहीं अब इसको लेकर अनिल कुंबले ने कहा कि "यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुलदीप यादव अपने डेब्यू के बाद से 8-9 सालों में सिर्फ 15वां टेस्ट खेल रहे हैं।" इस सीरीज से पहले कुलदीप ने टीम इंडिया के लिए महज 13 ही टेस्ट मैच खेले थे. इसको लेकर कई बार पूर्व क्रिकेटर्स टीम मैनेजमेंट पर सवाल भी उठा चुके हैं.

पहले मैच में कुलदीप ने चटकाए थे 4 विकेट

भारत और वेस्टइंडीज के बीच सीरीज का पहला टेस्ट मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया था. इस मैच को टीम इंडिया ने पारी और 140 रनों से जीत लिया था. अहमदाबाद टेस्ट में कुलदीप ने अच्छी गेंदबाजी की थी. पहले टेस्ट में गेंदबाजी करते हुए कुलदीप यादव ने कुल 4 विकेट चटकाए थे, जिसमें से दोनों पारियों में उनको 2-2 विकेट मिली थी. वहीं दिल्ली टेस्ट की पहली पारी में कुलदीप सबसे ज्यादा 5 विकेट चटकाए.

कोको गॉफ ने जैस्मीन पाओलिनी को हराया

वुहान ओपन के फाइनल में अब पेगुला से होगा सामना

वुहान, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका की कोको गॉफ ने सात डबल फॉल्ट पर काबू पाते हुए जैस्मीन पाओलिनी को हराया और अब वुहान ओपन के फाइनल में खिताब के लिए हमवतन जेसिका पेगुला से भिड़ेंगी। पेगुला ने टूर्नामेंट में शीर्ष रैंकिंग वाली आर्यना सबालेंका का विजय रथ रोक दिया। विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज 21 साल की गॉफ ने सात-से-पांच के ब्रेक में जीत हासिल करते हुए पांचवीं रैंकिंग की खिलाड़ी पाओलिनी को 6-4, 6-3 से हराया। यह मौजूदा सत्र में पाओलिनी के खिलाफ चार मैचों में गॉफ की पहली जीत है। अमेरिका की 31 साल की पेगुला ने वुहान ओपन में सबालेंका की 20 मैचों से चले आ रहे जीत के रथ को 2-6, 6-4, 7-6 से हराकर रोका। पहला सेट गंवाने के बाद छठी रैंकिंग की खिलाड़ी तीसरे सेट में 2-5 से पिछड़ रही थी लेकिन उन्होंने लगातार चार गेम जीत कर शानदार वापसी की।

पाकिस्तान टीम का बड़ा फैसला

4 खिलाड़ी किए गए बाहर

लाहौर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के लिए अपने अभियान की शुरुआत कर दी है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट मैच लाहौर में खेला जा रहा है. पाकिस्तानी टीम जनवरी 2025 के बाद पहली बार टेस्ट क्रिकेट खेल रही है. इस टेस्ट मैच के लिए चार खिलाड़ियों को पाकिस्तान की प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया गया है. इसमें एक मिस्ट्री स्पिनर भी शामिल है, जो पिछले कुछ समय से पाकिस्तान के लिए अच्छा प्रदर्शन करता आ रहा है.

इन चार खिलाड़ियों को नहीं मिली जगह

पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मैच लाहौर में खेला जा रहा है. कप्तान शान मसूद ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है. पाकिस्तान की प्लेइंग इलेवन में बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान की वापसी हुई है. इस दौरान मिस्ट्री स्पिनर अबरार अहमद को प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं दी गई है.

इसके अलावा ऑलराउंडर आमिर जमाल, कामरान गुलाम और तेज गेंदबाज खुर्रम शहजाद को प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया गया है. आमिर जमाल बल्ले और गेंद से शानदार प्रदर्शन करने में माहिर हैं. इसके अलावा अबरार अहमद किसी भी बल्लेबाज को पवेलियन भेजने की काबिलियत रखते हैं. एशिया कप 2025 में अबरार अहमद ने शानदार प्रदर्शन किया था. इसके बावजूद उनको प्लेइंग इलेवन में जगह नही मिली.

खुर्रम शहजाद को भी किया गया नजरअंदाज

6 टेस्ट मैचों में 20 विकेट हासिल करने वाले पाकिस्तान के तेज गेंदबाज खुर्रम शहजाद को प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया गया है. साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट करियर की शुरुआत करने वाले खुर्रम शहजाद ने पाकिस्तान की ओर से अब तक शानदार प्रदर्शन किया है. इसके अलावा ऑलराउंडर कामरान गुलाम को भी टीम में जगह नहीं मिली है. कामरान गुलाम ने 6 टेस्ट मैचों की 11 पारियों में 28.36 की औसत से 312 रन बनाए हैं. इसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है. इस शानदार प्रदर्शन के बावजूद उनको प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं दी गई.

दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन

साउथ अफ्रीका की प्लेइंग इलेवनः टोनी डी जोरजी, रयान रिकेल्टन, वियान मुल्डर, एडन मार्करम (कप्तान), ट्रिस्टन स्टब्स, डेवाल्ड ब्रेविस, काइल वेरिन, सेनुरान मुथुसामी, प्रेनेलन सुब्रायन, कगिसो रबाडा, साइमन हार्मर.

पाकिस्तान की प्लेइंग इलेवनः इमाम-उल-हक, अब्दुल्ला शफीक, शान मसूद (कप्तान), बाबर आजम, सऊद शकील, मोहम्मद रिजवान (डब्ल्यू), सलमान आगा, हसन अली, शाहीन अफरीदी, नोमान अली, साजिद खान.

स्मृति मंधाना ने पूरे किए 5000 वनडे रन

दुनिया की पांचवीं और दूसरी भारतीय महिला

विशाखापत्तनम, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला टीम की उपकप्तान और स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धमाकेदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 80 रनों की शानदार पारी खेलकर रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। बाएं हाथ की बल्लेबाज ने वनडे में 5000 रन पूरे कर लिए और दुनिया में पांचवीं व भारत के लिए ऐसा करने वाली दूसरी बल्लेबाज बन गईं। बता दें कि, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच महिला विश्व कप का 13वां मुकाबला विशाखापत्तनम में खेला जा रहा है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली ने टॉस जीतकर मेजबानों को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया है।

मंधाना ने हासिल की कई उपलब्धियां

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले में प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना ने भारत को दमदार शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 155 रनों की साझेदारी हुई। इस दौरान मंधाना ने 46 और प्रतिका ने 69 गेंदों में अर्धशतक पूरे किए। मंधाना ने अपने 33वें वनडे अर्धशतक के साथ तमाम उपलब्धियां हासिल कर लीं। वह सबसे पहले एक कैलेंडर वर्ष में 1000 रन पूरे करने वाली पहली महिला बल्लेबाज बनीं। इसके बाद उन्होंने वनडे में 5000 रन भी पूरे कर लिए। ऐसा करने वाली वह दुनिया की पांचवीं और भारत की दूसरी महिला क्रिकेटर बन गईं। इससे पहले पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज ने वनडे क्रिकेट में 5000 रन बनाए थे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार पांचवीं बार 50+ रन की पारी खेलने वाली पहली महिला

29 वर्षीय मंधाना वनडे में पांच हजार रन बनाने वाली सबसे युवा महिला बल्लेबाज हैं। उन्होंने 112वीं पारी की 5569वीं गेंद पर यह कारनामा किया।

उनसे पहले वेस्टइंडीज की स्टेफनी टेलर ने 129 पारी और न्यूजीलैंड की सूजी बैट्स ने 6182 गेंद पर 5000 वनडे रन पूरे किए थे। मंधाना इस मैच में 66 गेंदों में नौ चौके और तीन छक्के की मदद से 80 रन बनाकर आउट हुईं। यह मंधाना की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार पांचवीं अर्धशतकीय पारी थी। वह इस टीम के खिलाफ वनडे में 50 से ज्यादा रनों की पारी खेलने वाली पहली महिला बल्लेबाज बन गईं। इससे पहले उन्होंने 125 (63), 117 (91), 58 (63) और 105 (109) रन बनाए थे।

मंधाना और प्रतिका की ऐतिहासिक साझेदारी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे मुकाबले में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए एक नया इतिहास रच दिया है। दोनों खिलाड़ियों ने विशाखापत्तनम में खेले गए मैच में 155 रनों की शानदार साझेदारी की। यह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला वनडे क्रिकेट में किसी भी टीम की चौथी सबसे बड़ी साझेदारी है। इस मैच में मंधाना 80 और प्रतिका 75 रन बनाकर आउट हुईं।

अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को दूसरा वनडे 81 रन से हराया

सीरीज अपने नाम की, इब्राहिम जादरान ने 95 रन बनाए, राशिद को 5 विकेट

अबू धाबी, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम ने एक बार फिर अपनी शानदार गेंदबाजी से सबको प्रभावित किया. अबू धाबी में खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में अफगान टीम ने बांग्लादेश को 81 रनों के बड़े अंतर से हराकर तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली. इस जीत के हीरो रहे टीम के स्टार स्पिनर राशिद खान, जिन्होंने शानदार गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 17 रन देकर 5 विकेट झटके. वहीं, बल्लेबाजी में इब्राहिम जादरान ने बेहतरीन 95 रनों की पारी खेली और टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया.

अबू धाबी में टॉस जीतकर अफगानिस्तान की टीम ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया. हालांकि टीम की शुरुआत थोड़ी धीमी रही, लेकिन सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जादरान ने टीम की कमान संभाली. उन्होंने 140 गेंदों में 95 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें उन्होंने स्ट्राइक रेट 67.85 रखा. उनके अलावा मोहम्मद नबी (22) और ए.एम. गजनफर (22) ने भी कुछ अहम रन जोड़े. हालांकि बाकी बल्लेबाज कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके और पूरी टीम 44.5 ओवरों में 190 रनों पर ऑलआउट हो गई. प्लेयर ऑफ द मैच बने इब्राहिम जादरान के लिए एसीबी का एक्स पोस्ट नीचे दिया है.

बांग्लादेश की तरफ से मेहदी हसन मिराज सबसे सफल गेंदबाज रहे. उन्होंने 10 ओवर में 42 रन देकर तीन विकेट हासिल किए. उनके अलावा रिशाद हुसैन और तंजीम हसन साकिब ने दो-दो विकेट झटके, जबकि तनवीर इस्लाम को एक सफलता मिली. हालांकि टीम के गेंदबाजों ने अफगानिस्तान को 200 के अंदर रोक लिया, लेकिन बल्लेबाजी में उनका प्रदर्शन पूरी तरह से फ्लॉप रहा.

190 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम अफगान गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाई. राशिद खान ने अपनी स्पिन का जादू दिखाते हुए बांग्लादेशी बल्लेबाजों को पूरी तरह बैकफुट पर धकेल दिया. राशिद ने 8.3 ओवरों में केवल 17 रन खर्च कर 5 विकेट झटके. उन्होंने तौहीद हृदोय (24), नूरुल हसन (15), तंजीम हसन साकिब (0), रिशाद हुसैन (5) और तनवीर इस्लाम (0) को पवेलियन भेजा. उनके साथ अजमतुल्लाह उमरजई ने 3 विकेट लिए और नांगेयालिया खारोटे को एक सफलता मिली.

ओमान को हराकर यूएई 1990 के बाद पहली बार विश्व कप में जगह बनाने के करीब

दोहा, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। दोहा में खेले गए एशियाई क्वालिफाइंग मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ओमान को 2-1 से हराकर 1990 के बाद पहली बार फीफा विश्व कप में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को मजबूत कर लिया। इस जीत के साथ यूएई चौथे दौर में शीर्ष पर पहुंच गया है और अब उसे मंगलवार को कतर के खिलाफ मुकाबले में सिर्फ ड्रॉ की जरूरत है ताकि वह सीधे 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर सके।

ओमान की उम्मीदों को झटका

इस हार के साथ ओमान की इतिहास रचने की उम्मीदें फिलहाल खत्म हो गईं। तीन टीमों के ग्रुप ए में ओमान अब स्वतः क्वालिफाई नहीं कर सकेगा। हालांकि, टीम के पास अभी भी दूसरे स्थान पर रहकर पांचवें दौर में पहुंचने का मौका है।

मैच के 12वें मिनट में यूएई आत्मघाती गोल के कारण पिछड़ गया था। लेकिन टीम ने शानदार वापसी की और 76वें मिनट में मार्कस मेलोनी ने गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया। इसके सात मिनट बाद सिआओ लुकास ने निर्णायक गोल करते हुए यूएई को बढ़त दिलाई, जो मैच के अंत तक कायम रही।

उधर ग्रुप बी के मुकाबले में इराक ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के पूर्व खिलाड़ी जिदान इकबाल के गोल की बदौलत इंडोनेशिया को 1-0 से हराया। इस जीत के साथ इराक अंक तालिका में सऊदी अरब की बराबरी पर आ गया है। दोनों टीमों का अगला मुकाबला मंगलवार को होगा, जो ग्रुप शीर्ष और सीधे क्वालीफिकेशन की दौड़ तय करेगा। अगर इराक सऊदी अरब को हरा देता है, तो वह 1986 के बाद पहली बार विश्व कप में जगह बनाएगा।

नामीबिया ने साउथ अफ्रीका को 4 विकेट से टी-20 हराया

आखिरी ओवर में 11 रन बनाए, ट्रम्पलमैन को 3 विकेट; ग्रीन ने विनिंग बाउंड्री लगाई

विंडहोक, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। क्रिकेट जगत में नामीबिया ने बड़ा उलटफेर कर दिया है. नामीबिया ने अपने घर में खेले गए एकमात्र टी20 मैच में दक्षिण अफ्रीका को 4 विकेट से हरा दिया. नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड, विंडहोक में खेला गया यह मुकाबला दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के बीच पहला टी20 मैच था, जिसमें नामीबिया विजेता बनकर उभरी. डोनोवन फरेरा की कप्तानी में युवा टीम के साथ उतरी दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 134 रन बनाए थे. नामीबिया की कसी हुई गेंदबाजी के सामने दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज बिखर गए और कभी भी ऐसा नहीं लगा कि टीम बड़े स्कोर की तरफ बढ़ रही है.

जेसन स्मिथ 30 गेंद पर 2 चौकों की मदद से 31 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे. रुबिन हरमनन ने 23 और लुहान ड्रे प्रिटोरियस ने 22 रन बनाए. बी फॉर्च्यून ने 19 और गेराल्ड कोएट्जे ने 12 रन बनाकर टीम का स्कोर किसी तरह 134 तक पहुंचाया था. क्विंटन डिकॉक 1 और रेजा हेंड्रिक्स 7 के सस्ते में आउट होने से दक्षिण अफ्रीकी टीम कभी संभल नहीं सकी.

135 के लक्ष्य को हासिल करने उतरी नामीबिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी. टीम ने अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों को 28 के स्कोर पर गंवा दिया था. लेकिन, इसके बाद सभी बल्लेबाजों ने छोटे लेकिन उपयोगी अंशदान करते हुए टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई. विकेटकीपर बल्लेबाज जेन ग्रीन ने पारी की आखिरी गेंद पर चौका लगाकर नामीबिया को 4 विकेट से जीत दिलाई.

जेन ग्रीन 23 गेंद पर 2 चौकों और 1 छक्के की मदद से नाबाद 30 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे. कप्तान गेरहार्ड इरासमस ने 21 और मलान क्रुगर ने 18 रन बनाए. इसके अलावा, दक्षिण अफ्रीका ने 18 अतिरिक्त रन भी दिए. नामीबिया ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 138 रन बनाकर मैच जीता.

रेवंत रेड्डी ने श्रीराम सागर परियोजना के दूसरे चरण का नाम दामोदर रेड्डी के नाम पर रखा

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने घोषणा की है कि श्रीराम सागर परियोजना के दूसरे चरण का नाम पूर्व मंत्री रामरेड्डी दामोदर रेड्डी के सम्मान में रखा जाएगा। उन्होंने वादा किया कि इस संबंध में एक सरकारी आदेश 24 घंटे के भीतर जारी कर दिया जाएगा।

यह निर्णय मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, वी हनुमंत राव और अन्य निर्वाचित नेताओं द्वारा उन्हें दिए गए ज्ञापन के बाद लिया गया है, जिन्होंने एसएसआरपी-2 का नाम दामोदर रेड्डी के नाम पर रखने की वकालत की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले पर तत्काल निर्णय लिया जाएगा। रविवार को, रेवंत रेड्डी ने सूर्यपेट जिले के थुंगतुर्थी मंडल मुख्यालय में पूर्व मंत्री दामोदर रेड्डी के सम्मान में आयोजित एक शोक सभा में भाग लिया। बैठक के दौरान, उन्होंने राजनीतिक दलों से एसएसआरपी-2 चरण का नाम दामोदर रेड्डी के सम्मान में रखने की पहल का समर्थन करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एसएसआरपी-2 चरण का नाम दामोदर रेड्डी के सम्मान में रखना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि दामोदर रेड्डी के बलिदान को स्वीकार किया जाएगा और उनका सम्मान किया जाएगा।

दुःख व्यक्त करते हुए, मुख्यमंत्री ने दामोदर रेड्डी के निधन को एक अपूरणीय क्षति बताया। रेवंत रेड्डी ने दिवंगत नेता की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन जनता की सेवा में समर्पित कर दिया। रेवंत रेड्डी ने बताया कि दामोदर रेड्डी 40 वर्षों की अवधि में पांच बार विधायक और कांग्रेस पार्टी में दो बार मंत्री रहे, इस दौरान उन्होंने अपनी विरासत में मिली संपत्ति का उपयोग जनता के लाभ के लिए किया। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि गुटीय कलह, भ्रष्टाचार और हिंसक राजनीति से ग्रस्त थुंगतुर्थी क्षेत्र में, दामोदर रेड्डी ने गर्व से कांग्रेस का झंडा बुलंद किया। उन्होंने अपने समर्थकों की रक्षा की और साथ ही सूखे और फ्लोराइड प्रदूषण से जूझ रहे क्षेत्र को पानी उपलब्ध कराने के लिए एसएसआरएसपी के आंदोलन का नेतृत्व भी किया। रेवंत रेड्डी ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने दामोदर रेड्डी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शोक संदेश भेजा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे सहित एआईसीसी के नेताओं ने दामोदर रेड्डी के परिवार को सहायता प्रदान करने का संकल्प लिया है। रेवंत रेड्डी ने कहा, मैं वादा करता हूं कि कांग्रेस पार्टी दामोदर रेड्डी के बेटे सर्वोत्तम रेड्डी को उनके भविष्य के राजनीतिक प्रयासों में हर संभव सहायता प्रदान करेगी।

देह व्यापार से दो पीड़ितों को बचाया गया

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद महिला एवं बाल सुरक्षा विंग ने 5 से 11 अक्टूबर तक चलाए गए विशेष अभियान के दौरान देह व्यापार से दो महिलाओं को बचाया और चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। इसी अवधि में रात के समय की गई छापेमारी में सात ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को सार्वजनिक स्थानों पर अभद्र कृत्यों में संलिप्त होने के आरोप में पकड़ा गया। इसके अलावा, शी टीम्स ने 136 अभियान चलाकर महिलाओं से छेड़छाड़ और उत्पीड़न के मामलों में 52 लोगों को गिरफ्तार किया और 18 शिकायतों का समाधान किया।

कार ने तीन बाइक सवारों को मारी टक्कर

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार देर रात बीएन रेड्डी नगर इलाके में एक शराबी चालक की लापरवाही से बड़ा हादसा हो गया। नागार्जुनसागर रोड पर तेज रफ्तार कार ने सड़क पर जा रही तीन मोटरसाइकिलों को टक्कर मार दी, जिससे पांच लोग घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर के बाद कार डिवाइडर से टकराई और कई बार पलट गई। दुर्घटना में कार चालक सहित सभी घायल हो गए, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोमटिरेड्डी ने दामोदर रेड्डी को 'कांग्रेस पार्टी का सच्चा सपूत' बताया

तुंगथुर्थी, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन निर्माण तथा छायांकन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि पूर्व मंत्री रामरेड्डी दामोदर रेड्डी ने अपना पूरा जीवन कांग्रेस पार्टी को समर्पित कर दिया और कहा कि वे पार्टी के सच्चे सपूत थे। कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी, राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता वी. हनुमंत राव और नलगोंडा जिले के कई अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों और पार्टी नेताओं के साथ रविवार को तुंगथुर्थी में आयोजित एक शोक सभा में पूर्व मंत्री रामरेड्डी दामोदर रेड्डी को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर बोलते हुए, कोमटिरेड्डी ने दामोदर रेड्डी को "कांग्रेस पार्टी का सच्चा सपूत" बताया, जो पार्टी को अपनी जान से भी ज़्यादा प्यार करते थे।

उन्होंने याद करते हुए कहा, 1985 में, जब वे ज़िले में एकमात्र कांग्रेस विधायक थे, दामोदर रेड्डी ने सभी निर्वाचन क्षेत्रों में अथक परिश्रम किया, पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ खड़े रहे और अपना पूरा जीवन कांग्रेस आंदोलन को समर्पित कर दिया। उनके निधन को कांग्रेस पार्टी के लिए एक अपूरणीय क्षति बताते हुए, कोमटिरेड्डी ने कहा कि दामोदर रेड्डी ने सूखाग्रस्त तुंगाथुर्थी क्षेत्र के कायाकल्प में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा, यह क्षेत्र कभी पूरी तरह से वर्षा पर निर्भर था और बंजर दिखता था। यह दामोदर रेड्डी ही थे जिन्होंने श्रीराम सागर परियोजना का पानी यहां लाने के लिए अथक संघर्ष किया। वे तत्कालीन विपक्ष के नेता डॉ.वाई.एस. राजशेखर रेड्डी को भी इस क्षेत्र में लाए और अपने लोगों के लिए अन्याय के खिलाफ निडरता से खड़े हुए। कोमटिरेड्डी ने जोर देकर कहा कि आज हरा-भरा हो रहा यह क्षेत्र दामोदर रेड्डी के संघर्ष और दूरदर्शिता का प्रत्यक्ष परिणाम है। उन्होंने कहा, कुछ लोग अब इसका श्रेय ले सकते हैं, लेकिन जनता सच्चाई जानती है। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और वरिष्ठ कांग्रेस नेता शोक संतप्त परिवार और दामोदर रेड्डी को आदर्श मानने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रति एकजुटता व्यक्त करने के लिए स्मारक पर उपस्थित हुए। कोमटिरेड्डी ने कहा, कांग्रेस पार्टी उनके पुत्र सर्वोत्तम रेड्डी और दामोदर रेड्डी के नेतृत्व में विश्वास रखने वाले सभी लोगों के साथ दृढ़ता से खड़ी है। उन्होंने वरिष्ठ नेता की दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

आदिवासी महिला के साथ सामूहिक बलात्कार के बाद मौत

मंदिर के पास बेहोशी की हालत में मिली थी पीड़िता

मेदक, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुलचरम मंडल के एडुपयाला मंदिर के पास एक आदिवासी महिला के साथ सामूहिक बलात्कार और मारपीट की दर्दनाक घटना सामने आई है। गंभीर रूप से घायल महिला की शनिवार रात गांधी अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। दिन में ग्रामीणों ने उसे बेहोशी की हालत में एक पेड़ से बंधा पाया था, उसके शरीर पर कई चोटें थीं और हाथ भी टूटा हुआ था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कुछ लोगों ने शुक्रवार सुबह मेदक शहर से महिला को मजदूरी के बहाने काम पर रखा था। लेकिन उसे काम पर ले जाने के बजाय मंदिर के पास एक सुनसान इलाके में ले जाकर उसके साथ क्रूरतापूर्वक मारपीट और बलात्कार किया गया।

स्थानीय लोगों ने जब महिला को बेहोश देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने उसे पहले नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उसे गांधी अस्पताल भेजा गया, जहां रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान के लिए आसपास के क्षेत्रों से सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और उन्हें पकड़ने के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं।

ग्रीनलैंड्स रोड पर ट्रक से टक्कर, डॉक्टर समेत दो लोगों की मौत

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार सुबह ग्रीनलैंड्स, बेगमपेट रोड पर एक ट्रक और स्कूटर की टक्कर में केआईएमएस अस्पताल के डॉक्टर कस्तूरी जगदीश चंद्र (35) और बाइक टैक्सी चालक एम नवीन (30) की मौत हो गई। डॉक्टर जगदीश कुंदनबाग में रहते थे और करीमनगर के मूल निवासी थे। पुलिस के अनुसार, जगदीश ने अपने कार्यस्थल तक पहुंचने के लिए नवीन को बुक किया था। सुबह करीब साढ़े पांच बजे ग्रीनलैंड्स रोड पर रेत से लदे ट्रक ने पीछे से उनकी बाइक को टक्कर मार दी। दोनों सड़क पर गिर पड़े और ट्रक ने उन्हें कुचल दिया। नवीन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि जगदीश को गंभीर चोटें आईं और पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पंजागुट्टा पुलिस ने ट्रक चालक शंकर को हिरासत में लिया और वाहन जब्त कर लिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हैदराबाद में चिटफंड कारोबार का जाल

जनता की मेहनत की कमाई पर डाका

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर और उसके आसपास के इलाकों में अवैध चिटफंड कारोबार तेजी से फैल रहा है, जहां संचालक लोगों को ऊंचे मुनाफे का लालच देकर ठग रहे हैं। हाल के महीनों में हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा पुलिस आयुक्तालयों में ऐसे कई मामले दर्ज हुए हैं, जिनमें चिटफंड संचालकों ने निवेशकों से लाखों रुपये वसूलने के बाद अचानक कारोबार समेट लिया और फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, ये संचालक पहले किसी इलाके में घर या दफ्तर किराए पर लेकर काम शुरू करते हैं और धीरे-धीरे लोगों का विश्वास जीत लेते हैं। कुछ साल तक सही काम करने के बाद अचानक एक रात दफ्तर बंद कर भाग जाते हैं। बाद में शिकायत मिलने पर पुलिस जांच करती है और कई बार महीनों बाद आरोपी पकड़े जाते हैं।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि इन कारोबारों में ज्यादातर संचालक बिना किसी वैध अनुमति के काम करते हैं और इसलिए निवेशकों का पैसा वापस पाना बेहद कठिन हो जाता है। अधिकारी ने कहा कि कई बार ये संचालक खुद भी किसी और चिटफंड के झांसे में आ जाते हैं या फिर जानबूझकर लोगों को ठगने के लिए यह धंधा शुरू करते हैं। पुलिस ऐसे मामलों में धोखाधड़ी और चिटफंड अधिनियम के तहत आपराधिक केस दर्ज करती है, लेकिन निवेशकों को धनवापसी अदालत के आदेशों पर ही मिल पाती है। कुछ मामलों में संपत्तियों की कुर्की कर नीलामी के बाद पीड़ितों को पैसा लौटाया जाता है, मगर यह प्रक्रिया लंबी और जटिल होती है।

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी चिटफंड या निवेश योजना में पैसा लगाने से पहले यह जरूर जांच लें कि कंपनी रजिस्टर्ड है या नहीं। इसकी जानकारी रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी) के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है। अधिकारियों ने कहा कि ऊंचे मुनाफे की गारंटी वाली योजनाओं में अक्सर भारी जोखिम होता है। उन्होंने सलाह दी कि लोग सुरक्षित निवेश के लिए बैंक और डाकघर की सावधि या आवर्ती जमा योजनाओं को प्राथमिकता दें।

अगले शैक्षणिक वर्ष से फिर शुरू होगी मुख्यमंत्री नाश्ता योजना

दो साल बंद रहने के बाद सरकार ने सभी सरकारी स्कूलों में लागू करने का किया फैसला

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दो शैक्षणिक वर्षों तक छात्रों को सुबह के नाश्ते से वंचित रहने के बाद राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री नाश्ता योजना को फिर से शुरू करने का निर्णय लिया है। यह योजना आगामी शैक्षणिक वर्ष 2026-27 से शुरू की जाएगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने हाल ही में सरकार को एक प्रस्ताव भेजा है, जिसमें राज्य के सभी सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों में नाश्ता योजना को लागू करने की मंजूरी मांगी गई है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, प्रस्ताव में नाश्ते के लिए एक नया मेनू तय किया गया है। इसमें चावल से बने व्यंजन जैसे पोंगल, खिचड़ी या पुलिहोरा हफ्ते में तीन दिन, उपमा दो दिन और इडली या मैसूर बोंडा हफ्ते में एक दिन परोसे जाने का सुझाव दिया गया है। योजना को सरकार की मंजूरी मिलने के बाद 12 जून, 2026 से लागू किया जाएगा।

गौरतलब है कि पिछली बीआरएस सरकार ने अक्टूबर 2023 में मुख्यमंत्री नाश्ता योजना की शुरूआत की थी, ताकि बच्चे खाली पेट स्कूल न जाएं। इस योजना के तहत पहले चरण में 119 स्कूलों में नाश्ता उपलब्ध कराया गया था और बाद में इसे 3,500 स्कूलों तक बढ़ाया गया था। योजना को राज्य के सभी 27,147 सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों तक विस्तार देने की योजना थी, जिसके लिए 672 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया था। उस समय इस योजना के अच्छे परिणाम सामने आए थे। सुबह की प्रार्थना के दौरान छात्रों के बेहोश होने की घटनाओं में कमी आई थी और स्कूलों में उपस्थिति भी बढ़ी थी। लेकिन विधानसभा चुनावों और सरकार बदलने के बाद, नई कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने पर धन की कमी और आवंटन न होने के कारण यह योजना दो शैक्षणिक वर्षों के लिए बंद कर दी गई।

हाल ही में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने तमिलनाडु राज्य योजना आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कांग्रेस सरकार से इस योजना को फिर शुरू करने की मांग की थी। उस रिपोर्ट में बताया गया था कि तमिलनाडु में नाश्ता योजना शुरू होने के बाद बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग ने अब मुख्यमंत्री नाश्ता योजना को फिर से शुरू करने का प्रस्ताव सरकार को भेज दिया है। अधिकारी ने कहा कि योजना को अगले शैक्षणिक वर्ष से शुरू किया जाएगा, हालांकि इसका नाम वही रहेगा या नया रखा जाएगा, यह अभी तय नहीं हुआ है। सरकार का कहना है कि इस योजना का उद्देश्य बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना और उन्हें खाली पेट स्कूल जाने से रोकना है, ताकि उनकी सेहत और पढ़ाई दोनों में सुधार हो सके।

कई इलाकों में बंद रहेगी 36 घंटे पानी की आपूर्ति

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृष्णा पेयजल आपूर्ति परियोजना चरण-3 की रिंग मेन-1 पाइपलाइन की मरम्मत के कारण हैदराबाद के कई इलाकों में 13 अक्टूबर की सुबह 6 बजे से 14 अक्टूबर की शाम 6 बजे तक पानी की आपूर्ति बंद रहेगी। प्रभावित इलाकों में गाचीबोवली, कोंडापुर, माधापुर, जुबली हिल्स, फिल्म नगर, मेहदीपट्टनम, गोलकोंडा, लंगर हौज, शास्त्रीपुरम, नागोले, वनस्थलीपुरम, उप्पल, बोडुप्पल और पेद्दा अंबरपेट समेत कई क्षेत्र शामिल हैं। एचएमडब्ल्यूएसएसबी ने बताया कि कोंडापुर से गोडाकोंडला तक जाने वाली 2,375 मिमी व्यास की पाइपलाइन में पानी का रिसाव ठीक करने के लिए यह मरम्मत कार्य किया जा रहा है। अधिकारियों ने नागरिकों से पानी का सावधानीपूर्वक उपयोग करने की अपील की है।

बीएम बिड़ला विज्ञान केंद्र में प्रदर्शित हुआ लाखों साल पुराना स्टेगोडॉन हाथी का दांत

सिंगरेनी कंपनी की खदान से मिला जीवाश्म अब जनता के लिए प्रदर्शित

हैदराबाद, 12 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीएम बिड़ला विज्ञान केंद्र में नया मंडप खुला है, जहां लाखों साल पुराने जीवों के अवशेष देखे जा सकते हैं। सबसे खास आकर्षण एक विलुप्त स्टेगोडॉन हाथी के सात फुट लंबे दांत हैं, जो अब प्रदर्शनी का हिस्सा बने हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि स्टेगोडॉन प्रजाति लगभग 1.1 करोड़ साल पहले से लेकर 6,000 साल पहले तक पृथ्वी पर मौजूद थी। ये दांत सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के अन्वेषण दल ने रामागुंडम के मेडापल्ली ओपन कास्ट खदान में खोजे थे। इन्हें सावधानीपूर्वक जोड़कर प्रदर्शनी के लिए तैयार किया गया है।

सिंगरेनी मंडप में जीवाश्म लकड़ी और प्राचीन पर्यावरण से जुड़ी अन्य खोजों का भी प्रदर्शन किया गया है। यह गैलरी सिंगरेनी कंपनी के सहयोग से बनाई गई है और शनिवार को आम जनता के लिए खोली गई। उद्घाटन समारोह में एससीसीएल के अध्यक्ष एन बलराम और जीपी बिड़ला संस्थान की अध्यक्ष निर्मला बिड़ला मौजूद रहीं। गैलरी में कोयला, शेल और ज्वालामुखीय राख के नमूने भी प्रदर्शित किए गए हैं, जो सिंगरेनी क्षेत्र की भूगर्भीय समृद्धि को दर्शाते हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.